E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वर्ष -11 अंक -130 | प्रयागराज, गुरूवार 31 जुलाई, 2025 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 3.00 रूपये

रूस में दुनिया का छठा सबसे बड़ा भूकंप, 8.8 तीव्रता,आई सुनामी,अमेरिका के अलास्का-हवाई तक लहरें पहुंची

टोक्यो। रूस के पूर्वी प्रायद्वीप कामचटका में दुनिया का छठा सबसे बड़ा भूकंप आया है। यूएस जियोलॉजिकल सर्वे के मुताबिक भूकंप

की तीव्रता 8.8 थी। यह भारतीय समयानुसार बुधवार सुबह 4:54 बजे आया। रॉयटर्स के मुताबिक कामचटका में 5 मीटर तक ऊंची सुनामी आई है। इसकी वजह से कई इमारतों को नुकसान पहुंचा है। यूएस जियोलॉजिकल सर्वे ने बताया कि भूकंप का केंद्र जमीन से 19.3 किलोमीटर की गहराई में था। कामचटका के गवर्नर व्लादिमीर सोलोदोव ने वीडियो पोस्ट कर कहा कि आज का भूकंप दशकों में सबसे शक्तिशाली था। उन्होंने कहा कि एक किंडरगार्टन स्कूल को नुकसान पहुंचा है। जापान के एनएचके टेलीविजन के मुताबिक, देश के पूर्वी तट के पास एक फुट ऊंची पहली सुनामी लहरें पहुंची हैं। जापान ने राजधानी

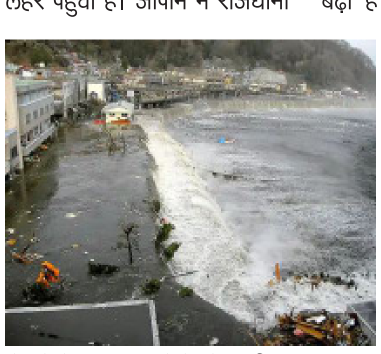

टोक्यो में 20 लाख लोगों को सुरक्षित जगहों पर जाने के लिए कहा है। इसके अलावा अपने फुकुशिमा परमाणु रिएक्टर को खाली को करा लिया है। अमेरिका के अलास्का और हवाई द्वीप तक सुनामी की लहरें पहुंच गई हैं। पूरे प्रशांत महासागर में सुनामी का खतरा फैला- जापान के उत्तरी तट पर 40 सेंटीमीटर ऊंची लहरें आ चुकी हैं।टोक्यो में करीब 20 लाख लोगों को घर खाली करने का आदेश दिया गया है।जापान ने कहा है कि सुनामी की लहरें एक से ज्यादा दिन तक आ सकती हैं।हवाई में भी जल्द ही सुनामी पहुंचने की आशंका है। कैलिफोर्निया में लोगों को समंदर के किनारे से दूर रहने के लिए कहा गया है। चीन, फिलीपींस, इंडोनेशिया, न्यूज़ीलैंड, पेरू और मेक्सिको ने भी अपने तटीय इलाकों में सुनामी अलर्ट जारी कर दिए हैं।जापान मौसम विज्ञान एजेंसी के अधिकारी कियोमोटो मसाशी ने बुधवार दोपहर प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि सुनामी की लहरें अभी भी देखी जा रही हैं। एक सुनामी लहर का सायकल करीब एक घंटे लंबा हो सकता है और ऐसी लहरें एक दिन तक जारी रह सकती हैं। उन्होंने कहा कि इस वजह से अभी भी ऊंची लहरों और क्षति की आशंका बनी हुई है।हवाई में कई बड़ी सुनामी लहरें टकराई हैं। इनमें से कई लहरें 5 फीट से ज्यादा ऊंची रहीं। अब तक किसी बड़े नुकसान की खबर नहीं है। राज्य के गवर्नर जोश ग्रीन ने लोगों से सतर्क रहने की अपील की है और कहा है कि अभी खतरा पूरी तरह टला नहीं है।गवर्नर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'अब तक हमने कोई गंभीर लहर नहीं देखी है, जो हमारे लिए राहत की बात है।' उन्होंने बताया कि अब तक किसी तरह के नुकसान या बिजली आपूर्ति में रुकावट की जानकारी नहीं मिली है। फिलहाल सुनामी की लहरें हवाई के बिग आइलैंड से आगे नहीं बढ़ी हैं। हवाई काउंटी के सिविल डिफेंस विभाग ने चेतावनी दी है कि आने वाले कुछ घंटों में समुद्री लहरों की ऊंचाई और बढ़ सकती है। शुरुआती लहरें कई फीट ऊंची दर्ज की गई हैं। ऐसे में लोगों को तटीय इलाकों से दूर रहने और आपात स्थिति के लिए तैयार रहने की सलाह दी गई है। विभाग ने कहा है कि खतरा अभी टला नहीं है और स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है।कामचटका के कुरील द्वीप समूह पर सेवेरो-कुरीलस्क के पास सुनामी की 4 मीटर लहरें उठीं। कुछ लहरें पांच मीटर तक ऊंची थीं। लगभग 2,700 लोगों को द्वीपों पर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है।अमेरिका के हवाई में भी सुनामी की पहली लहरें पहुंच चुकी हैं। अभी लहर की ऊंचाई 4 फीट है, लेकिन 10 फीट तक ऊंची लहरें उठने की आशंका जताई जा रही है।अमेरिका के लॉस एंजिलिस में पुलिस हेलिकॉप्टर से सायरन बजाते हुए लोगों को चेतावनी दे रही है। उन्होंने ऊंची जगहों पर जाने के लिए कहा जा रहा है।अमेरिका के अलास्का राज्य में सुनामी की पहली लहरें टकरा चुकी हैं। यह लहर कितनी ऊंचाई की है, इसकी जानकारी नहीं आई है। इसके साथ ही हवाई में भी कभी भी लहरें आने की आशंका है। अमेरिकी सुनामी चेतावनी केंद्र का कहना है कि अगले कुछ घंटों में पश्चिमी अमेरिका के अलग-अलग तटीय इलाकों में लहरें पहुंच सकती हैं। अधिकारियों ने लोगों से तट के इलाकों से दूर रहने और अलर्ट रहने की अपील की है।अमेरिकी द्वीप हवाई के काउई में हनाली खाड़ी में पानी तेजी से घटना शुरू हो गया है। पानी का कम होना सुनामी के पहुंचने से पहले का संकेत माना जाता है। 12 से ज्यादा देशों में जारी हुआ सुनामी अलर्ट- रूस (कामचटका और कुरील द्वीप समूह) जापान (देशभर में), अमेरिका (हवाई और अलास्का) ,कनाडा (ब्रिटिश कोलंबिया) ,इक्वाडोर (गैलापागोस द्वीप समूह), पेरू (तटीय इलाके) , मेक्सिको (तटीय इलाके) , न्यूजीलैंड और प्रशांत द्वीप समूह (गुआम, सोलोमन आइलैंड्स, नॉर्दन मरियाना द्वीप) , चीन (पूर्वी तट) , फिलीपींस , ताइवान , इंडोनेशिया। अमेरिकी सुनामी चेतावनी केंद्रों ने कहा है कि रूस और इक्वाडोर के तटीय इलाकों में बहुत ऊंची लहरें उठ सकती

हैं। कुछ जगहों पर ये लहरें 3 मीटर (करीब 10 फीट) से भी ज्यादा ऊंची हो सकती हैं। दक्षिण अमेरिका, प्रशांत द्वीपों और एशिया के कुछ तटीय इलाकों में भी समुद्र की लहरें सामान्य से ज्यादा ऊंचाई तक पहुंच सकती हैं। अभी यह कहना मुश्किल है कि यह सुनामी कितनी नुकसानदायक होगी या कितने देश प्रभावित होंगे, लेकिन कई देश सतर्क हो चुके हैं और तैयारी कर रहे हैं। शुरुआती रिपोर्टों में कहा गया है कि जो लहरें अब तक आई हैं, वे

पहले के अनुमान से थोड़ी कम गंभीर लग रही हैं, लेकिन खतरा अभी भी बना हुआ है। 3 मीटर ऊंची लहर उठने का खतरा- चिली, कोस्टा रिका, फ्रेंच पोलिनेशिया, गुआम, हवाई, जापान और प्रशांत क्षेत्र के बाकी द्वीप। 1 मीटर ऊंची लहर उठने का खतरा- ऑस्ट्रेलिया, कोलंबिया, मेक्सिको, न्यूजीलैंड, टोंगा और ताइवान। 1 फुट ऊंची लहर उठने का खतरा- ब्रुनेई, चीन, उत्तर कोरिया, मलेशिया, दक्षिण कोरिया और वियतनाम। अब तक दर्ज किए गए 10 सबसे बड़े भूकंप- 1. 9.5 तीव्रता (1960) - बिओबियो, चिली 2. 9.2 तीव्रता (1964) - अलास्का, अमेरिका 3. 9.1 तीव्रता (2004) - सुमात्रा, इंडोनेशिया 4. 9.1 तीव्रता (2011) - तोहोकू, जापान 5. 9.0 तीव्रता (1952) - कामचटका, रूस 6. 8.8 तीव्रता (2010) - बायोबियो, चिली 7. 8.8 तीव्रता (1906) - एस्मेराल्डास, इक्वाडोर 8. 8.7 तीव्रता (1965) - अलास्का, अमेरिका 9. 8.6 तीव्रता (1950) - अरुणाचल प्रदेश, भारत 10. 8.6 तीव्रता (2012) - सुमात्रा, इंडोनेशिया। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (यूएस जियोलॉजिकल सर्वे) के मुताबिक यह अब तक के दर्ज छह सबसे शक्तिशाली भूकंपों में गिना जाएगा। इससे पहले इसी तीव्रता के दो और बड़े भूकंप हुए थे। एक 2010 में चिली के बायोबियो क्षेत्र और दूसरा 1906 में इक्वाडोर के एस्मेराल्डास में आए थे।यूएस जियोलॉजिकल सर्वे के मुताबिक, चिली के भूकंप में 523 लोगों की मौत हुई थी और 3.7 लाख से ज्यादा घर तबाह हो गए थे। वहीं, इक्वाडोर के भूकंप से आई बड़ी सुनामी ने 1,500 लोगों की जान ली थी और लहरें अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को तक पहुंच गई थीं।एक और दिलचस्प बात यह है कि अब तक पांचवां सबसे भीषण भूकंप भी रूस के कामचटका इलाके में ही आया था। यह भूकंप 1952 में आया था और इसे दुनिया का पहला दर्ज किया गया 9 तीव्रता का भूकंप माना जाता है।उस भूकंप ने एक भीषण सुनामी पैदा की थी, जिसने हवाई को तबाह कर दयिा था और वहां 10 लाख डॉलर से ज्यादा का नुकसान हुआ था।जापान में करीब 20 लाख लोगों से सुरक्षित जगहों पर जाने के लिए कहा गया है। देश के तटीय इलाकों से सुनामी की छोटी लहरें टकरा रही हैं। हालांकि, लहरें पहले जितनी बड़ी बताई गई थीं, उससे काफी कम हैं। जापान की आपदा प्रबंधन एजेंसी के मुताबिक, देश के 21 अलग-अलग प्रान्तों में स्थानीय अधिकारियों ने लोगों को घर खाली करने और सुरक्षित स्थानों पर जाने का आदेश दिया है। सबसे अधिक प्रभावित लोग होक्काइडो, कानागावा और वाकायामा जैसे इलाकों में हैं।होक्काइडो जापान का सबसे उत्तरी द्वीप है। यहां सुनामी की पहली लहरें टकराईं। कई मीडिया रिपोर्टों में लोगों को छतों पर शरण लेते हुए दिखाया गया है। जापान मौसम विज्ञान एजेंसी ने बताया है कि अब तक जो सुनामी लहरें आई हैं, उनकी ऊंचाई 30 से 50 सेंटीमीटर के बीच रही है।

संयुक्त राष्ट्र ने माना- पहलगाम हमले के लिए टीआरएफ़ जिम्मेदार,कहा- आतंकी संगठन ने अटैक की 2 बार जिम्मेदारी ली, लश्कर का भी नाम आया

नयी दिल्ली। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) की सेंक्शंस मॉनिटरिंग टीम ने ग्लोबल टेररिस्ट संगठनों पर बुधवार को रिपोर्ट जारी की। इसमें माना कि पहलगाम हमले के लिए द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ़) जिम्मेदार है। टीआरएफ़ ने हमले के बाद दो बार जिम्मेदारी ली। टीआरएफ़ ने हमले वाले दिन 22 अप्रैल को घटनास्थल की फोटो भी प्रकाशित की थी। अगले दिन फिर से जिम्मेदारी ली, लेकिन 26 अप्रैल को अचानक अपना दावा वापस ले लिया। इसके बाद टीआरएफ़ ने कोई और बयान नहीं दिया और किसी अन्य संगठन ने भी हमले की जिम्मेदारी नहीं ली। संयुक्त राष्ट्र की यह 36वीं रिपोर्ट आतंकी संगठनों आईएसआईएल, अल-कायदा और उनसे जुड़े गुटों पर आधारित है। रिपोर्ट के मुताबिक,'एक सदस्य देश ने कहा कि यह हमला पाकिस्तान आधारित लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) की मदद के बिना संभव नहीं था। टीआरएफ़ और एलईटी के बीच संबंध हैं। जबकि एक अन्य सदस्य देश ने एलईटी को निष्क्रिय बताया और इन दावों को खारिज किया।' रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि पहलगाम क्षेत्र में हालात बहुत संवेदनशील हैं और आतंकवादी संगठन इस तनाव का फायदा उठाने की फिर कोशिश कर सकते हैं। पहलगाम की बायसरन घाटी में 22 अप्रैल को आतंकियों ने पर्यटकों पर गोलियां बरसाई थी। इस दौरान 1

नेपाली नागरिक समेत 26 लोगों की मौत हो गई थी।संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने 25 अप्रैल को एक प्रेस बयान जारी कर आतंकवादी हमले की निंदा की थी, लेकिन उसमें टीआरएफ़ का नाम शामिल नहीं किया गया। इसके बाद पाकिस्तानी विदेश मंत्री इशाक डार ने बताया था कि हमने टीआरएफ का नाम हटवाने की कोशिश की थी और उसे सफलतापूर्वक हटा भी दिया गया था।इससे पहले 18 जुलाई को अमेरिका ने पाकिस्तान समर्थित द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ़) को विदेशी आतंकवादी संगठन (एफटीओ) और विशेष रूप से नामित वैश्विक आतंकवादी (एसडीजीटी) की लिस्ट में डाल दिया था। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने इसकी जानकारी दी थी। मार्को रुबियो ने बयान में लिखा था, 'लश्कर-ए-तैयबा का एक मुखौटा और प्रॉक्सी, टीआरएफ़ ने 22 अप्रैल, 2025 को भारत के पहलगाम में हुए हमले की जिम्मेदारी ली थी, जिसमें 26 नागरिक मारे गए थे। यह 2008 में मुंबई हमलों के बाद लश्कर का भारत में नागरिकों पर किया गया सबसे घातक हमला था।' 'टीआरएफ़ ने भारतीय सुरक्षा बलों पर कई हमलों की जिम्मेदारी भी ली है, जिनमें 2024 का हमला भी शामिल है। अमेरिकी सरकार का यह फैसला राष्ट्रपति ट्रम्प की तरफ से पहलगाम हमले के लिए न्याय दिलाने की कोशिश है। यह कदम दिखाता है कि ट्रम्प सरकार देश की सुरक्षा को लेकर गंभीर है और आतंकवाद के खिलाफ मजबूती से खड़ी है।'विदेश मंत्री एस जयशंकर ने टीआरएफ़ पर अमेरिकी प्रतिबंध के बाद एक्स पर लिखा, भारत-अमेरिका आतंकवाद विरोधी सहयोग की मजबूत पुष्टि हुई है। विदेश मंत्री मार्को रुबियो को धन्यवाद कि उन्होंने टीआरएफ़ (लश्कर-ए-तैयबा का एक प्रॉक्सी संगठन) को विदेशी आतंकी संगठन (एफटीओ) और विशेष रूप से नामित वैश्विक आतंकी (एसडीजीटी) घोषित किया। टीआरएफ़ ने 22 अप्रैल को पहलगाम हमले की जिम्मेदारी ली थी। आतंकवाद के लिए जीरो टॉलरेंस।22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमला हुआ था। इसमें आतंकियों ने 26 पर्यटकों की जान ले ली थी। हमले के कुछ ही देर बाद टीआरएफ़ ने घटना की जिम्मेदारी ली थी और बयान जारी कर कहा था कि भारत सरकार कश्मीर में मुस्लिमों को बहुसंख्यक से अल्पसंख्यक बना रही है। हालांकि, 26 अप्रैल को टीआरएफ़ इससे मुकर गया था। संगठन के प्रवक्ता अहमद खालिद ने कहा था कि पहलगाम हमले के लिए टीआरएफ़ को जिम्मेदार ठहराना गलत है। खालिद ने कहा कि उनकी वेबसाइट को हैक कर लिया गया था।

सेना का ऑपरेशन शिवशक्ति, पुंछ में 2 आतंकी ढेर,तीन हथियार और गोला-बारूद भी बरामद,एलओसी के पास घुसपैठ कर रहे थे

नयी दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के पुंछ में लाइन ऑफ कंट्रोल के पास घुसपैठ की कोशिश कर रहे दो आतंकियों को

सेना ने मार गिराया। अधिकारियों के मुताबिक, बॉर्डर पर तैनात जवानों ने मंगलवार देर रात देगवार सेक्टर के मालदीवलन इलाके में संदिग्ध गतिविधि देखी। जिसके बाद एनकाउंटर शुरू हुआ। इस ऑपरेशन को शिवशक्ति नाम दिया गया। आतंकियों के पास से 3 हथियार और गोला-बारूद भी बरामद किया गया। पिछले तीन दिनों में सेना का यह दूसरा एनकाउंटर है। 28 जुलाई को श्रीनगर के दाचीगाम नेशनल पार्क के पास हरवान इलाके में सुरक्षाबलों तीन पाकिस्तानी आतंकवादियों को ढेर किया था। इनमें पहलगाम हमले का मुख्य आरोपी सुलेमान भी शामिल था। बाकी दो आतंकियों की पहचान जिबरान और हमजा अफगानी के रूप में हुई है। जिबरान 2024 के सोनमर्ग सुरंग प्रोजेक्ट पर हुए हमले में शामिल था। आतंकियों के पास से अमेरिकी एम4 कार्बाइन, एके-47, 17 राइफल और ग्रेनेड मिले थे। इसे ऑपरेशन महादेव नाम दिया गया था। एक हफ्ते पहले सुरक्षाबलों को श्रीनगर के दाचीगाम जंगल में आतंकियों के छिपे होने की खुफिया जानकारी मिली थी। इन आतंकियों ने हमले के बाद पहली बार एक चाइनीज अल्ट्रा कम्युनिकेशन सेट को फिर से एक्टिवेट किया था। उसी सैटेलाइट फोन के सिग्नल ट्रेस हुए। इसके बाद सुरक्षाबलों ने आतंकियों का पता लगाने के लिए बड़े पैमाने पर सर्च ऑपरेशन चलाया। 28 जुलाई की सुबह लगभग 11:30 बजे 24 राष्ट्रीय राइफल्स और 4 पैरा यूनिट के जवानों की एक टुकड़ी ने एडवांस गैजेट्स का इस्तेमाल करके आतंकियों का लोकेशन पता लगाया और वहां मौजूद तीनों आतंकियों को मार गिराया।22 अप्रैल को हुए पहलगाम हमले में 26 लोगों की मौत हो गई थी और 16 लोग गंभीर रूप से घायल हुए थे। आतंकियों ने पर्यटकों को उनकी धार्मिक पहचान के आधार पर चुन-चुनकर निशाना बनाया था।

प्रियंका बोलीं- महाराष्ट्र में रहना है तो मराठी आनी चाहिए,राज-उद्धव का साथ जरूरी, धनखड़ का इस्तीफा प्रेशर डालकर लिया

नयी दिल्ली।'महाराष्ट्र में रहने वाले हर व्यक्ति को मराठी आनी ही चाहिए। इसे लेकर मारपीट की इक्का-

दुक्का घटनाएं हुई हैं और उसके लिए कानून है।' शिवसेना-यूबीटी की सांसद प्रियंका चतुर्वेदी का मानना है कि महाराष्ट्र में रह रहे हैं, तो मराठी बोलने और सीखने में कोई बुराई नहीं। राज और उद्धव के साथ आने को वो मजबूरी नहीं, महाराष्ट्र के जनता की डिमांड बताती हैं। वे कहती हैं, 'बीजेपी ने हमारी पार्टी तोड़ी है। इसलिए अब राज और उद्धव का साथ आना जरूरी हो गया है।' प्रियंका उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के इस्तीफे पर सवाल उठाती हैं। उनका मानना है कि खराब सेहत कोई कारण नहीं है। उन पर दबाव बनाकर इस्तीफा लिया गया है। संसद के मानसून सेशन के बीच शिवसेना-यूबीटी की सांसद प्रियंका चतुर्वेदी से उद्धव-राज गठबंधन, मराठी भाषा विवाद समेत संसद में चल रहे गतिरोध को लेकर बातचीत की। पूछे जाने पर की 20 साल बाद उद्धव और राज ठाकरे एक साथ मंच पर आए, इसकी क्या वजह है? उन्होंने बताया मैं प्रोग्राम में मौजूद थी। लोगों की भीड़ इतनी बढ़ गई थी कि पुलिस को एंट्री बंद करनी पड़ी। वहां पर दोनों पार्टियों के कार्यकर्ताओं में गजब की गर्मजोशी थी। बीजेपी ने केंद्र सरकार के जरिए हमारी पार्टी तोड़ने का काम किया। हमारी पार्टी का चुनाव चिह्न उसे (शिवसेना-शिंदे गुट) दे दिया, जिसने हमारे घर में आकर चोरी की। बिहार में जो हो रहा है, वही महाराष्ट्र में हुआ है। चुनाव सिर्फ किसी के इकबाल बुलंद होने का पैमाना नहीं हो सकता है। 'लोकसभा चुनाव में हमारी पार्टी की ज्यादा सीटें आईं, लेकिन हमारी पार्टी की ब्रांडिंग ही हमसे छीन ली गई। जिस तरह से बालासाहेब ठाकरे की लेगेसी एकनाथ शिंदे लेकर चले गए, इसकी वजह से दोनों भाइयों का साथ आना जरूरी है।' पूछे जाने पर की राज-उद्धव पहले भी साथ आ सकते थे, फिर क्यों नहीं आए? उनका जवाब था महाराष्ट्र में बांटो और राज करो की नीति चलाई गई। यहां दो लोगों को बांटकर रखा गया। अब दोनों साथ आकर महाराष्ट्र के मुद्दे उठाते हैं, तो मुझे लगता है कि ये राज्य के हित में है। ये कहना कि ये सिर्फ बीएमसी के लिए है, तो ऐसा नहीं है। महाराष्ट्र में सिर्फ बीएमसी चुनाव नहीं होते हैं। देश में लगातार चुनाव होते रहते हैं। जनता चाहती है कि दोनों साथ आकर लड़ें तो उसका सम्मान करना चाहिए। महाराष्ट्र की इंडस्ट्री दूसरे राज्यों में जाना, भाषा की राजनीति और भ्रष्टाचार समेत यहां काम करने के लिए तमाम मुद्दे हैं। विपक्ष में होने का ये मतलब नहीं है कि हमने सरेंडर कर दिया है। राजनीतिक पार्टी जनता के अस्तित्व की लड़ाई लड़ती रहती है। उद्धव साहब एक मिसाल बन चुके हैं। जिन्होंने उनके घर में डाका डाला, अब भी वो लड़ाई सुप्रीम कोर्ट में लड़ रहे हैं। भाषा पर पूछने पर उन्होंने बताया हां, महाराष्ट्र में रहना है तो मराठी आनी चाहिए। मेरे माता-पिता की पहली भाषा ब्रज है, लेकिन मैं ब्रज भाषा नहीं बोल पाती हूं। भाषा सीखने के मामले में हर किसी की अपनी योग्यता होती है। ऑपरेशन पर बहस पे उन्होंने बताया गतिरोध की वजह वही है, जो हर बार होती है। हम जनता के मुद्दे लेकर पहुंचते हैं, जैसे- किसानों का मुद्दा और युवाओं की बेरोजगारी की बात। सरकार इन पर चर्चा के लिए तैयार नहीं होती। संसदीय कार्य मंत्रालय की जिम्मेदारी होती है कि वो सत्ता और विपक्ष के बीच चर्चा कराकर तय करे कि किन मुद्दों पर चर्चा की जाए। ऑपरेशन सिंदूर के तहत हम भी संसदीय दल के तहत विदेश गए थे, तब हमने मांग की थी कि संसद का विशेष सत्र बुलाया जाए।

पहलगाम, ऑपरेशन सिंदूर और एअर इंडिया हादसे के बाद होने वाले मानसून सेशन में पहली प्राथमिकता थी कि इन मुद्दों पर चर्चा हो। बिहार में एसआईआर को लेकर चुनाव आयोग पर सवाल उठ रहे हैं, लेकिन इस पर चर्चा नहीं हो रही है। उम्मीद है कि उस पर चर्चा होगी।सवालः उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के इस्तीफे पर विपक्ष सवाल उठा रहा है। आपको क्या वजह लगती है ? जवाबः जगदीप धनखड़ का सत्ता पक्ष की तरफ जिस तरह का झुकाव था, इसकी वजह से हम अविश्वास प्रस्ताव लेकर आए थे। जब हम भारतीय न्याय संहिता पर चर्चा कर रहे थे, तब उन्होंने 50 से ज्यादा राज्यसभा सांसदों को सस्पेंड किया था। हम चाहते थे कि उपराष्ट्रपति को हटाया जाए, क्योंकि सभापति निष्पक्ष पद होता है। उस कुर्सी पर संविधान की बड़ी जिम्मेदारी होती है। वेंकैया नायडू को उपराष्ट्रपति बनाया गया था, तो उन्होंने पार्टी छोड़ दी थी। अब इस समय उपराष्ट्रपति का इस्तीफा पूरी तरह से चौंकाने वाला है। उनकी खराब सेहत कोई कारण नहीं है।

प्रयागराज में बीडीसी ने खुद को गोली से उड़ाया:महिला से छेड़छाड़ का लगा था आरोप, गांव में पुलिस फोर्स तैनात

प्रयागराज। (जिला पंचायत

सदस्य) ने खुद को गोली मारकर सुसाइड कर लिया है। बुधवार को अपनी लाइसेंसी रिवाल्वर से कनपटी में गोली मारी ली। आवाज सुनकर घर वाले आए। देखा कमरे में वो खून से लथपथ पड़े हैं। सिर के पास घाव था। आनन-फानन में अस्पताल लेकर भागे। यहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद गांव में तनाव बढ़ता देख कई थानों की फोर्स को तैनात कर दी गई। मौके पर एसीपी करछना भी पहुंच गए। पुलिस ने काफी प्रयास के बाद शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। ये मामला करछना थाना क्षेत्र के लोहदी गांव का है। 40 साल से थे बीडीसी सदस्य करछना के लोहदी गांव निवासी दीपक पांडेय पुत्र राजेंद्र प्रसाद पांडेय 40 साल से क्षेत्र के पंचायत सदस्य थे। मंगलवार को गांव की एक महिला से उनका विवाद हो गया था। महिला ने उन पर मारपीट और छेड़छाड़ का आरोप लगा दिया था।करछना थाने में तहरीर दी थी। जिस मामले में पुलिस ने दीपक पांडेय समेत एक अन्य को पूछताछ के लिए थाने पर बुलाया था। दीपक बुधवार शाम को थाने से वापस घर पहुंचे। कमरे में पहुंचकर लाइसेंसी रिवाल्वर निकालकर अपनी कनपटी पर दाहिने ओर सटाकर मार लिया।गांव में फोर्स तैनात तनाव गांव में घटना के बाद कई थानों की फोर्स लगा दी गई। ग्रामीणों में काफी आक्रोश और तनाव है। फिलहाल, पुलिस ने किसी तरह से ग्रामीण और घर वालों को समझा कर शांत कराया। घरवालों का कहना था कि महिला ने जो आरोप लगाया था।

पत्नी के शव पर रोते-रोते पति की मौत,एक ही चिता पर अंतिम संस्कार हुआ

प्रयागराज। घूरपुर थाना क्षेत्र के

बगबना गांव में एक हृदयविदारक घटना सामने आई है। 60 वर्षीय अशोक शर्मा की मौत उनकी पत्नी के शव के पास ही हो गई। वह अपनी बीमार पत्नी के शव पर विलाप कर रहे थे। अशोक शर्मा और उनकी 58 वर्षीय पत्नी लक्ष्मी देवी अपने चार बेटों के साथ दिल्ली में रहते थे। पिछले कुछ महीनों से लक्ष्मी देवी गंभीर बीमारी से पीड़ित थीं। उनका इलाज लखनऊ के एक अस्पताल में चल रहा था। बुधवार को इलाज के दौरान लक्ष्मी देवी की मौत हो गई। दोपहर में उनका पार्थिव शरीर बगबना स्थित पैतृक गांव लाया गया। परिजन अंतिम संस्कार की तैयारी कर रहे थे। इसी दौरान अशोक शर्मा पत्नी की याद में जोर-जोर से रोने लगे। वे पत्नी को पुकारते हुए फूट-फूटकर रो रहे थे। अचानक वे गश खाकर जमीन पर गिर पड़े। आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत उन्हें उठाया और अस्पताल ले जाने का प्रयास किया। लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। पति-पत्नी की एक ही दिन में मौत से गांव में शोक छा गया। परिजनों और रिश्तेदारों की भीड़ जुट गई। पूरे गांव ने नम आंखों से दोनों का अंतिम संस्कार एक ही चिता पर किया। अशोक और लक्ष्मी के चार बेटे हैं। सतीश (विवाहित), आशीष और दो छोटे बेटे, जो फिलहाल दिल्ली में पढ़ाई और नौकरी करते हैं।

पति-पत्नी की मौत ने पूरे परिवार को गहरे सदमे में डाल दिया है। गांव के लोग इस घटना को 'जीवन भर के रिश्ते का अंतिम संयोग' और 'अटूट प्रेम का प्रतीक' बता रहे हैं।

आधी रात को नए डीएम ने संभाला कार्यभार:प्रयागराज में मनीष कुमार वर्मा अब नए जिलाधिकारी

प्रयागराज। प्रयागराज के नवागत जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने बुधवार को कोषागार में अपना कार्यभार

ग्रहण कर लिया है। देर रात करीब 11.30बजे डीएम कोषागार में अफसरों की मौजूदगी में कार्यभार संभाल लिए। मुख्य कोषाधिकारी प्रत्युष द्विवेदी ने कार्यभार ग्रहण कराने की प्रक्रिया पूरी कराई। देर रात होने की वजह से डीएम ने जिले के अफसरों का संक्षिप्त परिचय लिया औ? उनके कार्यों की जानकारी हासिल की। दरअसल, यहां जिलाधिकारी रहे रविंद्र कुमार मांदड़ का ट्रांसफर गाजियाबाद के लिए हो गया, और अब गौतमबुद्ध नगर के जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा को प्रयागराज का जिलाधिकारी बनाया गया। 2011 बैच के आईएएस मनीष कुमार वर्मा इसके पहले जनपद कौशांबी, जौनपुर, गौतमबुद्धनगर में जिलाधिकारी एवं कई अन्य पदों पर कार्य कर चुके हैं। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी हर्षिका सिंह, अपर जिलाधिकारी (नगर) सत्यम मिश्र, अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) पूजा मिश्रा, अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) विनीता सिंह, अपर जिलाधिकारी नमामि गंगे संजीव कुमार शाक्य, सिटी मजिस्टेट्ट विनोद कुमार सिंह, मुख्य कोषाधिकारी प्रत्यूष कुमार द्विवेदी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

मेले में अग्नि सुरक्षा दृष्टिकोण से प्रभारी अग्निशमन बिजनौर द्वारा स्थलीय निरीक्षण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

मुरादाबाद। आज दिनांक 30.07.2025 को डॉ राजीव कुमार पाण्डेय सीएफओ मुरादाबाद/बिजनौर महोदय के दिशा- निर्देशन में मेला छड़ी जाहर दीवान गंज-2025 का अग्नि सुरक्षा दृष्टिकोण से प्रभारी अग्निशमन अधिकारी बिजनौर द्वारा स्थलीय निरीक्षण किया गया। मेले में उपस्थित आम-जनमानस को अग्निसुरक्षा सम्बन्धी आवश्यक दिशा-निर्देश एवं पंपलेट वितरित कर अग्नि सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया।

नैनी प्रयागराज के एडीए कॉलोनी बी ब्लॉक स्थित मां मनोकामना पूर्ण मंदिर में नाग पंचमी के अवसर पर रुद्राभिषेक का आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। नैनी स्थित एडीए

कॉलोनी बी ब्लॉक के मां मनोकामना पूर्ण मंदिर में नाग पंचमी के पावन अवसर पर रुद्राभिषेक का भव्य आयोजन किया गया। इस धार्मिक कार्यक्रम में कॉलोनीवासियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और भक्ति भाव से भोले बाबा का अभिषेक किया। कार्यक्रम के दौरान श्रद्धालुओं ने भजन-कीर्तन व नृत्य के माध्यम से भगवान शिव को प्रसन्न किया। भक्ति से ओत-प्रोत वातावरण में मंदिर परिसर गूंज उठा। इस मौके पर दिलीप जायसवाल, सपना, सारिका राय, दीक्षा, चंद्रशेखर सहित बड़ी संख्या में कॉलोनीवासी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में श्रद्धालुओं के लिए भंडारे का आयोजन भी किया गया, जिसमें सभी ने प्रसाद ग्रहण किया। इस धार्मिक आयोजन ने क्षेत्र में आस्था और सामूहिक एकता का सुंदर उदाहरण प्रस्तुत किया।

सर्व साधारण सुचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि उ0 प्र0 सरकार द्वारा संचालित योजनाओं में समस्त ट्रेडों हेतु वित्तीय वर्ष 2025-26 में 10 दिवसीय कौशल विकास प्रशिक्षण हेतु अभ्यर्थियों का चयन निम्न कार्यक्रम के अनुसार किया जाना है-

1- एस0सी0, एस0टी0 एवं ओ0बी0सी0 प्रशिक्षण कार्यक्रम दिनांक 01.08.2025
2- एक जनपद एक उत्पाद प्रशिक्षण कार्यक्रम दिनांक 02.08.2025
3- विश्वकर्मा श्रम सममान योजना ट्रेड- दर्जी दिनांक 04.08.2025
ट्रेड- हलवाई एवं टोकरी बुनकर दिनांक 05.08.2025
ट्रेड- लोहार, बढ़ई, नाई एवं राजमिस्त्री दिनांक 06.08.2025
ट्रेड- कुम्हार, सोनार, धोबी एवं मोची, दिनांक 07.08.2025
समस्त योजनाओं एवं ट्रेड के छूटे हुए अभ्यर्थी दिनांक 08.08.2025

पोर्टल पर ऑनलाइन प्राप्त आवेदन पत्रों पर स्कोर कार्ड के आधार पर चयन उपोक्त दिनांक को पूर्वान्ह 11:00 बजे से 04:00 बजे तक कार्यालय उपायुक्त उद्योग, जिला उद्योग प्रोत्साहन तथा उद्यमिता विकास केन्द्र, 05 नया कटरा, प्रयागराज में सम्पन्न होगा।

अतः पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदित समस्त अभ्यर्थियों को सूचित किया जाता है कि अपने समस्त (आधार कार्ड, बैंक पासबुक, शैक्षिक प्रमाण पत्र, जाति प्रमाणपत्र, निवास प्रमाण पत्र, अनुभव प्रमाण पत्र) प्रमाण पत्र की छाया प्रति के साथ ससमय कार्यालय उपायुक्त उद्योग, जिला उद्योग प्रोत्साहन तथा उद्यमिता विकास केन्द्र, 05 नया कटरा, प्रयागराज में उपस्थित होने का कष्ट करें।

उपायुक्त उद्योग
जिला उद्योग प्रोत्साहन तथा
उद्यमिता विकास केन्द्र
प्रयागराज

जनसेवा को समर्पित जीवन- विधायक श्री हर्षवर्धन बाजपेयी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

प्रयागराज। आज हम प्रयागराज के लोकप्रिय विधायक श्री हर्षवर्धन बाजपेयी जी का जन्मदिवस हर्षोल्लास से मना रहे हैं। राजनीति, समाजसेवा और युवाओं के लिए प्रेरणा बन चुके श्री बाजपेयी जी का जीवन संघर्ष, समर्पण और सफलता की मिसाल है। जीवन परिचयः हर्षवर्धन बाजपेयी जी का जन्म एक प्रतिष्ठित राजनीतिक परिवार में हुआ। वे उत्तर प्रदेश के पूर्व कैबिनेट मंत्री और वरिष्ठ नेता श्री अशोक बाजपेयी जी के सुपुत्र हैं। अपने पारिवारिक विरासत को आगे बढ़ाते हुए, उन्होंने भी समाजसेवा और जनहित के कार्यों में अपना जीवन समर्पित किया। उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा प्रयागराज से प्राप्त की और उच्च शिक्षा में इंजीनियरिंग की डिग्री हासिल की। तकनीकी ज्ञान के साथ सामाजिक दृष्टिकोण का संयोजन उनकी विशेषता रही है। राजनीतिक यात्रा और उपलब्धियाँ- हर्षवर्धन बाजपेयी जी की राजनीतिक यात्रा युवाओं से जुड़कर शुरू हुई। वे अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से जुड़े और छात्र राजनीति में सक्रिय

रहे। वर्ष 2017 के विधानसभा चुनाव में, उन्होंने भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी के रूप में प्रयागराज (उत्तर) सीट से चुनाव लड़ा और रिकॉर्ड मतों से विजय प्राप्त की। यह सीट लगभग 27 वर्षों तक भाजपा के हाथ से बाहर थी, जिसे उन्होंने फिर से पार्टी को दिलाई। उनके नेतृत्व में प्रयागराज उत्तर विधानसभा क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण विकास कार्य हुए हैं- सड़क, जल निकासी एवं स्वच्छता परियोजनाओं का विस्तार युवाओं के लिए कौशल विकास कार्यक्रमों की शुरुआत, सरकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में पारदर्शिता और तत्परता, गरीब और जरूरतमंद वर्ग के लिए निरंतर सहायता और जनसमस्याओं का समाधान, व्यक्तित्व की विशेषताएँ- हर्षवर्धन बाजपेयी जी दृढ़ विचारों वाले, अनुशासित और सरल व्यक्तित्व के धनी हैं। वे अपने क्षेत्र की जनता के लिए सदैव उपलब्ध रहते हैं और जनसुनवाई के प्रति संवेदनशील हैं। उनका लक्ष्य है - 'विकास की राजनीति को घर-घर तक पहुँचाना'।जन्मदिवस पर शुभकामनाएँ- उनके जन्मदिवस के इस पावन अवसर पर, प्रयागराज की जनता उन्हें दीर्घायु, उत्तम स्वास्थ्य और सेवा-पथ पर निरंतर सफलता की शुभकामनाएँ देती है। आशा है कि उनका नेतृत्व क्षेत्र और प्रदेश को नयी ऊँचाइयों तक पहुँचाएगा।

नैनी में नागपंचमी पर गुड़िया का भव्य मेले का आयोजन देर रात तक चलता रहा, कुश्ती प्रतियोगिता में पहलवानों ने दिखाए दांव-पेंच, सुंदर लाइटों से सजा शंकरढाल चौराहा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

प्रयागराज। नैनी क्षेत्र के शंकरढाल से काटन मिल सब्जी मंडी पर पुरानी परंपरा निभाते हुए सावन के पावन पर्व पर नागपंचमी पर देर रात तक चलता रहा गुड़िया का भव्य मेले का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कुश्ती प्रतियोगिता भी हुई जिसमें स्थानीय युवाओं ने उत्साह से भाग लिया। मेले में काटन मिल से लेकर सब्जी मंडी तक सुंदर लाइटों से सजावट की गई थी। व्यापार मंडल अध्यक्ष व पार्षद राकेश जयसवाल व शशि शर्मा लालू, संजय केसरवानी सीमेंट वाले की ओर से आयोजित इस मेले में विशेष तैयारियां की गई। परंपरा के अनुसार गुड़िया तालाब बनाया गया। इसमें गुड़िया को पीटा गया। बच्चों ने मेले में लगे झूलों का आनंद लिया। नैनी शंकरढाल चौराहे पर दर्शकों की भारी भीड़ जमा हुई। मेले से एक दिन पहले ही व्यापार मंडल के अध्यक्ष व नगर निगम और स्थानीय पुलिस ने बैठक कर पूरी तैयारी कर ली थी। आने वाले लोगों को किसी परेशानी का सामना न करना पड़े इसका विशेष ध्यान रखा गया। वाहनों के लिए रूट डायवर्जन भी किया गया था। नैनी कोतवाली प्रभारी व कस्बा चौकी इंचार्ज विपिन कुमार वर्मा के साथ पुलिस प्रशासन की ओर से मेले में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी।

गाजियाबाद में अचानक जमीन धंसी, 4 गाड़ियां समाईं,अपार्टमेंट का बेसमेंट बना तालाब; बहराइच में दो बच्चियां डूबीं, 40 शहरों में अलर्ट

प्रयागराज। यूपी में मानसून फिर से एक्टिव है। नोएडा-बरेली समेत 10 शहरों में रुक-रुक कर बारिश हो रही है। गाजियाबाद में रात में इतनी बारिश हुई कि सड़कों पर 2 फीट पानी भर गया। प्रतीक ग्रैंड सिटी सोसाइटी के बेसमेंट में पानी घुस गया।क्रॉसिंग रिपब्लिक के पास अचानक 15 फीट जमीन धंस गई। वहां खड़ी 4 कारें मलबे में समा गईं। बारिश से कई इलाकों में बिजली कटी रही। तहसील और नगर निगम के आसपास भी जलभराव हो गया है। 200 मीटर जर्जर बाउंड्री वॉल भी ढह गई है। इटावा में चंबल और क्वारी नदियों का जलस्तर खतरे के निशान को पार कर गया है। यमुना नदी भी उफान पर है। इसके चलते 42 गांवों में बाढ़ का खतरा बढ़ गया है। 12 गांवों के मुख्य मार्गों पर पानी भर गया है। सैकड़ों बीघा फसलें डूब गई हैं।बहराइच में बरसात के पानी से भरे गड्ढे में डूबने से दो मासूम बच्चियों की मौत हो गई। सुल्तानपुर में अयोध्या-सुल्तानपुर मार्ग पर 3 फीट सड़क बारिश में बह गई। इधर, प्रयागराज में गंगा का जलस्तर तीसरी बार बढ़ने से बाढ़ के हालात बन गए हैं। करीब 2 लाख लोग बाढ़ से घिरे हुए हैं। छोटा बघाड़ा, दारागंज जैसे इलाकों में लोगों के घरों में पानी घुस गया है। जरूरत की चीजें (राशन, दूध) नाव से पहुंचाई जा रही हैं। मौसम विभाग ने आज 40 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। इस दौरान 10-15 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं भी चलेंगी।पिछले 24 घंटे में 69 जिलों में औसतन 10.4 मिमी बारिश हुई। हालांकि मौसम विभाग ने 8.1 मिमी बारिश का अनुमान जताया था। ऐसे में 24 घंटे में 29फीसदी ज्यादा बारिश हुई। 1 जून से 30 जुलाई तक की बात करें तो यूपी में 327.6 मिमी बारिश हुई, जो मौसम विभाग के अनुमान 350.9 मिमी से 7फीसदी कम है।

प्रयागराज महेवा बाबा बर्फानी की स्थापना के साथ नागपंचमी पर भंडारे का आयोजन, दिलीप जायसवाल की रही अहम भूमिका

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज/महेवा। श्रावण मास के पावन पर्व नागपंचमी के अवसर पर महेवा गांव में बाबा बर्फानी की भव्य प्रतिमा की स्थापना की गई। इस धार्मिक आयोजन में सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भाग लिया और बाबा के दर्शन कर पुण्य लाभ अर्जित किया।कार्यक्रम का आयोजन ग्रामवासियों और युवा समिति के सहयोग से किया गया, जिसमें दिलीप जायसवाल की विशेष भूमिका रही। उन्होंने न केवल आयोजन की रूपरेखा तैयार की, बल्कि पूरी व्यवस्था के संचालन में सक्रिय योगदान दिया।स्थानीय भक्तों ने पूरे उत्साह

के साथ भजन-कीर्तन, पूजन और हवन में भाग लिया। आयोजन स्थल को भव्य रूप से सजाया गया था। बाबा बर्फानी के दर्शन के लिए श्रद्धालु सुबह से ही लाइन में खड़े दिखे। दोपहर में विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। भंडारे में शुद्ध देसी व्यंजनों के साथ सेवा भाव की मिसाल पेश की गई। कार्यक्रम के सफल आयोजन पर दिलीप जायसवाल ने कहा कि, 'यह आयोजन समाज को जोड़ने और हमारी आस्था को मजबूती देने का माध्यम है। बाबा बर्फानी की कृपा से हम हर वर्ष इसे और भव्य रूप देंगे।' स्थानीय निवासियों ने भी आयोजन की सराहना की और दिलीप जायसवाल सहित सभी आयोजकों का धन्यवाद किया।

प्रयागराज में 16 साल के किशोर ने लगाई फांसी,पिता की डांट से था नाराज

प्रयागराज।कीडगंज थाना क्षेत्र के खलासी लाइन इलाके में एक

दुखद घटना सामने आई है। यहां 16 वर्षीय किशोर का शव उसके कमरे में फंदे से लटका मिला। मृतक की पहचान राजू यादव के रूप में हुई है, जो स्वर्गीय रवि यादव का पुत्र था और खलासी लाइन, कीड़गंज में रहता था।घटना बुधवार की देर शाम की है। परिजनों के अनुसार, पिता ने राजू को पढ़ाई को लेकर डांट लगाई थी। इसके बाद वह बिना कुछ कहे अपने कमरे में चला गया। जब काफी समय तक कमरे का दरवाजा नहीं खुला, तो परिजनों ने दरवाजा तोड़कर देखा। अंदर राजू फंदे से लटका हुआ था।परिवार के सदस्य तुरंत उसे अस्पताल ले गए, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलते ही कीड़गंज पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया।पुलिस अब मामले की जांच कर रही है और परिवार के सदस्यों से पूछताछ कर रही है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट और परिजनों के बयान के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।इस दुखद घटना से पूरे परिवार में शोक का माहौल है। मां और अन्य बुजुर्ग परिजन रो-रोकर बेहाल हैं। पुलिस ने मामले में कानूनी कार्यवाही शुरू कर दी है।

काशी पहुंचा फाइव स्टार 3 मंजिला क्रूज,स्पा,जिम,रेस्टोरेंट, सन डेक की सुविधा,मिर्जापुर-प्रयागराज तक गंगा की सैर करें

प्रयागराज।वाराणसी में अब तीन मंजिला एक क्रूज पहुंच गया है। इसका नाम गंगोत्री रखा गया है। इसमें 5 स्टार होटल जैसी सुविधाएं हैं। लग्जरी सुविधाओं से लैस यह क्रूज पर्यटकों के लिए नया आकर्षण होगा। अब काशी से चुनार, प्रयागराज का सफर पर्यटक जलमार्ग से भी कर पाएंगे। इसका संचालन अगस्त से होगा। इसका पैकेज अभी तय नहीं हुआ है।खासियत की बात करें तो इसकी कुल लंबाई 52 मीटर, चौड़ाई 12 मीटर है। नदी में यह 1.45 मीटर की गहराई तक सफर करने में सक्षम होगा। 24 कमरों के साथ तीन मंजिला है। इसमें 200 लोग एक साथ रह सकते हैं। लंच, डायनिंग एरिया को खूबसूरत बनाया गया है। एसी कमरों में बड़ी खिड़कियां लगाई गई हैं, जो पर्यटकों को घाटों की खूबसूरती दिखाएंगी। पर्यटक गंगा में डॉल्फिन और अन्य खूबसूरत दृश्य भी देख सकेंगे। इस क्रूज में पर्यटक 3 से लेकर के 6 दिन की बुकिंग कर सकते हैं। यह वाराणसी से शुरू होकर प्रयागराज तक सफर कराएगा। बुकिंग ऑनलाइन वेबसाइट से होगी।क्रूज संचालक जयंत बताते हैं कि तीन मंजिला क्रूज में जिम, स्पा, रेस्टोरेंट, सन डेक जैसी तमाम लग्जरी सुविधाएं हैं। यह लहरों पर तैरते हुए पर्यटकों को होटल जैसी सुविधाएं देगा। क्रूज की डिजाइन और निर्माण इस तरीके से किया गया है कि सैलानी गंगा के किनारे बसे घाट, मंदिर और प्राकृतिक खूबसूरती का आनंद ले सकें और कैमरे में आसानी से इस पल की खूबसूरत तस्वीरें कैद कर सकें। उन्होंने बताया कि इसका संचालन वाराणसी के रविदास घाट से किया जाएगा। यहां से पर्यटक गाजीपुर, मिर्जापुर, चुनार किला, विंध्याचल और प्रयागराज की जल यात्रा का आनंद लेंगे। 15 से 20 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से यह चलेगा। इसमें एक बार में 200 यात्रियों के बैठने की सुविधा होगी। इसमें रहने वाले यात्रियों को भक्ति संगीत, योग, बनारसी खानपान, हेरिटेज व्याख्यान, घाटों के भ्रमण के साथ अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आनंद मिलेगा।बनारस में गंगा में पहले से 6 क्रूज का संचालन किया जा रहा है। इनमें गंगा विलास और बंगाल गंगा यहां से पर्यटकों को बंगाल की खाड़ी तक का सफर कराते हैं। साथ ही आधुनिक सुविधाएं देते हैं। इसमें 15 से लेकर 60 दिन तक का सफर होता है। अब काशी को एक नया गंगोत्री क्रूज मिला है, जो कोलकाता के शिपयार्ड से जल के रास्ते होते हुए वाराणसी पहुंचा है?।

प्रयागराज में छात्रा से छेड़छाड़,शिकायत करने पर पिता को रॉड से पीटा, 4 दिन बाद भी नहीं हुई कार्रवाई

प्रयागराज। फूलपुर थाना क्षेत्र में एक बीएससी छात्रा के साथ छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। जब छात्रा शौच

के लिए बाहर निकली थी, तब एक युवक ने उसका दुपट्टा खींचकर छेड़छाड़ की। पीड़िता ने इस घटना की जानकारी अपने पिता को दी। जब बुजुर्ग पिता आरोपी से इस बारे में पूछताछ करने गए, तो आरोपी ने उन पर लोहे की राड से हमला कर दिया। इतना ही नहीं, आरोपी ने बुजुर्ग को जमीन पर पटककर गला दबाया और बुरी तरह पीटा। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।छात्रा ने छेड़छाड़ और अपने पिता पर हुए हमले की लिखित शिकायत फूलपुर पुलिस थाने में दर्ज कराई है। लेकिन चार दिन बीत जाने के बाद भी पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की है। छात्रा और उसके परिवार के सदस्य पिछले चार दिनों से थाने के चक्कर काट रहे हैं। पुलिस की निष्क्रियता के कारण आरोपी अब स्टूडेंट और उसके परिवार को तेजाब डालने और जान से मारने की धमकियां दे रहा है। परेशान होकर स्टूडेंट ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से न्याय की गुहार लगाई है। इस घटना से फूलपुर पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं। छात्रा का कहना है कि अगर उसकी सुनवाई नहीं हुई या उसके साथ कोई अनहोनी घटी तो इसके लिए प्रशासन जिम्मेदार होगा। उत्तर प्रदेश में महिलाओं की सुरक्षा के दावों के बावजूद ऐसी घटनाएं चिंताजनक हैं।

कलस्टर/समूह में स्थापित करें परियोजना, मिलेगा रू0 50000.00 का अनुदान

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिला समाज कल्याण अधिकारी (विकास) सृष्टि अवस्थी ने बताया है कि भारत सरकार की महत्वाकांक्षी योजना प्रधानमंत्री अनुसूचित जाति अभ्युदय योजना (पी0एम0-अजय) के घटक ग्रान्ट इन ऐड योजनान्तर्गत ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के अनुसूचित जाति के व्यक्तियों के लिए स्वरोजगार हेतु सुनहरा अवसर है। ग्रान्ट इन एड योजना के अन्तर्गत अनुसूचित जाति के इच्छुक अभ्यर्थी कम से कम 03 लोगों का समूह/कलस्टर के रूप में अपनी परियोजना स्थापित कर सकते है जिसमें लाभार्थियों को निःशुल्क प्रशिक्षण उनके सम्बन्धित व्यवसाय के अनुसार दिया जायेगा एवं प्रति व्यक्ति रू0 50000/अथवा परियोजना लागत का 50 प्रतिशत जो भी कम हो अनुदान के रूप में तथा परियोजना लागत का 05 प्रतिशत मार्जिन मनी लाभार्थी को देय होगा एवं शेष धनराशि बैंक के माध्यम से ऋण के रूप में प्रदान किया जायेगा। जिला समाज कल्याण अधिकारी (विकास) ने बताया कि इस योजनान्तर्गत विभिन्न क्षेत्रों के अन्तर्गत परियोजना स्थापित करायी जा सकती है जिनका विवरण निम्न प्रकार है- 1. बुटीक व्यवसाय आधारित क्लस्टर। 2. ब्यूटी पार्लर व्यवसाय आधारित क्लस्टर। 3. क्लस्टर आधारित सोलर पैनल इन्सटलेशन टेक्नीशियन। 4. लाजिस्टिक वाहन चालक क्लस्टर आधारित प्रोजेक्ट। 5. कीआस्क/किराना दुकान/जनरल स्टोर क्लस्टर बेस्ड समूह आधारित प्रोजेक्ट। 6. सर्विस क्लस्टर आधारित फोटोग्राफर और वीडियोग्राफर। 7. आटो रिक्शा/ई0 रिक्शा चालक सर्विस क्लस्टर बेस्ड प्रोजेक्ट। 8. समूह आधारित मुर्गी पालन व्यवसाय। 9. समूह आधारित डेयरी एवं वर्मी कम्पोस्टिंग व्यवसाय।10. समूह आधारित बकरी पालन व्यवसाय। 11. क्लस्टर आधारित समूह में निर्माण कार्य करने हेतु मल्टी-स्किल्ड रिसोर्स बनाने हेतु। 12. महिला गृह उद्योग/स्वतः रोजगार आधारित क्लस्टर बेस्ट समूह आधारित प्रोजेक्ट। 13. टू व्हीलर/थ्री व्हीलर मैकेनिक सर्विस का क्लस्टर बेस्ड समूह आधारित प्रोजेक्ट। 14. क्लस्टर आधारित आई0टी0 सपोर्ट/हार्डवेयर का कार्य करने हेतु। 15. क्लस्टर आधारित माडुलर फर्नीचर/बढ़ई का कार्य करने हेतु। 16. क्लस्टर आधारित जन सुविधा केन्द्र का कार्य करने हेतु।जिला समाज कल्याण अधिकारी (विकास) ने बताया कि उक्त योजनान्तर्गत जनपद में निवासरत ऐसे व्यक्ति लाभान्वित किये जायेगें जो निम्न अर्हरता रखते हों- 1. लाभार्थी अनुसूचित जाति का व्यक्ति एवं जनपद का निवासी हो। 2. लाभार्थी की आयु 18 वर्ष से 50 वर्ष के मध्य हो। 3. लाभार्थी को परियोजना की आवश्यकता के अनुसार साक्षर होना अनिवार्य है। 4. लाभार्थी क्लस्टर/समूह के रूप में कार्य करने हेतु इच्छुक हो। 5. लाभार्थी पूर्व में निगम द्वारा संचालित योजनाओं का बकायेदार न हो तथा एकमुश्त समाधान योजना के माध्यम से ऋण अदायगी न की गयी हो। 6. लाभार्थी के चयन में आय की कोई सीमा निर्धारित नहीं है किन्तु रू0 2.50 लाख वार्षिक आय वाले परिवारों को प्राथमिकता दी जायेगी। 7. लाभार्थी का सिबिल स्कोर अच्छा होना चाहिए। 8. लाभार्थी कार्यालय में उपस्थित होकर ऑफलाइन आवेदन कर सकते है अथवा वेबसाइट https://grant-in-aid.upscfdc.in के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन भी कर सकते है। 9. आवेदन का चयन प्रथम आवत प्रथम पावत के आधार पर किया जायेगा। आवेदन के लिए दो पासपोर्ट साइज फोटो। आधार कार्ड। पैन कार्ड। जाति प्रमाण-पत्र ऑनलाइन। निवास प्रमाण-पत्र। आय प्रमाण-पत्र ऑनलाइन। बैंक पासबुक की प्रति। उच्चतम शैक्षणिक योग्यता प्रमाण-पत्र आवेदन पत्र के साथ स्व-सत्यापित दस्तावेज जमा करें। जिला समाज कल्याण अधिकारी (विकास) ने कहा है कि समस्त इच्छुक आवेदक जो सम्बन्धित योजना का लाभ प्राप्त करना चाहते है, शहरी क्षेत्र के आवेदन पत्र जनपद स्तर पर कार्यालय जिला समाज कल्याण अधिकारी (विकास) विकास भवन कक्ष संख्या 210 रायबरेली में तथा ग्रामीण क्षेत्र के आवेदन पत्र सम्बन्धित विकास खण्ड में ग्राम/सहायक विकास अधिकारी (स0क0) से संम्पर्क कर जमा कर सकते है।

पंचायत निर्वाचक नामावली के वृहद पुनरीक्षण कार्यक्रम के अनुसार डाटा एंट्री का कार्य/सेवाएं करने हेतु जेम पोर्टल पर कस्टम बीट संख्या प्रकाशित

इच्छुक सेवाप्रदाता फर्मे जेम पोर्टल पर आमंत्रित, जेम निविदा में ले भाग : अर्पित उपाध्याय

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। मुख्य विकास अधिकारी/प्रभारी अधिकारी जिला निर्वाचन कार्यालय (पंचायत एवं नगरीय निकाय) अर्पित उपाध्याय ने सर्वसाधारण को सूचित किया है कि पंचायत निर्वाचक नामावली के वृहद पुनरीक्षण, 2025 के अन्तर्गत जिला निर्वाचन कार्यालय (पंचायत एवं नगरीय निकाय) रायबरेली हेतु निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार डाटा इन्ट्री का कार्य/सेवाएं करने हेतु जेम पोर्टल पर कस्टम बिड संख्या जीईएम/2025/बी/6488392 दिनांक 29 जुलाई 2025 को प्रकाशित की गयी है, बिड बंद होने की तिथि 13 अगस्त 2025, समय अपरान्ह 12:00 बजे तथा बिड खुलने की तिथि 13 अगस्त 2025 को समय अपरान्ह 12:30 बजे है तथा डाटा इन्ट्री कार्य कुल अनुमानित लागत रू0 17,10,000/- (मु0 सत्रह लाख दस हजार मात्र) है। इच्छुक सेवाप्रदाता फर्मे जेम पोर्टल पर आमंत्रित उपरोक्त जेम निविदा में भाग ले सकते हैं। इस निविदा में जेम के नियम एवं शर्तों के साथ-साथ इस कार्यालय द्वारा निर्धारित बिड की शर्ते (एटीसी) लागू होगी। सक्षम प्राधिकारी को बिना कारण बताये निविदा निरस्त करने का पूर्ण अधिकार होगा।

'पेड़ है तो प्राण है' अभियान ने दी नौजवानो को नई दिशा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र।राबर्ट्सगंज तहसील क्षेत्र में बुधवार को 'पेड़ हैं तो प्राण हैं' अभियान के संयोजक संदीप मिश्रा ने पर्यावरण संरक्षण से जोड़ते हुए समाज को एक नई प्रेरणा और संकल्प का संदेश दिया है। उन्होंने इस वर्ष अपने राबर्ट्सगंज विधानसभा क्षेत्र 401 की सभी नौजवानो से अपील की है कि वे अपने घर पर पांच पौधा रोपित करें, ताकि आने वाली पीढ़ी को सुखद वातावरण मिल सके,आज पेड़ हैं तो प्राण हैं अभियान के तहत छत्रपति शाहू जी महाराजा कालेज कम्हरिया नगवा ब्लाक में कालेज के प्रबन्धक रविन्द्र बहादुर सिंह पटेल के साथ व बच्चों के साथ पेड़ लगाया गया व पेड़ को बचाने की सब ने सपथ ली.साथ ही साथ शोक संतप्त परिवारों में जाकर शोक संवेदना प्रकट किया खलियारी में स्वर्गीय रामशकल पाण्डेय के प्रति व तेनुआ में प्रधान के पिता स्वर्गीय लालबर्ती यादव व रमेश यादव के प्रति संवेदना के साथ उनके स्मृति में पेड़ लगाया गया।

सेक्टर 82 के पॉकेट 7 में जर्जर पैनल बॉक्स, गले पोल, खुली केबल दे रही है हादसों को दावत

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नोएडा। ईडब्ल्यूएस पॉकेट 7 सेक्टर 82 में विद्युत संबंधी कई समस्याएं हैं जिनका निराकरण अभी तक नहीं हुआ है। आरडब्ल्यूए अध्यक्ष राघवेंद्र दुबे ने बताया कि एमडी से लेकर मुख्य अभियंता, एसडीओ को कई बार पत्र देकर समस्याओं से अवगत कराया गया लेकिन अभी तक पूर्ण रूप से समाधान नहीं हुआ है। जर्जर मीटर पैनल बॉक्स कुछ ब्लॉक में बदले गए हैं लेकिन अभी ज्यादातर ब्लॉक में जर्जर मीटर पैनल बॉक्स नहीं बदले गए हैं। जो पोल नीचे से गले हुए हैं उनको भी आजतक नहीं बदला गया है इसके अलावा पार्कों में लगे कुछ बिजली के पैनल नए लगा दिए गए थे लेकिन कुछ पैनल पूरी तरह से खुले हुए हैं जिन्हें बदलने की आवश्यकता है। खुले पैनल से कभी भी कोई हादसा हो सकता है। ट्रांसफार्मर के पास नए चेंज ओवर लगाए गए हैं लेकिन वह भी पूरी तरह खुले हुए हैं जिससे कोई दुर्घटना हो सकती है। बिजली की मोटी केबल कई जगह अभी भी खुली पड़ी है जिसको अंडरग्राउंड करने की जरूरत है कुछ जगह केबल को अंडरग्राउंड किया गया है। हमारे लगातार अनुरोध के बाद विद्युत विभाग द्वारा काफी समय पहले कार्य शुरू कराया गया था लेकिन बीच में बंद हो गया। 16 ब्लॉक में केबल खराब हुई तो उसे आने जाने वाले रास्ते में खुला डाल दिया गया एक दिन उसमें स्पार्किंग हुई और वह जल गई इसके बाद बिजली कर्मचारियों ने उसे ही टेप लगाकर डाल दिया जो कि बेहद खतरनाक है। पानी बरसने पर वह केबल डूब जाती है जिससे हादसा हो सकता है। कुछ समय पहले ही विद्युत विभाग के अधिकारियों ने पॉकेट का दौरा किया था और अधूरे कार्यों को जल्द पूर्ण कराने का आश्वासन दिया था लेकिन अभी तक कोई कार्य नहीं हो रहा है। हमारी विद्युत विभाग के अधिकारियों से अनुरोध है कि अधूरे कार्यों को जल्द पूर्ण किया जाए जिससे संभावित किसी दुर्घटना से बचा जा सके।

नवागंतुक जिलाधिकारी मेधा रूपम ने कलेक्ट्रेट ग्रेटर नोएडा पहुंचकर पदभार किया ग्रहण,निवर्तमान जिलाधिकारी ने नवागंतुक जिलाधिकारी को सौंपा जिलाधिकारी का चार्ज, दी शुभकामनाएं

जनकल्याणकारी कार्यक्रमों एवं योजनाओं को पात्र व्यक्तियों तक पहुंचाने का किया जाएगा काम : नवागंतुक जिलाधिकारी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। नवागंतुक जिला धिकारी मेधा रूपम ने कोषागार, कलैक्ट्रेट परिसर, सूरजपुर, ग्रेटर नोएडा पहुंचकर विधिवत् रूप से गौतम बुद्ध नगर जनपद के जिलाधिकारी का कार्यभार ग्रहण किया। इस दौरान नवागंतुक जिलाधिकारी के साथ निवर्तमान जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा भी उपस्थित रहे। उन्होंने नवागंतुक जिलाधिकारी को चार्ज सौंपा व जिलाधिकारी का पदभार ग्रहण करने हेतु शुभकामनाएं प्रेषित की।उल्लेखनीय है कि जिलाधिकारी मेधा रूपम 2014 बैच की आईएएस अधिकारी है। इनका जनपद कासगंज से गौतम बुद्ध नगर के लिए स्थानांतरण हुआ है। यह ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण में अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी एवं जिला अधिकारी हापुड़ के पद पर भी कार्य चुकी है।कार्यालय में पदभार ग्रहण करने के उपरांत नवागंतुक जिलाधिकारी ने अधिकारियों से संक्षिप्त परिचय प्राप्त किया एवं जिले के प्रशासनिक कार्यों की प्राथमिकताओं को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि जिले में सुशासन, पारदर्शिता एवं जनसुविधा को सर्वोपरि रखते हुए प्रशासनिक कार्यों का संचालन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जनता की समस्याओं का शीर्ष प्राथमिकता के आधार पर समाधान करने पर विशेष फोकस रहेगा तथा उत्तर प्रदेश शासन द्वारा संचालित जनकल्याणकारी कार्यक्रमों एवं योजनाओं को प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक पहुंचाने का काम किया जाएगा। इस दौरान मुख्य विकास अधिकारी विद्यानाथ शुक्ल, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अतुल कुमार, अपर जिलाधिकारी प्रशासन मंगलेश दुबे, अपर जिलाधिकारी भू0/आ0 बच्चू सिंह, राजेश कुमार, अपर जिलाधिकारी न्यायिक भैरपाल सिंह, मुख्य वरिष्ठ कोषाधिकारी शिखा गुप्ता, उप जिलाधिकारी जेवर अभय सिंह,उपजिलाधिकारी दादरी अनुज नेहरा, उप जिलाधिकारी सदर चारुल यादव, सिटी मजिस्ट्रेट विवेक भदोरिया, डिप्टी कलेक्टर अभिषेक शाही, दुर्गेश सिंह, तहसील दार गण तथा अन्य संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

वेलफेस्ट इंडिया 2025 का हो रहा है आयोजन,समग्र स्वास्थ्य की यात्रा, उम्र के हर पड़ाव के लिए

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। सभी के लिए संपूर्ण स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए भारत के प्रमुख वेलनेस फेस्टिवल वेलफेस्ट इंडिया 2025 का आयोजन किया जा रहा है, जहां प्राचीन चिकित्सा, आधुनिक स्वास्थ्य सेवाएं और भविष्य एवं समग्र जीवनशैली को साथ में एक मंच पर लाया जा रहा है। 'संपूर्ण स्वास्थ्य की तरफ यात्रा की शुरूआत' थीम पर आधारित यह अनूठी पहल दो परिवर्तनकारी प्रदर्शनियां– आयुरयोग एक्सपो और एल्डरकेयर इंडिया एक्सपो–को पहली बार एक छत के नीचे ला रही है।

2 से 5 अगस्त 2025 तक ग्रेटर नोएडा स्थित इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट में आयोजित यह आयोजन एक अनोखी पहल है–जो हर आयु, समुदाय और संस्कृति में वेलनेस की नई परिभाषा रचती है। यहां भारत की चिकित्सा परंपरा और बुजुर्गों की देखभाल के लिए नए उत्पाद और सेवाओं को प्रदर्शित किया जाएगा, जहाँ स्वास्थ्य का तरफ एक साझी यात्रा में हर आगंतुक–बुज़ुर्ग या युवा, पूर्ण स्वास्थ्य की ओर पहला कदम बढ़ा सकता है। आयुरयोग एक्सपो का सातवां संस्करण, जो 2 से 5 अगस्त तक आयोजित होगा, भारत का एकमात्र समग्र व्यापार मंच है जो आयुर्वेद, योग, प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध, होम्योपैथी, सोवा-रिग्पा, पंचगव्य, हर्बल उत्पाद, वेलनेस टूरिज़्म और प्राकृतिक स्वास्थ्य समाधानों को समर्पित है। यह एक्सपो प्राचीन ज्ञान और आधुनिक उपयोगिता का अद्भुत संगम है, जो प्राकृतिक और सुरक्षित स्वास्थ्य पद्धतियों से जुड़ने का एक असाधारण अवसर भी प्रदान करता है। आगंतुकों के लिए लाइव डेमो, ज्ञानवर्धक सत्र, पैनल चर्चा और व्यापक चिकित्सा उत्पादों, उपचारों एवं तकनीकों की प्रदर्शनी की योजना है। आयुर्वेदिक दवाओं और योग उपकरणों से लेकर ऑर्गेनिक सप्लीमेंट्स और वेलनेस रिट्रीट्स तक, आयुरयोग एक्सपो 2025 चिकित्सकों, शोधकर्ताओं और वेलनेस प्रेमियों को भारत की विशाल और समृद्ध चिकित्सा परंपरा को अनुभव करने के लिए आमंत्रित करता है। इसमें देश-विदेश से बड़ी संख्या में आगंतुकों, इंडस्ट्री प्रोफेशनल्स और वेलनेस उत्साही लोगों की भागीदारी की उम्मीद है। ऊँात्त्हो इस वर्ष के आयुरयोग एक्सपो का आधिकारिक वेलनेस डेस्टिनेशन स्पॉन्सर है। इसके समानांतर, 2 से 4 अगस्त 2025 तक आयोजित होने वाला एल्डरकेयर इंडिया एक्सपो बुज़ुर्गों पर केंद्रित भारत का पहला विशेष आयोजन है, जो उनकी ज़रूरतों, गरिमा और भविष्य को समर्पित है। भारत जहाँ 2050 तक दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी बुज़ुर्ग जनसंख्या वाला देश बनने की ओर अग्रसर है, यह एक्सपो वरिष्ठ नागरिकों के जीवन, स्वास्थ्य सेवा, पुनर्वास, सहायक तकनीकों और उम्र-अनुकूल अवसंरचना में कार्यरत सभी हितधारकों के लिए एक अत्यंत आवश्यक मंच बनकर उभरा है। चिकित्सा नवाचारों, फिजियोथेरेपी, जेरियाट्रिक केयर से लेकर एर्गोनॉमिक फर्नीचर, घरेलू सुरक्षा समाधान, बुज़ुर्गों के लिए वास्तुशिल्प डिजाइन और वित्तीय योजना सेवाओं तक–एल्डरकेयर इंडिया एक्सपो उम्र बढ़ने से जुड़े हर पहलू को सहानुभूति और नवाचार के साथ संबोधित करता है। यह वरिष्ठ नागरिकों और उनके परिवारों को न केवल जीवन बदलने वाले उत्पादों और सेवाओं की पहुँच प्रदान करता है, बल्कि नीति निर्माताओं, नवाचारकर्ताओं और सेवा प्रदाताओं से जुड़ने का अवसर भी देता है जो गरिमापूर्ण, सशक्त वृद्धावस्था को सुनिश्चित करने के लिए कार्यरत हैं।

वेलफेस्ट इंडिया 2025 में इन दोनों प्रदर्शनियों का संगम केवल प्रतीकात्मक नहीं है–यह एक उद्देश्यपूर्ण संकल्प है। यह भारत की उस कल्पना को दर्शाता है जो एक अधिक स्वस्थ और अधिक सहृदय समाज की ओर अग्रसर है–जो अपनी प्राचीन परंपराओं का सम्मान करता है और साथ ही आधुनिक वृद्ध आबादी की आवश्यकताओं को भी अपनाता है। 10,000 से अधिक आगंतुकों के आने की उम्मीद के साथ, वेलफेस्ट इंडिया 2025 देखभाल और उपचार का एक शक्तिशाली संयोजन प्रस्तुत करता है–जहाँ प्रकृति की चिकित्सा शक्ति अगली पीढ़ी की बुज़ुर्ग देखभाल तकनीकों से मिलती है। यह वह स्थान है जहाँ परंपरा और तकनीक, युवा और वृद्ध, एक ही वेलनेस यात्रा में साथ चलते हैं, और जहाँ ज्ञान, विषयों और पीढ़ियों की सीमाओं को पार करते हुए प्रवाहित होता है। वेलफेस्ट इंडिया 2025 में प्रदर्शनी, लाइव डेमो, कार्यशालाएं, विशेषज्ञ सत्र, बी2बी नेटवर्किंग के अवसर और प्रायोगिक अनुभवों की समृद्ध श्रृंखला प्रस्तावित है। यह स्वास्थ्य पेशेवरों, वेलनेस ब्रांड्स, शोधकर्ताओं, केयरगिवर्स, संस्थानों और परिवारों का एक ऊर्जावान संगम है। चाहे आप स्वास्थ्य-सचेत व्यक्ति हों, एक चिकित्सक हों, नीति निर्माता हों, देखभालकर्ता हों, या भविष्य की योजना बना रहे हों–यह वेलनेस उत्सव हर किसी के लिए कुछ न कुछ परिवर्तनकारी लेकर आता है। जब भारत अपने स्वास्थ्य और सामाजिक सुरक्षा ढांचे को सुदृढ़ करने की दिशा में अग्रसर है, ऐसे समय में वेलफेस्ट इंडिया 2025 एक प्रकाशस्तंभ बनकर खड़ा है–प्राकृतिक उपचार को बढ़ावा देने, निवारक स्वास्थ्य देखभाल को प्रोत्साहित करने और वरिष्ठ नागरिकों को संसाधन, सम्मान और पहचान प्रदान करने के लिए। यह केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि एक ऐसा आंदोलन है जो अतीत की बुद्धिमत्ता और भविष्य की संभावनाओं को जोड़कर सबके लिए समग्र स्वास्थ्य को साकार करने की दिशा में काम कर रहा है।

ऑल जर्नलिस्ट वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का सफल आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। ऑल जर्नलिस्ट वेलफेयर

एसोसिएशन के तत्वावधान में एक निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। इस सामाजिक पहल में सभी पत्रकार बंधुओं ने उत्साहपूर्वक अपना योगदान दिया और कार्यक्रम को सफल बनाया।सम्पूर्ण आवाज़ के संपादक ने इस अवसर पर मेरठ मंडल अध्यक्ष एवं दिल्ली प्रभारी आशु गुप्ता के मार्गदर्शन में कार्यक्रम का संचालन हुआ। कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने हेतु वरिष्ठ उपाध्यक्ष हरदेव शर्मा, ममोमराज राज तोमर, ईश्वर दयाल शर्मा, संपादक आशीष , वरिष्ठ मंडल उपाध्यक्ष बी.के. अवस्थी एवं राजेश गुप्ता, एस.के. सिंह, सुश्री अंजना भागी, सुश्री संगीता चौधरी, आलोक (मीडिया क्लब अध्यक्ष) सहित अनेक गणमान्य पत्रकार उपस्थित रहे।सभी को श्री राम का पट्टा पहना कर सम्मानित किया गया.इसके अतिरिक्त नरेश, प्रमोद शाह, शिबू कुमार, ए.के. लाल, मुस्ताक खान , प्रमोद और कई अन्य वरिष्ठ पत्रकारों की गरिमामयी उपस्थिति ने इस कार्यक्रम को और भी विशेष बना दिया। यह शिविर पत्रकार समाज के सहयोग और एकता की मिसाल पेश करता है तथा एसोसिएशन की समाजसेवा के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

कम्पनियों में कर्मचारियों पर हो अत्याचार अब बर्दाश्त नहीं - अमितेश सिंह

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। प्राइवेट कम्पनियों में कर्मचारियों के साथ अच्छा व्यवहार नहीं किया जाता है। बड़े अधिकारी उनका शोषण करते रहते हैं यदि कोई कर्मचारी कुछ बोलना चाहे तो उसको कम्पनी से निकाल देने की धमकी दी जाती है। उक्त जानकारी बरिष्ठ समाजसेवी अमितेश कुमार सिंह ने हमारे नोएडा ब्यूरो प्रभारी देव मणि शुक्ल से एक भेंटवार्ता में बताया।उन्होंने कहा कि प्राइवेट कम्पनियों की हालत दिन प्रतिदिन दयनीय होती जा रही है। कर्मचारियों का शोषण आमबात हो गई है।उन्होंने आगे बताया कि इसके लिए हम लोग आवाज उठायेंगे।और कर्मचारियों की पूरी लडाई लड़ेंगे। उन्होंने कहा कि जल्द ही हम एक प्रेसवार्ता करके इस मुद्दे को केन्द्र एवं राज्य सरकारों तक पहुंचाएंगे और कर्मचारियों को न्याय दिलाने का काम करूंगा।

रोहिताश्व सिंह उर्फ तूफानी सिंह अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के प्रदेश उपाध्यक्ष मनोनीत हुए

रायबरेली। श्री रोहिताश्व उर्फ तूफानी सिंह उत्तर प्रदेश इंडस्ट्रियल

एसोसिएशन के अध्यक्ष पद पर सुशोभित हैं।उनके कार्य एवं व्यवहार तथा क्षत्रिय समाज के लिए की जा रही भूमिका को देखते हुए इन्हें अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा (1897)ई0 (अवध/ 30 प्र0) के राष्ट्रीय नेतृत्व द्वारा प्रदेश उपाध्यक्ष के पद पर नियुक्त किया गया है। इससे समाज के लोगों खुशी की लहर दौड़ गई। लोगों ने कहा इससे क्षत्रिय समाज को मजबूती मिलेगी।वीर पाल सिंह भदौरिया, प्रदेश अध्यक्ष,अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा ने तूफानी सिंह को नियुक्त पत्र सौंपा।उन्होंने तूफानी सिंह के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

नवागंतुक जिलाधिकारी मेधा रूपम ने कलेक्ट्रेट ग्रेटर नोएडा पहुंचकर पदभार किया ग्रहण,निवर्तमान जिलाधिकारी ने नवागंतुक जिलाधिकारी को सौंपा जिलाधिकारी का चार्ज, दी शुभकामनाएं

जनकल्याणकारी कार्यक्रमों एवं योजनाओं को पात्र व्यक्तियों तक पहुंचाने का किया जाएगा काम : नवांगतुक जिलाधिकारी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। नवांगतुक जिला धिकारी मेधा रूपम ने कोषागार, कलैक्ट्रेट परिसर, सूरजपुर, ग्रेटर नोएडा पहुंचकर विधिवत् रूप से गौतम बुद्ध नगर जनपद के जिलाधिकारी का कार्यभार ग्रहण किया। इस दौरान नवागंतुक जिलाधिकारी के साथ निवर्तमान जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा भी उपस्थित रहे। उन्होंने नवागंतुक जिलाधिकारी को चार्ज सौंपा व जिलाधिकारी का पदभार ग्रहण करने हेतु शुभकामनाएं प्रेषित की।उल्लेखनीय है कि जिलाधिकारी मेधा रूपम 2014 बैच की आईएएस अधिकारी है। इनका जनपद कासगंज से गौतम बुद्ध नगर के लिए स्थानांतरण हुआ है। यह ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण में अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी एवं जिला अधिकारी हापुड़ के पद पर भी कार्य चुकी है।कार्यालय में पदभार ग्रहण करने के उपरांत नवागंतुक जिलाधिकारी ने अधिकारियों से संक्षिप्त परिचय प्राप्त किया एवं जिले के प्रशासनिक कार्यों की प्राथमिकताओं को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि जिले में सुशासन, पारदर्शिता एवं जनसुविधा को सर्वोपरि रखते हुए प्रशासनिक कार्यों का संचालन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जनता की समस्याओं का शीर्ष प्राथमिकता के आधार पर समाधान करने पर विशेष फोकस रहेगा तथा उत्तर प्रदेश शासन द्वारा संचालित जनकल्याणकारी कार्यक्रमों एवं योजनाओं को प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक पहुंचाने का काम किया जाएगा। इस दौरान मुख्य विकास अधिकारी विद्यानाथ शुक्ल, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अतुल कुमार, अपर जिलाधिकारी प्रशासन मंगलेश दुबे, अपर जिलाधिकारी भू0/आ0 बच्चू सिंह, राजेश कुमार, अपर जिलाधिकारी न्यायिक भैरपाल सिंह, मुख्य वरिष्ठ कोषाधिकारी शिखा गुप्ता, उप जिलाधिकारी जेवर अभय सिंह,उपजिलाधिकारी दादरी अनुज नेहरा, उप जिलाधिकारी सदर चारुल यादव, सिटी मजिस्ट्रेट विवेक भदोरिया, डिप्टी कलेक्टर अभिषेक शाही, दुर्गेश सिंह, तहसील दार गण तथा अन्य संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

बिना हेलमेट 252 सीट बेल्ट में 24 का हुआ ई चालान,जिले भर में यातायात पुलिस ने चलाया अभियान

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा के आदेश पर बुधवार को यातायात पुलिस द्वारा जिले भर में टू व्हीलर फोर व्हीलर वाहनों के खिलाफ चलाया गया विशेष अभियान जिसमें बिना हेलमेट 252 बाईकों के काटे गए चालान वहीं बिना सीट बेल्ट के 24 फोर व्हीलर वाहनों के हुए ई चालान । यातायात प्रभारी निरीक्षक विनोद यादव ने बताया कि क्षेत्राधिकार राज सोनकर के नेतृत्व में जिले भर में यातायात पुलिस द्वारा चेकिंग अभियान चलाया गया जिस क्रम में जिला मुख्यालय स्थित स्वर्ण जयंती चौक, धर्मशाला चौक, शीतला चौक, महिल तिराहा सहित अन्य चेकिंग प्वाइंटों पर चेकिंग अभियान किया गया जिसमें टू व्हीलर बाइक बिना हेलमेट के चलने वाले 252 लोगों का ई चालान वही फोर व्हीलर वाहन में बिना सीट वेट लगाए चल रहे 24 फोर व्हीलर वाहनों का ई चालान करते हुए चट्टी चौराहे पर संबंधित वाहन चालकों को गोष्ठी के माध्यम से किया गया जागरूक वहीं टी आई विनोद यादव ने बताया कि यातायात नियमों का पालन करते हुए वाहन स्वामियों को चलना चाहिए इस मौके पर टीएसआई कृष्ण कुमार शुक्ला, राम सिंह, भारत राय, सगम सिंह, बबलू यादव, एजाज खान शाहिद आने लोग मौजूद रहे।

ब्लॉक के ग्राम पंचायतों में टैंकर परिचालन के नाम पर बड़ा घोटाला,हर घर नल जल योजना के सफल संचालन के बावजूद गावों में टैंकर का परिचालन समझ से परे

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। नगवां ब्लॉक के ग्राम पंचायतों में कागजी खानापूर्ति में होता रहा टैंकर का परिचालन और पिछले चार महीनों से हर महीने किया गया है लाखों रुपए का भुगतान सरकारी धन को पानी में पानी की तरह बहा रहे हैं ब्लॉक के जिम्मेदार अधिकारी पंचायत सचिव और ग्राम प्रधान कर रहे हैं सरकारी धन का बंदरबांट नहीं लगी किसी को इतने बड़े घोटाले की भनक जमीनी हकीकत जाने बगैर पंचायत सचिव और ग्राम प्रधान लगाते रहे सरकार को चुना। जीरो टार्लेस की नीति पर कार्य करने वाली सूबे के मुख्यमंत्री कि सरकार के आदेश की धज्जियां उड़ाते नगवां ब्लॉक के अधिकारी कार्यवाई का नही है कोई भय। आप को बताते चलें कि नगवां ब्लॉक के ग्राम पंचायतों में टैंकर परिचालन के नाम पर पिछले चार महीनों से हर महीने लाखों रुपए का भुगतान होता रहा है ताज्जुब की बात तो यह है कि इतना बड़ा घोटाला बीडीओ और एडीओ पंचायत के नाक के नीचे होता रहा पर ये लोग अपने कार्यालय में बैठे आराम फरमाते रहे कभी गावों में जाकर जमीनी हकीकत जानने की कोशिश नहीं किया। सूत्रों ने बताया कि ऐसे मैदानी ग्राम पंचायत जहां हर घर को नल जल योजना से जोड़ा गया है जहां पेयजल की आपूर्ति जल जीवन मिशन के तहत किया जा रहा है उस ग्राम पंचायतों में भी दो दो टैंकर का परिचालन कर सरकारी धन का भरपूर दुरुपयोग किया गया है जैसे सरई गढ़, बनबहुआ , गोटी बांध,नंदना सिकरवार आदि गावों में भी कागजों में टैंकर परिचालन दिखाकर लाखों रुपए का भुगतान हर महीने किया गया है जबकि अच्छी बारिश होने की वजह से अधिकतर हैंड पंप पानी देने लगे है फिर भी पिछले 14 जुलाई को पंचायत सचिवों द्वारा लाखो का भुगतान किया गया है। इस संबंध में पंचायत सचिव राकेश द्विवेदी से बात की गई तो उन्होंने ने सारा ठीकरा उस समय रहे एडीओ पंचायत व पंचायत सचिव के ऊपर लाद दिया अगर इस प्रकार के घोटालों में अगर अधिकारी कर्मचारी एक दूसरे पर दोषारोपण करते हुए भ्रष्टाचार को बढ़ावा देंगे तो क्या प्रदेश सरकार की छवि धूमिल नहीं होगी। नगवां ब्लॉक में तो एकही बिल के उपर डिक्शनरी रिबोर टैंकर मरम्मत का भी भुक्तान किया जा रहा है जिनका सुध लेने वाला कोई नहीं इस ब्लॉक का 14 वां वित्त और 15 वां वित्त के साथ प्रशासनिक मत की जांच होनी चाहिए। ऐसे में ग्रामीणों ने जिलाधिकारी सोनभद्र का ध्यान आकृष्ट कराते हुए टैंकर परिचालन के नाम पर हुए भारी भ्रष्टाचार की उच्चस्तरीय जांच करवाकर संबंधित के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की है।

आश्वासन पर ही चल रही भाजपा सरकारःसुनीता,मुख्यमंत्री नामित पांच सूत्री ज्ञापन सौंपा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। उत्तर प्रदेश मिड डे मील वर्कर्स यूनियन संगठन द्वारा बुधवार को कलेक्ट्रेट पर अपनी पांच सूत्री मांगो को लेकर विरोध प्रदर्शन करते हुए मुख्यमंत्री नामित ज्ञापन जिलाधिकारी प्रतिनिधि को दिया। संगठन जिला अध्यक्ष सुनीता ने बताया कि मध्यान्ह भोजन योजना के तहत प्रदेश भर में रसोइया की भूमिका निभा रही रसोइया कर्मियों की बेहतरी, उनके जीवन जीने लायक मानदेय, सामाजिक सुरक्षा और उनकी सेवाओं की निरंतरता के सम्बन्ध में कोई चिंता नहीं है। उच्च न्यायालय के आदेश, 45 व 46 वे भारतीय श्रम सम्मेलन की सिफारिस के अनुरुप कर्मचारी के रूप में मान्यता देने, न्यूनतम वेतन, ईएसआई, ईपीएफ, ग्रेड्यूटी देने की दशक भर से उठ रही मांगों को अनसुना कर दिया गया। प्रदेश में पिछले वर्षों से विद्यालयों की बंदी और कंपोजिट विद्यालय बनाने की कार्यवाही चल रही है। शिक्षको, शिक्षा मित्रों को समायोजित करने की व्यवस्था तो है। किंतु रसोइया कर्मियों के नियोजन की निरंतरता के सम्बन्ध कोई स्पष्टता नहीं है।मानदेय के रूप में मिलने वाले 2000 रू के भुगतान में भी कई कई महीने लग जाते हैं। वर्तमान समय में भी 5 माह का भुगतान बकाया है। जबकि बच्चों के शैक्षणिक सत्र की शुरुआत, कृषिकार्य और त्योहारों का समय है। रक्षा बंधन जैसा त्योहार सामने है। वही अध्यक्ष ने बताया कि जब से सरकार बनी है तब से केवल आश्वासन पर ही चलाई जा रही है सरकार इस मौके पर सचिव सोनी, फुलमती,शान्ति देवी,फुलझरी, चन्द्रावती ,सोनी देवी, ऑल इंडिया सेंट्रल काउंसिल ऑफ़ ट्रेड यूनियन एक्टु के सचिव नाजमा खातून, ऑल इंडिया स्टूडेंट एसोसिएशन आइसा छात्र नेता अमीना खातून ऑल इंडिया सेंट्रल काउंसिल ऑफ़ ट्रेड यूनियन एक्टु अन्य लोग मौजूद रहे।

मृतक आश्रित तीन व्यक्तियों को दिया गया नियुक्ति पत्रः रूबी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा मुख्यमंत्री , उ0प्र0 सरकार एवं नगर विकास मंत्री के द्वारा लोगों को रोजगार/ जीविकोपार्जन की समस्या से उबारने के लिए निरन्तर प्रयास किये जा रहे है। इसी क्रम में बुधवार को रूबी प्रसाद, अध्यक्ष, नगर पालिका परिषद द्वारा सफाई मित्रों के उत्थान तथा उन्हें जीविकोपार्जन के समुचित अवसर प्रदान करने हेतु 03 सफाई कर्मचारियों में उर्मिला, बिक्की एवं प्रदीप को मृतक आश्रित के रूप में नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया। इस अवसर पर अध्यक्ष ने बताया कि समाज के सभी वर्गो को स्वरोजगार से जुड़ने का आह्वान करते हुए प्रदेश सरकार द्वारा चलाये जा रहे कौशल विकास योजना के अन्तर्गत प्रत्येक पात्र युवा को 5.00 लाख तक बिना गारण्टी के ऋण की सुविधा का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया गया। वही नपा अध्यक्ष रूबी प्रसाद ने बताया कि विस्तारित क्षेत्र में नई नियुक्ति कर्मचारियों द्वारा बेहतर कार्य करने की उम्मीद जगाई। इस मौके पर जेई राज कुमार, सभासद अनवर अली,सुशील सिंह,अजीत सिंह, विमलेश कुमार,संत सोनी, सुजीत कुमार सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

सोनभद्र में सर्पदंश से छात्रा की मौत,झाड़फूंक में समय बिताया, अस्पताल पहुंचने तक गई जान

सोनभद्र। सोनभद्र के उंटारी थाना क्षेत्र के बिलासपुर गांव में एक दुखद घटना सामने आई है। बुधवार को 15 वर्षीय छात्रा दुर्गा गुप्ता की सर्पदंश से मौत हो गई। दुर्गा एक निजी विद्यालय में कक्षा सात की छात्रा थी। घटना बुधवार की है। दुर्गा अपने घर में पलंग पर सो रही थी। उसके पास ही उसकी मां और छोटा भाई भी लेटे हुए थे। अचानक मां की नींद खुली तो उन्होंने देखा कि पलंग के पास एक सांप गिरा हुआ है और दुर्गा तड़प रही है। इस दृश्य को देखकर परिवार में चीख-पुकार मच गई। सांप के काटने की पुष्टि होने के बाद परिवार के लोग दुर्गा को अस्पताल ले जाने के बजाय पास के एक ओझा के पास ले गए। वहां झाड़फूंक और देसी उपचार किया गया। इस दौरान दुर्गा की हालत लगातार बिगड़ती रही। परिजनों को विश्वास था कि ओझा के इलाज से वह ठीक हो जाएगी। जब दुर्गा की स्थिति अत्यधिक गंभीर हो गई, तब उसे दुद्धी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। डॉक्टरों ने छात्रा को मृत घोषित कर दिया। समय पर चिकित्सकीय सहायता न मिलने के कारण दुर्गा की जान नहीं बचाई जा सकी। यह घटना उत्तर प्रदेश-झारखंड सीमा से सटे क्षेत्र में हुई। दुर्गा के पिता प्रदीप गुप्ता और पूरा परिवार इस दुखद घटना से गमगीन है।

आकांक्षा हाट/मेला का आयोजन एक अगस्त से सात तक

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। मुख्य विकास अधिकारी जागृति अवस्थी ने बताया कि नीति आयोग और जिला प्रशासन के सहयोग से 1 अगस्त से 7 अगस्त 2025 तक, स्थान विवेकानंद प्रेक्षागृह में आकांक्षा हाट, पब्लिक मेले का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें जनपद के अंतर्गत कार्य करने वाले विभागों के लाभार्थियों के द्वारा अपने उत्पादों की प्रदर्शनी की जाएगी तथा जनपद के हुनरमंद लोगों के हुनर का भी प्रदर्शन किया जाएगा । यह कार्यक्रम पूरे 7 दिनों तक चलेगा 1 अगस्त को इसका शुभारंभ माननीय जनप्रतिनिधियों के द्वारा पूर्वाहन 11:00 बजे से किया जाएगा तत्पश्चात यह कार्यक्रम आगामी 7 दिनों तक नियमित रूप से चलता रहेगा। इस मेले में स्वयं सहायता समूह की महिलाएं, कृषि विभाग, उद्यान विभाग, राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन, खादी ग्रामोद्योग, उद्योग विभाग के लाभार्थियों के द्वारा भी अपने उत्पादों की प्रदर्शनी की जाएगी तथा एक जनपद एक उत्पाद के अंतर्गत चयन किए गए उत्पादों की प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी। इस मेले में विशेष आकर्षण बांस से बनी सामग्रियां, श्री अन्य मिलेटस कैफे, मिलेंट से बने फूड जैसे सांवा, कोदो, रागी, मेझरी , ज्वार, मक्का, मेढ़ो इत्यादि मुख्य आकर्षण का केंद्र रहेंगे। सांस्कृतिक कार्यक्रम, करमा नृत्य, जादूगर, कजरी, बारहसिंगा, लोक गीत आदि का आयोजन भी किया जाएगा।

आपस में नफरत आपस में तकरार-मानव के जीवन की सबसे बड़ी हार, तुलसीदास व प्रेमचंद जयंती के पूर्व संध्या पर हुई कविगोष्ठी

रॉबर्ट्सगंज कचहरी परिसर स्थित सोनभद्र बार एसोसिएशन सभागार में हुआ आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। शहीद स्थल प्रबंधन ट्रस्ट करारी सोनभद्र व सोनभद्र बार एसोसिएशन के संयुक्त संयोजन में बुधवार को सोनभद्र बार एसोसिएशन सभागार में कविगोष्ठी आयोजित की गई। अध्यक्षता कर रहे शिक्षक, साहित्यकार राष्ट्रपति पदक वीनर ओमप्रकाश त्रिपाठी एवं उपन्यासकार कथाकार, समीक्षक रामनाथ शिवेन्द्र मुख्य अतिथि ने वाग्देवी और तुलसीदास तथा प्रेमचंद के चित्र पर माल्यार्पण दीपदान कर कवि ईश्वर विरागी के वाणी वंदना से विधिवत कार्यक्रम का आगाज हुआ। कवयित्री कौशल्या कुमारी चौहान ने, आपस में नफरत आपस में तकरार, मानव के जीवन की है सबसे बड़ी हार सुनाकर तालियां बटोरी। धर्मेश चौहान ने नित नूतन निर्माण हो जीवन नीव अटल आधार हो जीवन, प्रदुम्न त्रिपाठी ने, पड़े जरूरत जब भी वतन को कफन बांध हम आयेंगे, काश लहू का इक इक कतरा भारत माँ के काम आये सुनाकर देशप्रेम की छटा बिखेर दिया। विकास वर्मा ने मजहब को अपने घर में ही महदूद कीजिये, दयानंद दयालू ने उजड़ल जाता बाग बगैचा सगरो लागै सूना, दिलीप सिंह दीपक ने जला शमशान में घंटों तलक बस राख होने को, दिवाकर मेघ ने हास्य रचना, बीए पढै लागल बा बेटौवा, संचालन कर रहे अशोक तिवारी ने बेबसी अंधेरे की जब देखी नहीं गयी,, हमने घर जलाकर रौशनी की है, अजय चतुर्वेदी कक्का ने तीक्ष्ण धारदार व्यंग्य अक्ल बड़ी या भैंस सुनाकर खूब हंसाये। राकेश शरण मिश्र ने सोनभद्र की पावन धरती हम सबका अभिमान है, ओज कवि प्रभात सिंह चंदेल ने फिर घना काला अंधेरा मुल्क पर अब छा रहा है, सुधाकर स्वदेश प्रेम ने जनाजा जब मेरा निकले वतन के वास्ते निकले, शाइर अब्दुल हई ने सच बोल दिये तो कितनों के चेहरे उतर गये सुनाकर वाहवाही लूटी। मुख्य अतिथि रामनाथ शिवेन्द्र ने लोकमंगल के संवाहक गोस्वामी तुलसीदास व शेक्सपियर के समकक्ष खड़े मजलूम मुफलिस के दर्द को अपने रचना संसार में उकेरने वाले प्रेमचंद के व्यक्तित्व कृतित्व पर विशद निरूपण किया। अध्यक्षता करते हुए ओमप्रकाश त्रिपाठी ने तुलसीदास को मानव कल्याण के लिए अवतरित साधक व प्रेमचंद को समाज में विषमता बुराई पर आघात करनेवाला चिंतक बताये आख्यान दिये। इस अवसर पर मदन चौबे, अमित सिंह, विवेक चतुर्वेदी शाइर ने भी विविध रसों मे गीत गजल छंद रुबाई मुक्तक नव गीत सुनाकर वाहवाही बटोरी। दीपक केसरवानी ने अपने वक्तव्य से दोनों महापुरुषों को नमन किया। सोन संगीत फाउंडेशन के सुशील मिश्रा ने संगीत मय प्रस्तुति,, देशवा हमार शहीद के सपनवां हो परनवां दिहले ना,,, सुनाकर शमां बांध दिया। कवयित्री शिक्षक दिव्या राय ने सुमधुर श्रृंगार गीत से पावस को समर्पित रचना पाठ कर मन मोहा।आयोजन देर शाम तक चलता रहा। अतिथियों को अंगवस्त्र लेखनी पुस्तकों के साथ देकर अभिनंदन किया गया। बार अध्यक्ष अरुण मिश्र एडवोकेट, महामंत्री अखिलेश कुमार पांडेय ,पूर्व अध्यक्ष नरेन्द्र कुमार पाठक एड, चंद्र प्रकाश दिवेदी एड, जयशंकर त्रिपाठी एड, राकेश दूबे एड, देवानंद पांडेय एड ,आत्म प्रकाश तिवारी एड, ठाकुर पुरुषोत्तम, ऋषभ त्रिपाठी आदि देर शाम तक जमे रहे।

वन दरोगा सहित चार अधिकारियों सहित सोनभद्र में वन रेंज सुकृत की टीम किये गए सम्मानित

सोनभद्र। सोनभद्र के करमा ब्लॉक के ग्राम सभा लोहरा में स्थित अखण्ड भारत चैरिटेबल ट्रस्ट के केंद्रीय कार्यालय पर एक सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस समारोह में सुकृत वन रेंज की टीम को उनके सराहनीय कार्यों के लिए सम्मानित किया गया। अखण्ड भारत चैरिटेबल ट्रस्ट ने पिछले सप्ताह एक अभियान चलाकर बड़े पैमाने पर पौधरोपण कार्य किया था। इस अभियान में सुकृत वन रेंज द्वारा फलदार और छायादार पौधे डोनेट किए गए थे। पर्यावरण संरक्षण में इस महत्वपूर्ण योगदान के लिए ट्रस्ट ने वन दरोगा विमल कुमार चौहान, वन दरोगा अखिलेश्वर दूबे, वन रक्षक संतोष कुमार और वन रक्षक अंकित सैनी को अंगवस्त्र और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। समारोह में अखण्ड भारत चैरिटेबल ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष शत्रुध्न सिंह मौर्य, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष प्रताप नारायण सिंह, राष्ट्रीय सचिव राजकमल सिंह और राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष अरविंद कुमार सिंह उपस्थित थे। इसके अलावा राष्ट्रीय संगठन मंत्री एवं पत्रकार बृजेश कुमार सिंह, मंडल प्रभारी दिनेश कुमार, जिला सलाहकार रविन्द्र कुमार मौर्य और सुप्रिया मौर्या भी मौजूद थे। निष्पक्ष चैरिटेबल ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष और सोनभद्र ब्यूटी नेचर के डायरेक्टर अनिल कुशवाहा सहित संस्था की पूरी टीम भी कार्यक्रम में शामिल हुई।

साइबर अपराधों से बचाव के लिए छात्रों को किया जागरूकःकरमा थाना और साइबर पुलिस की संयुक्त टीम ने इंटर कॉलेज में चलाया अभियान

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। सोनभद्र के करमा में बुधवार को थाना करमा और साइबर पुलिस की संयुक्त टीम ने साइबर जागरूकता अभियान के अंतर्गत मोती सिंह इंटर कॉलेज में एक कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं और अन्य उपस्थित लोगों को साइबर अपराधों के विभिन्न प्रकारों के बारे में जानकारी दी गई। पुलिस टीम ने ऑनलाइन ठगी, सोशल मीडिया पर फर्जी अकाउंट, फिशिंग, ओटीपी फ्रॉड, बैंकिंग धोखाधड़ी और एटीएम क्लोनिंग जैसे साइबर अपराधों के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की। छात्रों को बताया गया कि वे किसी भी अनजान लिंक पर क्लिक न करें। साथ ही उन्हें सलाह दी गई कि अपना ओटीपी और व्यक्तिगत जानकारी किसी के साथ साझा न करें। पुलिस ने यह भी बताया कि साइबर अपराध होने की स्थिति में तुरंत [illegible] पर शिकायत दर्ज करें या नजदीकी थाना या साइबर सेल से संपर्क करें। इस जागरूकता अभियान का मुख्य उद्देश्य युवाओं को डिजिटल दुनिया के खतरों से अवगत कराना और उन्हें सुरक्षित ऑनलाइन व्यवहार के बारे में शिक्षित करना था।

मिर्जापुर में बाइक गड्ढे में गिरी,सोनभद्र का युवक घायल, ट्रामा सेंटर रेफर

सोनभद्र। मिर्जापुर के महिहान थाना क्षेत्र के रामपुर 33 गांव के समीप बुधवार रात एक दुर्घटना हुई। बाइक अनियंत्रित होकर गड्ढे में गिर गई। इस हादसे में सोनभद्र के केकराही निवासी 28 वर्षीय प्रेम प्रकाश घायल हो गए। घायल युवक को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें ट्रामा सेंटर के लिए रेफर कर दिया। प्रेम प्रकाश केकराही से अपने बुआ के यहां कलवारी आए थे। वह कलवारी कस्बा बाजार से मिठाई खरीदकर रामपुर 33 गांव जा रहे थे। गांव के पहले ही पुल पार करते समय उनकी मोटरसाइकिल अनियंत्रित हो गई। बाइक गड्ढे में पलट गई।दुर्घटना के बाद प्रेम प्रकाश काफी देर तक चीखते-चिल्लाते रहे। राहगीरों ने उन्हें देखा तो युवक ने अपना मोबाइल दिया। उन्होंने गांव में फोन किया जिसके बाद उनके रिश्तेदार मौके पर पहुंचे। इस मामले में पुलिस को अभी तक कोई जानकारी नहीं है।

ओवल टेस्ट में भारत की प्लेइंग-11 क्या बनेगी,अर्शदीप डेब्यू करेंगे, आकाश की वापसी या कुलदीप को मौका,5 सवालों में जानिए

नयी दिल्ली। भारत और इंग्लैंड के बीच खेली जा रही एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी-2025 आखिरी पड़ाव पर है। 31 जुलाई से 5 मैचों की इस सीरीज का आखिरी मुकाबला खेला ओवल मैदान पर जाएगा। फिलहाल, इंग्लिश टीम 2-1 की बढ़त पर है। यह मैच दोनों टीमों के लिए अहम है। भारत इसे जीतकर सीरीज 2-2 से ड्रॉ कराना चाहेगा, जबकि इंग्लिश टीम ओवल जीतकर सीरीज अपने नाम करना चाहेगी। बुमराह की गैरमौजूदगी में तीसरा पेसर कौन? जसप्रीत बुमराह को पीठ की समस्या के कारण इंग्लैंड के खिलाफ ओवल में होने वाले पांचवें टेस्ट मैच से आराम दिया गया है। उनकी जगह आकाश दीप को भारतीय टीम में शामिल किया गया है। यह फैसला भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड की मेडिकल टीम ने बुमराह की फिटनेस को ध्यान में रखते हुए लिया है। क्रिकेट की वेबसाइट ईएसपीएन क्रिकइंफो ने दावा किया है कि सीरीज में बराबरी का मौका को देखते हुए पहले बुमराह को आखिरी टेस्ट में खिलाने फैसला किया गया था, पर मेडिकल टीम ने उनकी फिटनेस को देखते हुए आराम देने का फैसला किया। बुमराह की गैरमौजूदगी में मोहम्मद सिराज भारतीय टीम के पेस अटैक को लीड करते नजर आएंगे। फिट होने पर आकाश दीप उनका साथ दे सकते हैं। ऐसा नहीं हुआ, तो शार्दूल या प्रसिद्ध में से एक दूसरे पेसर की जिम्मेदारी निभाएगा। तीसरे पेसर्स के तौर पर अर्शदीप सिंह को डेब्यू करने का मौका मिलेगा। बताया जा रहा है कि वे उंगली की चोट से उबर चुके हैं और पिछले मैच में उन्हें खिलाने पर भी चर्चा हो चुकी है। चोटिल पंत की जगह किसे मौका मिलेगा? ऋषभ पंत चोट की वजह से इस सीरीज के आखिरी टेस्ट से बाहर हो चुके हैं। बीसीसीआई ने उनके विकल्प के तौर पर एन जगदीशन को भारतीय दल में शामिल किया है। लेकिन, पंत की जगह ध्रुव जुरेल विकेटकीपिंग की पहली पसंद होंगे, क्योंकि टीम मैनेजमेंट ओवल के अहम मुकाबले में विकेटकीपिंग के लिए किसी नए खिलाड़ी चुने इसकी संभावना कम है। क्या साई सुदर्शन को फिर मौका मिलेगा? लीड्स टेस्ट में भारत के लिए डेब्यू करने वाले साई सुदर्शन इस सीरीज में 22.75 के एवरेज से 91 रन ही बना सके हैं। वे चार पारियों में एक अर्धशतक ही लगा सके हैं और 2 बार शून्य पर आउट हुए। साई ने मैनचेस्टर टेस्ट की पहली पारी में कठिन परिस्थितियों में 61 रन बनाए थे, हालांकि वे दूसरी पारी के पहले ओवर में शून्य पर आउट हो गए।अगर साई को एक और मौका मिलता है, तो वो नंबर-3 पर वही बल्लेबाजी करेंगे। और यदि साई सुदर्शन को ड्रॉप किया जाता है, तो नंबर-3 पोजिशन के लिए अभिमन्यु ईश्वरन, करुण नायर, एन जगदीशन दावेदान होंगे। टीम मैनेजमेंट के पास सुंदर को नंबर-3 पर उतरने का विकल्प भी होगा। क्या शार्दूल को मौका या फिर कुलदीप को चांस देगा मैनेजमेंट? कुलदीप का खेलना न खेलना काफी हद तक ओवल की पिच पर निर्भर करेगा। शार्दूल ठाकुर 2 मैचों में 46 रन बना चुके हैं। इस सीरीज में उनसे महज 27 ओवर गेंदबाजी कराई गई है, जिसमें उन्होंने 2 विकेट झटके हैं। कुलदीप को सीरीज में अब तक मौका नहीं मिला है। पिच फिर फ्लैट रही तो कुलदीप प्लेइंग-11 का हिस्सा हो सकते हैं। क्या अर्शदीप सिंह डेब्यू करेंगे? अर्शदीप सिंह को डेब्यू कैप मिल सकती है। वे उंगली की चोट से उबर चुके हैं। वे मंगलवार को प्री-मैच प्रैक्टिस सेशन में गेंदबाजी करते देखे गए हैं। पिछले मैच में डेब्यू करने वाले अंशुल कम्बोज कुछ खास नहीं कर सके हैं। ऐसे में अब अर्शदीप को मौका दिया जा सकता है।

गिल बोले-अर्शदीप डेब्यू के लिए तैयार, बुमराह पर फैसला कल,पिच विवाद पर कहा-हमें कोई खास निर्देश नहीं मिले; स्टोक्स- मांसपेशियों में चोट, अब रिहैब करूंगा

नयी दिल्ली। भारत और इंग्लैंड के बीच एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी का आखिरी टेस्ट कल से

द ओवल में खेला जाएगा। मैच से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में भारत के कप्तान शुभमन गिल और इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स आए। हालांकि बेन स्टोक्स चोट की वजह से यह टेस्ट नहीं खेलेंगे, उनकी जगह ओली पोप कप्तानी करेंगे। बुधवार को गिल ने अर्शदीप सिंह के पहले टेस्ट खेलने को लेकर संकेत दिए। उन्होंने कहा- 'हमने अर्श को तैयार रहने के लिए कहा है। बुमराह पर फैसला कल लेंगे।' भारतीय कप्तान ने हेड कोच गौतम गंभीर के पिच क्यूरेटर से विवाद पर भी बात की। गिल ने कहा- 'हम काफी समय से क्रिकेट खेल रहे हैं। हम पिच को नंगे पैर या रबर स्पाइक्स पहनकर भी देख सकते हैं। मुझे नहीं पता क्यूरेटर ने इसकी इजाजत क्यों नहीं दी। हमें कोई खास निर्देश नहीं मिले थे। हमने चार मैच खेले और किसी ने इस बारे में कुछ नहीं कहा। हमने सामान्य क्रिकेट खेला। मुझे समझ नहीं आया इतना हंगामा क्यों हुआ।' एक दिन पहले भारतीय कोच गौतम गंभीर और ओवल के हेड पिच क्यूरेटर के बीच बहस हो गई थी। क्यूरेटर ने भारतीय कोच, प्लेयर्स और स्टाफ को पिच से 2.5 मीटर दूर रहने के लिए कहा था। जबकि बुधवार को इंग्लिश प्लेयर्स पिच के ऊपर टहलते दिखे थे। शुभमन गिल ने अर्शदीप सिंह के खेलने पर कहा, हमने अर्शदीप सिंह को तैयार रहने को कहा है। अंतिम फैसला आज शाम पिच देखने के बाद लिया जाएगा। वे एक शानदार गेंदबाज हैं। गिल ने कहा, इंग्लैंड ने अपनी प्लेइंग इलेवन में किसी स्पिनर को नहीं चुना है। हमारे पास जडेजा और वाशिंगटन सुंदर हैं, जो यह जिम्मेदारी निभाएंगे। दोनों ने पिछले मैच में बल्ले से भी शानदार परफॉर्म किया था। गिल ने सीरीज बराबरी को लेकर कहा, अगर हम सीरीज 2-2 से बराबरी पर खत्म करते हैं, तो यह हमारी टीम के लिए बेहद अहम होगा। हर मैच में पहले चार दिन तक यह तय कर पाना मुश्किल था कि कौन जीतेगा। यह सीरीज हमारे लिए एक शानदार सीख रही है। कुछ चीजें अनुभव से ही आती हैं, उम्मीद है कि हम इसे अच्छे नोट पर खत्म करेंगे। बुमराह पर फैसला हम कल लेंगे जसप्रीत के खेलने को लेकर फैसला हम कल करेंगे। वे एक शानदार बॉलर हैं। ओवल की पिच काफी हरी दिख रही है, देखते हैं क्या होता है। इंग्लिश कप्तान बेन स्टोक्स ने पिच विवाद पर कहा- 'मुझे इस बारे में कुछ नहीं पता क्योंकि मैं वहां मौजूद नहीं था। इस पिच पर पहले की तुलना में ज्यादा हरी घास है। ओवल में तेज गेंदबाजों को ज्यादा मदद मिलती है, इसलिए हमने लियाम डॉसन को शामिल नहीं किया।' उन्होंने हैंडशेक विवाद पर कहा- 'मुझे लगता है कि जडेजा-सुंदर शतक पूरे करना चाहते थे, लेकिन मैं अपने गेंदबाजों को और नहीं खिलाना चाहता था। हम अब इस बात को भूल चुके हैं। भारत भी आगे बढ़ चुका है। हमें उन 20 मिनट पर ध्यान नहीं देना चाहिए, बल्कि इस शानदार सीरीज को याद रखना चाहिए।'स्टोक्स ने सीरीज के शेड्यूल पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा- 'यह सीरीज शरीर और दिमाग दोनों के लिए थकाऊ रही है, लेकिन यही असली टेस्ट क्रिकेट है। इसमें कैरेक्टर, सहनशक्ति की परीक्षा होती है। दोनों टीमों ने जिस तरह से लड़ा है, उससे पता चलता है कि टेस्ट क्रिकेट भारत और इंग्लैंड दोनों के लिए कितना मायने रखता है। स्टोक्स ने कहा- 'मैचों के बीच थोड़ा और ब्रेक होना चाहिए था। दो मैचों के बीच 8-9 दिन का अंतर था, फिर बाकी दो के बीच बहुत कम। यह दोनों टीमों के लिए मुश्किल भरा रहा। मेरी मांसपेशियों में चोट है, जिसका नाम भी मैं ठीक से नहीं ले सकता। मैं आखिरी टेस्ट नहीं खेल पाऊंगा। अब मैं रिकवरी शुरू करूंगा और सर्दियों के सीजन के लिए खुद को तैयार करूंगा।'लंदन के द ओवल स्टेडियम की पिच पर इंग्लैंड के प्लेयर्स शेडो प्रैक्टिस करते नजर आए। इतना ही नहीं टीम के कप्तान बेन स्टोक्स और कोच ब्रेंडन मैक्कुलम भी ग्राउंड क्यूरेटर ली फोर्टिस के साथ पिच पर खड़े दिखे। क्यूरेटर फोर्टिस इसी बात के विरोध में टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर से बहस करते हुए नजर आए थे।

पाकिस्तान वेटरन लीग डब्लूसीएल के फाइनल में पहुंचाःभारत ने सेमीफाइनल खेलने से मना कर दिया था; चौथे नंबर पर रही इंडियन टीम

नयी दिल्ली। रिटायर्ड क्रिकेटर्स के टूर्नामेंट वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स (डब्लूसीएल) में पाकिस्तान फाइनल में पहुंच गया है। डब्लूसीएल ने बुधवार देर रात यह जानकारी दी। भारत ने पाकिस्तान के साथ सेमीफाइनल मैच खेलने से मना कर दिया था। यह मुकाबला 31 जुलाई को बर्मिंघम में खेला जाना था। इससे पहले भारतीय प्लेयर्स ने पाकिस्तान के साथ 20 जुलाई को होने वाला ग्रुप मैच भी नहीं खेला था। तब मैच रद्द करके दोनों टीमों में अंक बांट दिए गए थे। लेकिन अब पाकिस्तानी टीम अपने ग्रुप में टॉप पर होने और चार जीत के साथ नौ अंक हासिल करने के कारण फाइनल में पहुंच गई है।वहीं, भारत छह टीमों वाले इस टूर्नामेंट में चौथे नंबर पर रहा। टीम को एक मैच में जीत और तीन में हार मिली, जबकि एक मैच बेनतीजा रहा। पाकिस्तान का मुकाबला दूसरे सेमीफाइनल के विजेता (ऑस्ट्रेलिया या साउथ अफ्रीका) से होगा।डब्लूसीएल ने एक्स पोस्ट में

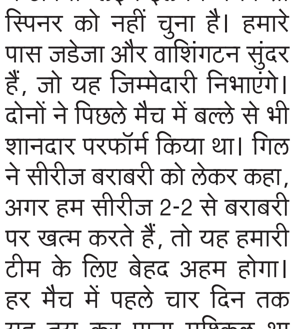

लिखा- 'हम हमेशा खेल की ताकत पर भरोसा करते हैं। हालांकि, जनभावना का हमेशा सम्मान किया जाना चाहिए। आखिर हम जो कुछ भी करते हैं, अपने दर्शकों के लिए ही करते हैं। हम भारत चैंपियंस के सेमीफाइनल से हटने के फैसले का सम्मान करते हैं और पाकिस्तान चैंपियंस की प्रतिस्पर्धा करने की तैयारी का भी सम्मान करते हैं। सभी बातों को ध्यान में रखते हुए भारत चैंपियंस और पाकिस्तान चैंपियंस के बीच का मैच रद्द कर दिया गया है। पाकिस्तान चैंपियंस फाइनल में जाएगा।' लीग की स्पॉन्सर कंपनी ईजमाई ट्रिप ने भी बुधवार को ही सेमीफाइनल मैच से हटने का ऐलान किया था। कंपनी के को-फाउंडर निशांत पिट्टी ने एक्स पोस्ट में लिखा था- 'हम डब्लूसीएल में भारत के शानदार प्रदर्शन की सराहना करते हैं। हालांकि, पाकिस्तान के खिलाफ आगामी सेमीफाइनल कोई साधारण मैच नहीं है। आतंकवाद और क्रिकेट साथ-साथ नहीं चल सकता।' 'ईजमाई ट्रिप भारत के साथ खड़ा है। हम ऐसे किसी भी आयोजन का समर्थन नहीं कर सकते जो आतंकवाद को बढ़ावा देने वाले देश के साथ संबंधों को सामान्य बनाने का प्रयास करता हो। कुछ चीजें खेल से भी बड़ी होती हैं। देश पहले, व्यापार बाद में।' छ्छ्छ चीफ और सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने 29 जुलाई को लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर की विशेष चर्चा के दौरान एशिया कप में भारत के पाकिस्तान से मैच खेलने पर सवाल उठाया था। ओवैसी ने सरकार से पूछा था- 'क्या आपकी अंतरात्मा अनुमति देती है कि आप पहलगाम में मारे गए लोगों के परिवार वालों से कहें कि अब भारत-पाक मैच देखिए। हमने पाकिस्तान का 80फीसदी पानी रोक दिया। खून और पानी एक साथ नहीं बह सकते, फिर क्रिकेट खेलने की अनुमति कैसे दे सकते हैं?' 26 जुलाई को एशिया कप 2025 का शेड्यूल जारी होने के बाद से ही भारत-पाकिस्तान मैच को लेकर सोशल मीडिया पर विरोध हो रहा है। कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में के बाद से ही लोग कह रहे हैं कि जिस देश से आतंकवाद आता है, उससे नहीं खेलना चाहिए।

रिलेशनशिप एडवाइज- सास हर बात पर टोकती हैःपति को मेरे लिए स्टैंड लेना चाहिए, पर वो तो राजा बेटा है, खुद को कैसे प्रोटेक्ट करूं

नयी दिल्ली। सवालः मैं एक साल से शादीशुदा हूं और अपने ससुराल वालों के साथ एक संयुक्त परिवार में रहती हूं। मेरी सास हमारे रिश्ते में लगातार हस्तक्षेप करती हैं, मेरे खाना पकाने, कपड़े पहनने और यहां तक कि मेरे पति के साथ बातचीत करने पर भी आलोचना करती हैं। मेरा पति अपनी मां से प्यार करता है और उन्हें परेशान नहीं करना चाहता है। इसलिए वह उनका सामना करने से बचता है। इससे हमारे बीच तनाव बढ़ रहा है और मुझे लगता है कि मेरी बात अनसुनी रह जाती है। मैं इस मसले पर कैसे बात करूं कि परिवार में कलह न पैदा हो? मैं चाहती हूं कि मेरा पति मेरे पक्ष में खड़ा हो, क्या मेरा ये उम्मीद करना गलत है? एक्सपर्टः डॉ. जया सुकुल, क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट, दिल्लीजवाबः आपने अपनी परेशानी साझा की और मैं समझ सकती हूं कि आप इस समय कितना उलझन में हैं। शादी के एक साल बाद भी संयुक्त परिवार में ढलना आसान नहीं होता, खासकर जब सास का हस्तक्षेप और पति का चुप रहना आपके लिए तनाव का कारण बन रहा हो। आपने बताया कि आपकी सास आपके खाना पकाने, कपड़े पहनने और यहां तक कि पति के साथ बातचीत तक में टिप्पणी करती हैं। ऊपर से आपका पति अपनी मां से प्यार के चलते कुछ बोलने से बचता है। इससे आपको लगता है कि आपकी बात कोई नहीं सुन रहा। आप चाहती हैं कि आपका पति आपके साथ खड़ा हो और यह सोच रही हैं कि क्या यह उम्मीद करना गलत है। चलिए इस परेशानी को एक-एक करके सुलझाते हैं। आपकी भावनाएं गलत नहीं हैं सबसे पहले तो यह स्वीकार करिए कि आप जो महसूस कर रही हैं, वह बिल्कुल ठीक है। कोई हर वक्त आपके काम में कमी निकाले तो दुख होना स्वाभाविक है। आप नई बहू हैं, नए घर में अपनी जगह बना रही हैं और ऐसे में सास की हर बात पर टोकाटाकी परेशान कर सकती है। यह भी सच है कि पति का चुप रहना आपको और अकेला महसूस कराता है। शादी के शुरुआती साल वैसे भी मुश्किल होते हैं, आप एक नया रिश्ता बना रही हैं, नए लोगों के साथ तालमेल बिठा रही हैं। ऐसे में अगर आपको गुस्सा, दुख या बेचैनी हो रही है तो खुद को दोष न दें। यह सब इसलिए हो रहा है क्योंकि आप अपने रिश्ते और परिवार को बेहतर करना चाहती हैं।आपकी परेशानी का सबसे बड़ा हिस्सा यह है कि आपका पति कुछ बोलता नहीं। लेकिन घबराइए मत, इसे ठीक करने का तरीका है, बातचीत। अपने पति से खुलकर बात करना इस समस्या को सुलझाने की पहली सीढ़ी है। यह बात ऐसी होनी चाहिए कि न वो परेशान हों, न सास नाराज हों और न ही घर में कोई लड़ाई हो।1. सही समय चुनें रात को खाने के बाद या वीकेंड पर, जब आप दोनों अकेले हों, तब बात शुरू करें। माहौल शांत हो, कोई जल्दी न हो ताकि आप आराम से अपनी बात कह सकें। 2. प्यार से रखें अपनी बात यह ध्यान रखें कि कहीं सास के कारण आप दोनों के बीच चीजें न बिगड़ जाएं। इसलिए गुस्से में बात न करें। बताएं कि आप सास के प्रति सम्मान का भाव रखती हैं, लेकिन उनके बेवजह दखल से दिक्कत हो रही है। 3. पति की परेशानी समझें- आपका पति अपनी मां को दुखी नहीं करना चाहता, यह उसका प्यार है। इसे स्वीकार करें। इसके बावजूद उन्हें स्पष्ट तौर पर बताएं कि आप उनकी मां के खिलाफ नहीं हैं, बस चाहती हैं कि आप दोनों मिलकर कुछ तय करें। 4. साथ मिलकर रास्ता निकालें- अपने पति को बताएं कि आपको अपनी सास की कौन-कौन सी बातें असहज करती हैं। इसके बाद दोनों लोग मिलकर एक रास्ता निकालें कि किस तरह उनको ये बात समझाई जाए, ताकि उनको इससे तकलीफ न हो। कुछ सीमाएं जरूरी हैं- हर रिश्ते में एक लकीर होनी चाहिए, जिससे पता चले कि कहां तक किसी का दखल ठीक है और कहां से परेशानी शुरू होती है। संयुक्त परिवार में यह और भी जरूरी है। आप और आपका पति मिलकर अपनी सास के साथ कुछ सीमाएं तय कर सकते हैं। क्या-क्या ठीक है, तय करें। घर में किसी बड़े की सलाह पारिवारिक बातों में ठीक है, पर खाना बनाने या कपड़ों में आपकी आजादी होनी चाहिए। अपनी बात नरमी से कहें। अगर सास कुछ कहें, तो मुस्कुरा के बोलें, कि आपकी सलाह अच्छी है पर मैं इसे अपने ढंग से करना चाहती हूं। पति का साथ जरूर लें। उन्हें कहें कि वो भी अपनी मां से बात करें। उन्हें अपनी मां को बताना होगा कि आपके काम से उन्हें कोई दिक्कत नहीं है। सीमाएं तय करने से सास को भी समझ आएगा कि आपको अपना स्पेस चाहिए और यह सब सम्मान के साथ हो सकता है। क्या पति से साथ मांगना गलत है? नहीं, बिल्कुल नहीं। आप यह चाहती हैं कि आपका पति आपके साथ खड़ा हो और यह हर शादीशुदा जोड़े का हक है। शादी में पति-पत्नी एक-दूसरे के लिए ढाल बनते हैं। आपका यह सोचना गलत नहीं कि वो आपकी भावनाओं को समझे और आपका साथ दे। लेकिन यह भी सच है कि वो अपनी मां से प्यार करता है और उन्हें दुखी नहीं करना चाहता। यहां उन्हें बीच का रास्ता निकालना होगा। आप उन्हें यह समझा सकती हैं कि आपका साथ देना मां के खिलाफ जाना नहीं है, बल्कि आप दोनों के रिश्ते को मजबूत करना है। क्या करें कि सास के साथ रिश्ता न बिगड़े- सास-बहू के रिश्ते को लेकर समाज में टैबू है। कई मामलों में ये चीजें सही भी होती हैं। इसके बावजूद अगर सलीके से बैठकर अपनी बातें रखी जाएं तो बात बन सकती है।अगर सारी कोशिशों के बाद भी तनाव कम न हो तो किसी फैमिली काउंसलर से मिलने में न हिचकें। कोई बाहर का इंसान आपकी बात को नई नजर से देख सकता है और रास्ता बता सकता है। यह आपके रिश्ते को बचाने का एक अच्छा कदम हो सकता है। पति को समझाएं अपनी बात- आपकी परेशानी बड़ी लग रही होगी, पर यह हल हो सकती है। अपने पति से प्यार और सम्मान के साथ बात करें। सास के साथ मिलकर कुछ काम करें। आपका यह चाहना कि पति आपका साथ दे, बिल्कुल सही है। बस उन्हें अपनी मजबूरी भी समझने दें। आप अकेली नहीं हैं, हर संयुक्त परिवार में ऐसी बातें होती हैं और सही तरीके से कोशिश करने से सब ठीक हो जाता है। धीरे-धीरे, प्यार और समझदारी से, आप अपने घर में शांति और खुशी ला सकती हैं। हिम्मत रखें, सब अच्छा होगा। खुद फाइनेंशियली मजबूत बनें -भारत में सामाजिक ढांचा ही ऐसा है कि महिलाओं को लेकर लोगों के बीच इन्फीरियोरिटी है। आपने सवाल में ये नहीं बताया है कि आप वर्किंग हैं या नहीं। अगर आप वर्किंग नहीं हैं तो सबसे पहले अपनी पढ़ाई, स्किल और पसंद की कोई जॉब खोजिए। हमें अपने फैसले लेने की अथॉरिटी और ताकत फाइनेंशियली मजबूत होने से मिलती है। इसके बाद आप ज्यादा आजादी से अपने मन के काम कर पाएंगी, खुद के लिए फैसले ले पाएंगी।

IND vs ENG पांचवां टेस्ट आज सेःभारत जीता तो ड्रॉ होगी सीरीज, इंग्लैंड की कप्तानी करेंगे ओली पोप; बारिश डाल सकती है खलल

नयी दिल्ली। भारत और इंग्लैंड के बीच एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी का पांचवां और आखिरी टेस्ट मैच आज से लंदन के द ओवल स्टेडियम में

खेला जाएगा। टीम इंडिया 5 टेस्ट की सीरीज में 1-2 से पीछे है। यह मैच दोनों टीमों के लिए अहम है। भारत इसे जीतकर सीरीज 2-2 से ड्रॉ कराना चाहेगा, जबकि इंग्लिश टीम ओवल टेस्ट जीतकर सीरीज अपने नाम करना चाहेगी।पहला मुकाबला इंग्लैंड ने 5 विकेट और तीसरा 22 रन से जीता था। वहीं, दूसरा टेस्ट भारत ने 336 रन से अपने नाम किया। चौथा मैच ड्रॉ रहा। पांचवें टेस्ट से एक दिन पहले बुधवार को इंग्लैंड ने अपनी प्लेइंग इलेवन जारी कर दी। टीम में चार बदलाव हुए। टीम के कप्तान बेन स्टोक्स इंजर्ड होकर बाहर हो गए हैं। उनकी जगह ओली पोप कप्तानी करेंगे। मैच डिटेल्स, पांचवां टेस्ट इंडिया बनाम इंग्लैंड तारीख- 31 जुलाई से 5 अगस्त, 2025 स्टेडियम- द ओवल, लंदन टाइमः टॉस- 3:00 पीएम मैच स्टार्ट - 3:30 पीएम। ओवल में भारत ने 2 टेस्ट जीते लंदन के द ओवल स्टेडियम में भारत ने 1936 में पहला टेस्ट खेला था, तब टीम को 9 विकेट से हार मिली थी। टीम को इस मैदान पर पहला टेस्ट जीतने में 35 साल लग गए। भारत ने 1971 में अजीत वाडेकर की कप्तानी में इंग्लैंड को 4 विकेट से हराया था। टीम को फिर इस मैदान पर 2021 में विराट कोहली की कप्तानी में दूसरी जीत मिली। उन्होंने 157 रन से टीम को जीत दिलाई थी। इस मैदान पर भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ 14 टेस्ट खेले, 2 जीते और 5 गंवाए। इस दौरान 7 मुकाबले ड्रॉ भी रहे। भारत ने द ओवल में आखिरी टेस्ट 2023 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेला था। यह वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल था, जिसमें भारत को 209 रन से हार का सामना करना पड़ा था।भारत के पास इंग्लैंड में 11वां टेस्ट जीतने का मौका टीम इंडिया ने इंग्लैंड में अपना सफर 1932 में शुरू किया था। तब से अब तक दोनों टीमों के बीच 140 टेस्ट खेले गए। इसमें 53 इंग्लैंड ने अपने नाम किए, जबकि 36 मैच टीम इंडिया ने जीते। वहीं, 51 टेस्ट ड्रॉ रहे। भारत ने इंग्लैंड में 71 टेस्ट खेले। 10 ही जीते, लेकिन टीम ने यहां 23 टेस्ट ड्रॉ भी कराए। 38 मुकाबलों में इंग्लैंड को जीत मिली। दोनों टीमों के बीच अब तक 36 टेस्ट सीरीज खेली गईं। 19 इंग्लैंड ने और 12 भारत ने जीतीं। जबकि 5 ड्रॉ रहीं। 1932 से 2025 तक 94 साल में टीम इंडिया ने इंग्लैंड में 19 टेस्ट सीरीज खेलीं। भारत ने 3 जीतीं, जबकि 2 ड्रॉ खेलीं। वहीं, 14 में टीम को हार का सामना करना पड़ा।शुभमन गिल ने दूसरे टेस्ट में 269 और 161 रन बनाए थे। गिल के नाम इस सीरीज में अब तक 4 शतक हैं। उन्होंने पिछले मैच में भी सेंचुरी लगाई थी। वे इस सीरीज और टीम दोनों के टॉप स्कोरर हैं। वहीं तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज दोनों 14-14 विकेट के साथ बॉलिंग में भारत से टॉप पर हैं। बुमराह इस मैच में नहीं खेलेंगे। उन्हें वर्कलोड मैनेजमेंट के कारण आराम दिया गया है। इंग्लिश बल्लेबाज जैमी स्मिथ सीरीज में इंग्लिश टीम के टॉप स्कोरर हैं। उन्होंने 4 मैचों में 424 रन बनाए हैं। इस दौरान उनका बेस्ट स्कोर नाबाद 184 रन है। बर्मिंघम टेस्ट की पहली पारी में जैमी ने यह पारी खेली थी। बॉलिंग डिपार्टमेंट में कप्तान बेन स्टोक्स सीरीज के टॉप विकेट टेकर हैं। उनके नाम 17 विकेट हैं। वहीं, जोश टंग टीम के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले दूसरे बॉलर हैं। उनके नाम 11 विकेट हैं।ओवल की पिच पर बाउंस देखने को मिलता है। मैच आगे बढ़ने के साथ स्पिनर को भी मदद मिलने लगती है। यहां संभलकर बैटिंग करने वाले बैटर आसानी से रन बना सकते हैं। यहां अब तक 107 टेस्ट खेले गए, पहले बैटिंग करने वाले टीमों ने 40 और पहले बॉलिंग करने वाली टीमों ने 30 मैच जीते। जबकि 37 मैच ड्रॉ भी रहे।बारिश डाल सकती है बाधा ओवल टेस्ट में बारिश बाधा डाल सकती है। इन पांच दिनों के दौरान हल्की बारिश की संभावना है। मैच के पहले, दूसरे और चौथे दिन बारिश की सबसे ज्यादा संभावना है। 31 जुलाई को मैनचेस्टर में 84फीसदी , 1 अगस्त को 60फीसदी और 3 अगस्त को 58फीसदी तक बारिश हो सकती है। इन 5 दिनों के दौरान अधिकतम तापमान 23 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 14 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है।भारत की पॉसिबल प्लेइंग-11ः शुभमन गिल (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, साई सुदर्शन, ध्रुव जुरेल, रवींद्र जडेजा, वॉशिंगटन सुंदर, शार्दूल ठाकुर, मोहम्मद सिराज, आकाशदीप, अर्शदीप सिंह। इंग्लैंड की प्लेइंग-11ः ओली पोप (कप्तान), जैक क्रॉली, बेन डकेट, जो रूट, हैरी ब्रूक, जैकब बेथल, जैमी स्मिथ (विकेटकीपर), क्रिस वोक्स, गस एटकिंसन, जैमी ओवर्टन, जोश टंग।

क्या है आपके पिया का टाइटल- परफेक्ट, कम्प्लीट या 'होल मैन'?

युगों से पूरी दुनिया में महिलाएं अपने पार्टनर के तौर पर एक 'परफेक्ट मैन' की तलाश में रहती हैं। फिर एक टेक्सटाइल कंपनी आई, जिसने उसके उत्पाद पहनने वाले पुरुषों को 'कम्प्लीट मैन' की श्रेणी में प्रदर्शित करना शुरू किया। लेकिन विश्व में महिलाएं अपनी पसंद को लेकर इससे आगे निकल चुकी हैं। अब वे अपने पार्टनर के रूप में एक 'होल मैन' चाहती हैं। दुनिया भर में कई महिलाओं के लिए यह एक नया ट्रेंड बन गया है कि वे अपनी दोस्तों के बीच गुप्त रूप से अपने पति के बारे में इस नए टाइटल से बात करती हैं। पहला गुण, जो उनमें नहीं होता, वो यह है कि वे इस विचार में विश्वास नहीं करते कि 'यदि आप अपनी श्रेष्ठता नहीं दिखा रहे हैं तो आप लूजर हैं।' उन्हें लगता है कि यह सोच अपने आप में बकवास है और पुरुषत्व को बढ़ावा देने वाले लोग इसे बचपन से ही थोप देते हैं। तो 'होल मैन' का मतलब क्या है? कुल मिलाकर, वह अधिकांश अच्छे मानवीय गुणों वाला सर्वगुण सम्पन्न व्यक्ति है। वह मजबूत है, लेकिन चोट खाने से नहीं डरता। वह अपने रोजमर्रा के जीवन में स्मार्ट है। कभी-कभी मजाकिया भी और अन्य जीवों के प्रति दयालु है। जरूरत के मुताबिक भावुक और सहायक है, लेकिन आवश्यकता पड़ने पर मजबूत भी है। समूह में वह मृदु स्वभाव वाले, किंतु सबसे मजबूत हैं। वे दूसरों को रुलाकर खुद को बड़ा दिखाने के बजाय दूसरों को सहज महसूस कराते हैं। यहां 'होल मैन' की ऐसी कुछ चुनिंदा खासियतें पेश हैं, जिन्हें महिलाएं अपने पुरुषों में देखना चाहती हैं। 1. वे लेखकों, गायकों, स्टैंड-अप कॉमेडियनों के कार्यक्रमों, पॉडकास्टरों के टॉक शो में शामिल होते हैं। खासतौर पर उनमें जो महिलाओं द्वारा आयोजित किए जाते हों। वे यह नहीं मानते कि उन्हें यह कार्यक्रम पसंद नहीं आएगा, क्योंकि यह महिलाओं द्वारा बनाया गया है। वे लिफ्ट में महिलाओं को पहले जाने देते हैं। जिस जगह भी हों, महिलाओं के लिए दरवाजा खोलते हैं। 2. 'होल मैन' की कई महिला मित्र होती हैं, और वे उन्हें मजाक का पात्र नहीं बनाते। उन्हें इस बात से भी कोई फर्क नहीं पड़ता कि उनकी पत्नियों के भी कई पुरुष मित्र हैं। वे दोस्तों के सामने अपने पार्टनर को नीचा नहीं दिखाते। 3. वे किसी विशेष खेल को पसंद करते हैं और उन्हें फर्क नहीं पड़ता कि इसे पुरुष खेल रहे हैं या महिलाएं। उदाहरण के लिए, वे ऐसी डींगें नहीं मारते कि उन्हें पुरुष क्रिकेट के बारे में छोटे-छोटे आंकड़े भी पता हैं। और इस बात से भी अनजान नहीं रहते कि महिला क्रिकेट टीम की कप्तान कौन है। 4. कामकाज में वो महिला अधिकारी की असहमति से घबराते नहीं हैं। वॉशरूम में महिला बॉस के बारे में शिकायत या अपशब्दों का इस्तेमाल नहीं करते। अगर गलती हो जाती है तो वे इसे स्वीकार कर माफी मांग लेते हैं, बिना यह देखे कि कौन उन्हें देख रहा है या वह किसके सामने माफी मांग रहे हैं। 5. उन्हें इस बात का कोई पुरस्कार नहीं चाहिए कि वे बच्चों को स्कूल छोड़ते हैं, उनके स्पोर्ट्स-डे पर जाते हैं या बिना सूचना के होने वाली 'डैड्स रेस' में हिस्सा लेते हैं। वे यह सब अपने बच्चों की खुशी के लिए करते हैं। मेरे लिए ये 'होल मैन' कई जगह हैं, लेकिन उन्हें इस बात का पर्याप्त श्रेय नहीं मिलता कि वे गृहस्थी को सुचारु रूप से चला रहे हैं। काम पर शांत और जानकार बनकर, सड़कों पर सभ्य और सम्मानजनक रहकर, ट्रेनों और बसों में 'मैनस्प्रेडिंग' (पास की सीट पर अतिक्रमण) नहीं करके, और घर पर सभी का सहयोग करके। हां, अधिकतर 'होल मैन' में एक सबसे बड़ी कमी होती है, जो आमतौर पर महिलाओं को खटकती है। वे कपड़े धोना नहीं जानते। हां, वे वॉशिंग मशीन को कपड़े के हिसाब से सेट नहीं कर पाते। सूखे कपड़ों को बिना सिलवटों के स्टैंड पर नहीं टांग सकते, और सूखे कपड़ों की तह भी नहीं कर सकते। ऐसा इसलिए, क्योंकि वे चिकित्सकीय तौर पर ऐसा करने के लिए लगभग अक्षम होते हैं। खासकर, अपने साथी की पसंद के अनुरूप। फंडा यह है कि चाहे 'होल मैन' को पार्टनर के रूप में पाना गर्व की बात हो, लेकिन भारतीय संस्कृति में रची-बसी महिलाएं हमेशा से एक 'होल फैमिली' (पूर्ण परिवार) का सपना देखती हैं। इसलिए, इसको ऐसा भी कह सकते हैं- भारतीय महिलाएं केवल 'होल मैन' के बजाय 'होल फैमिली' पसंद करती हैं।' आपकी पसंद क्या है?

मध्य-पूर्व की शांति आगामी तूफानों का संकेत देती है

मध्य-पूर्व आज एक भ्रमित कर देने वाली शांति की स्थिति में है। गाजा में हमास, लेबनान में हिजबुल्ला जैसे उग्रवादी समूहों और सीरिया में असद शासन के पतन ने इस क्षेत्र के चिरस्थायी तूफानों में क्षणिक

विराम ला दिया है। जिन छद्म युद्धों का दायरा तेहरान से बगदाद और दमिश्क होते हुए भूमध्य सागर तक फैला था, वो अब बिखरा हुआ मालूम होता है।यमन के हूती आज इकलौती ऐसी विघटनकारी शक्ति बने हुए हैं, जो लाल सागर और अरब सागर में अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्गों के लिए खतरा बने हुए हैं, लेकिन उस क्षेत्रीय मोमेंटम के बिना जो कभी ईरान समर्थित रणनीतिक महत्वाकांक्षाओं को परिभाषित करता था।और इसके बावजूद इस स्थिरता के स्थायी रहने की संभावना नहीं है। उलटे यह एक और बड़े, विनाशकारी तूफान का केंद्र हो सकता है। संघर्ष के फिर से उभरने की स्थितियां न केवल बरकरार हैं, बल्कि और बढ़ गई हैं- खासकर इजराइली फौजों द्वारा गाजा में अभूतपूर्व हिंसा और विनाश के बाद। दुनिया ने देखा कि गाजा पर व्यवस्थित रूप से हमला किया गया, रहवासी बस्तियों को तहस-नहस किया गया और हजारों नागरिक मारे गए। इजराइल ने इसके लिए चाहे जिस राजनीतिक या सैन्य उद्देश्य का दावा किया हो, लेकिन जो तस्वीरें और नैरेटिव सामने आए, उन्होंने फिलिस्तीनियों, व्यापक अरब-जगत और मुस्लिम आबादी के बीच क्रोध, निराशा और पीड़ित होने की भावना को जन्म दिया है।गाजा का यह जनसंहार एक नई वैचारिक और उग्रवादी लहर के उभरने का आधार बन सकता है। यह समझना जरूरी है कि मध्य-पूर्व ऐसा क्षेत्र नहीं है, जहां ऐतिहासिक शिकायतें चुपचाप मिट जाती हों। बल्कि यह ऐसा क्षेत्र है, जहां पीढ़ियों तक पीड़ा की भावनाओं को संजोया जाता है और जहां प्रतिशोध लेना सांस्कृतिक मुद्रा और राजनीतिक साधन दोनों है।गाजा युद्ध ने इजराइल-फिलिस्तीनी संघर्ष को समाप्त नहीं किया, केवल इसके परिदृश्य को बदल दिया है। हमास के सैन्य और राजनीतिक रूप से कमजोर होने के साथ ही अब नए संगठनों के उदय का रास्ता खुल गया है, जो अपने लक्ष्यों और तरीकों में अधिक सुगठित, कट्टरपंथी और संभवतः अधिक अंतरराष्ट्रीय हों।इतिहास एक गंभीर मिसाल पेश करता है। आईएसआईएस का उदय शून्य में नहीं हुआ। यह इराक के सुन्नियों के राजनीतिक हाशिए पर जाने, सद्दाम हुसैन के बाथिस्ट तंत्र के विघटन और कब्जे के घावों से पैदा हुआ था।आईएसआईएस सिर्फ एक आतंकवादी समूह नहीं था, बल्कि एक अर्ध-राज्यीय शक्ति भी थी, जिसने सीमाओं का पुनर्निर्धारण किया और समांतर युद्ध की वैश्विक समझ को उलट-पुलट कर दिया। आज पूरे क्षेत्र में ऐसे ही तत्व मौजूद हैं : मताधिकार से वंचित युवा, विस्थापित परिवार, पारंपरिक राजनीतिक ढांचों से मोहभंग और अंतरराष्ट्रीय समुदाय द्वारा त्यागे जाने की भावना। ये हालात कट्टरपंथ के लिए उपजाऊ हैं।इसके अलावा, गाजा के मनोवैज्ञानिक प्रभाव को भी कम करके नहीं आंका जा सकता। विनाश के पैमाने और तीव्रता का अरब-जगत पर खासा प्रभाव पड़ा है। अरब सरकारों ने भले ही सतर्कतापूर्ण या दुविधापूर्ण रुख अपनाया हो, लेकिन जनभावनाएं नाटकीय रूप से भड़क उठी हैं।प्रदर्शन, सोशल मीडिया अभियान और भूमिगत समर्थन नेटवर्क, सभी में तेजी से वृद्धि हुई है। यह राज्य की नीतियों- जो अक्सर व्यावहारिक राजनीति और विदेशी गठबंधनों द्वारा तय होती हैं- और उनकी जनता की नब्ज के बीच मौजूद एक बड़े अंतर को दर्शाता है।यह असंगति एक खतरनाक गतिशीलता पैदा करती है, जहां जनाक्रोश पारंपरिक राजनीतिक दायरे से बाहर निकलने का रास्ता तलाशता है। अगर इसे दबाया या नजरअंदाज किया गया तो यह ऊर्जा और भी गुप्त और हिंसक रूपों में अभिव्यक्त होगी।एक और अनदेखा किया गया पहलू गाजा युद्ध की अंतरराष्ट्रीय प्रतिध्वनि है। दक्षिण एशिया, दक्षिण पूर्व एशिया और पश्चिम के मुस्लिम समुदायों ने इस पर गुस्से और पीड़ा के साथ प्रतिक्रिया व्यक्त की है। ये अभिव्यक्तियां अभी प्रतीकात्मक हैं, लेकिन इतिहास हमें बताता है कि एकजुटता के आंदोलन जल्द ही सैन्य समर्थन प्रणालियों में विकसित हो सकते हैं।अगला उग्रवादी संगठन गाजा, लेबनान या सीरिया तक ही सीमित नहीं हो सकता है। यह भी याद रखें कि ईरान का प्रॉक्सी-मॉडल भले ही क्षतिग्रस्त हुआ हो, वह अपनी क्षेत्रीय महत्वाकांक्षाओं से पीछे नहीं हटने जा रहा है। तुर्किये भी नए इस्लामवादी आंदोलनों का प्रायोजक बन सकता है।मध्य-पूर्व का मौजूदा भू-राजनीतिक परिदृश्य भले ही क्षणिक रूप से शांत लग सकता है, लेकिन यह शांति खतरनाक रूप से भ्रामक है। गाजा-संघर्ष के भावनात्मक, वैचारिक और रणनीतिक अभिप्राय धीरे-धीरे सामने आएंगे। (ये लेखक के अपने विचार हैं,लेफ्टिनेंट जनरल सैयद अता हसनैन)

लोगों की आवाजाही ना सिर्फ परिवहन बल्कि समग्र विकास को भी बढ़ाती है

इस रविवार की शाम मैं पूर्वोत्तर के ऐसे व्यक्ति से मिला, जो 28 सितंबर से 2 अक्टूबर के बीच होने वाले दुर्गापूजा महोत्सव के लिए मुम्बई से सिलीगुड़ी जाना चाहते थे। उन्होंने अपना पूरा दिन इस योजना में बिता दिया कि कैसे सस्ती यात्रा की जाए। मैंने उनसे पूछा कि चंद टिकट बुक करने में इतना समय क्यों लगा? उन्होंने मुझे उन फ्लाइट की कीमतों के बारे में बताया, जिनसे पहले वो ससुराल वालों से मिलने कोलकाता और फिर अपने माता-पिता के पास सिलीगुड़ी जाना चाहते थे। 17 सितंबर तक कोलकाता की फ्लाइट टिकट करीब 4098 रुपए की है, जो धीरे-धीरे दोगुनी हो रही है और मुख्य पूजा के आसपास पांच अंकों में पहुंच जाती है। बस बुकिंग ऐप के अनुसार, दुर्गा पूजा से पहले कोलकाता से सिलीगुड़ी की बस यात्रा भी आपको 4 से 5 हजार रु. के बीच पड़ सकती है। इन बसों का नियमित किराया 1300 से 1500 रु. के बीच है। जबकि सप्ताहांत समेत पीक अवधि में 1800 से 2500 रु. में टिकट मिल पाते हैं। वो व्यक्ति योजना बना रहा था कि अपने परिवार को तो 17 सितंबर से पहले भेज देगा और खुद मुख्य पूजा के दिनों में जाएगा। वापसी में भी परिवार अलग-अलग तारीखों पर यात्रा करेगा, क्योंकि वीकेंड में 4-5 अक्टूबर को किराया बहुत अधिक है। और उन्हें 6 अक्टूबर को काम पर लौटना है। चूंकि ट्रेन की बर्थें पहले ही बुक हो चुकी हैं, इसलिए उनके जैसे कई लोग कड़ी मेहनत कर रहे हैं, ताकि उत्सव के दिनों में परिवार समेत गृहनगर पहुंच पाएं और फिर वापस देश के पश्चिमी या दक्षिणी राज्यों में काम पर लौट सकें। 574 किमी लंबे कोलकाता से सिलीगुड़ी मार्ग के लिए वोल्वो बस का किराया 8 रुपए प्रति किमी से अधिक है। टिकट की कीमत 5 हजार रुपए है। यदि कोलकाता से इंदौर मार्ग से इसकी तुलना करें तो इसी वोल्वो में 24 से 26 सितंबर के बीच किराया 3800 रुपए है, जो 1620 किमी की यात्रा के लिए 2.3 रुपए प्रति किमी पड़ता है। यहां तक कि 1940 किमी लंबाई वाले देश के सबसे लंबे मार्गों में से एक जोधपुर-बेंगलुरु रूट पर भी वोल्वो का किराया 2550 रुपए है, जो महज 1.3 रुपए प्रति किमी पड़ता है। बीते पांच दशक में भारतीय निजी बस उद्योग में जबरदस्त बढ़ोतरी देखी गई है। 1961 में निजी क्षेत्र में जहां सिर्फ 38 हजार बसें चलती थीं, वहीं 2019 तक यह संख्या बढ़कर 18.9 लाख से अधिक हो गई। 60 साल से भी कम समय में 47 गुना की बढ़ोतरी हुई है।2019 तक भारत की सड़कों पर चलने वाली 93 प्रतिशत से अधिक बसें निजी क्षेत्र में थीं, जिनमें 6.64 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर भी देखी गई। 2026 तक इनकी कीमत 1.04 लाख करोड़ रुपए होना अनुमानित है। भारत के विभिन्न क्षेत्रों में बस किरायों में अंतर साफ दिखता है। बेंगलुरु से चेन्नई के लिए एक एसी सीटर बस का किराया महज 400 रुपए हो सकता है (दूरी 347 किमी)। उत्तर की ओर जाएं तो दिल्ली-लुधियाना मार्ग का किराया सामान्य रूप से 550 रुपए है (दूरी

307 किमी)। लेकिन यदि पूर्व में देखें तो गुवाहाटी-डिब्रूगढ़ मार्ग का किराया 650 रुपए या इससे कुछ अधिक है (दूरी 279 किमी)। ये सभी दरें अनुमानित हैं। इस असमानता का कारण क्या है? जवाब है- ग्राहक की मांग और बाजार की आपूर्ति। चूंकि पूर्वोत्तर राज्य रोजगार के पर्याप्त अवसर मुहैया नहीं करा पा रहे हैं तो उन्हें चाहिए कि भले वे स्थानीय लोगों को रियायती यात्रा ना दें, लेकिन उचित कीमत पर परिवहन तो उपलब्ध कराएं। ताकि वहां की आबादी दूसरे राज्यों में जाकर जीवनयापन कर सके।उचित कीमत पर परिवहन देने से ये प्रवासी कर्मचारी अपने परिवार से मिलने वापस आएंगे और अपनी कमाई हुई राशि यहीं खर्च भी करेंगे। जब वे इतना अधिक खर्च परिवहन पर ही कर देंगे तो दूसरी चीजों पर उदारता के साथ खर्च नहीं कर पाएंगे। इस कारण राज्य आय से वंचित रहता है और उसकी अर्थव्यवस्था गति नहीं पकड़ पाती। फंडा यह है कि प्रतिस्पर्धा बढ़ाकर उचित मूल्य का परिवहन व्यवसाय करना राज्यों की आय बढ़ाता है और स्थानीय लोगों को उत्पादक बने रहने के लिए प्रोत्साहित करता है। इससे अर्थव्यवस्था में वृद्धि होती है। (एन. रघुरामन)

क्या आपने कभी रविवार को समाज में उम्मीदें जगाने की कोशिश की है?

जॉर्ज अपनी पहली ग्राहक को दूर से ही देख सकते थे। उन्होंने उसकी मां के हाथों से उसका हाथ खींचा और उसे लेकर अपने गैरेज की ओर दौड़ पड़े, जहां उन्होंने बीती रात को ही यह बोर्ड लगाया था- 'आपके पास टूटी हुई चीजें हैं? तो उन्हें यहां ले आइए। इसके लिए कोई पैसा नहीं लिया जाएगा। बस चाय और बातें।' आठ साल की मिया अपने टॉय-ट्रक के साथ गैरेज में पहुंची। उसमें चौथा पहिया नहीं था। उसने कहा, 'क्या आप इसे ठीक कर सकते हैं?' फिर धीमी आवाज में कहा- 'डैड कहते हैं अभी तो हम नया नहीं खरीद सकते।' जॉर्ज ने औजारों की खोजबीन की और एक घंटे बाद ट्रक फिर से चलने लगा। अब एक बोतल का ढक्कन उसका पहिया बन गया था और उसे आकर्षक बनाने के लिए उसमें एक सिल्वर डक्ट टेप भी जोड़ दी गई थी। मिया खुशी-खुशी वहां से लौट आई, लेकिन उसकी मां वहीं रही। उन्होंने पूछा- 'क्या आप एक अच्छा रेज्यूमे भी बना सकते हैं?' तीन दिन बाद मिया शिकायत लेकर आई कि बोतल के ढक्कन वाला नया पहिया जाम हो रहा है। इस बार उसकी मां उसके साथ नहीं आई थी, क्योंकि उन्हें एक इंटरव्यू के लिए बुलावा आ गया था। महज एक हफ्ते के भीतर 79 साल के जॉर्ज के गैरेज में चहल-पहल होने लगी थी। एक विधवा महिला एक टूटी हुई घड़ी ले आई। एक किशोर फटा हुआ बैग ले आया। सेवानिवृत्त शिक्षक अलग-अलग लोगों के रेज्यूमे की प्रूफरीडिंग कर रहे थे। एक महिला बैग सिल रही थीं, जिन्होंने अतीत में यह काम किया था।अमेरिका के मिनेसोटा राज्य स्थित मेपल ग्रोव नामक इस कस्बे में कई लोगों को लगा कि जॉर्ज का दिमाग खराब हो गया है। वे एक-दूसरे से कहते कि भला कौन मुफ्त में चीजों की मरम्मत करता है? लेकिन जॉर्ज के पास इसकी एक वजह थी। उनकी दिवंगत पत्नी रूथ ने अपना जीवन जरूरतमंदों के कोट, घड़ियां आदि ठीक करने में बिताया था और वो लोगों को दिलासा भी देती थीं। वे कहती थीं कि 'चीजों को बर्बाद करना एक आदत है और दयालुता इलाज है।' फिर शिकायत आई! 'यह गैर-लाइसेंसी कारोबार है', एक इंस्पेक्टर ने चेतावनी देते हुए कहा। मेयर ने जॉर्ज को गैरेज बंद करने का आदेश दिया। अगली सुबह कस्बे के कोई 40 लोग जॉर्ज के लॉन में विरोध के बैनर और टूटी-फूटी चीजें लिए खड़े थे- 'चीजों ही नहीं, कानून की भी मरम्मत करो।' एक बैनर पर लिखा था- 'क्या दयालुता गैरकानूनी है?' जनता के दबाव में मेयर ने नरमी दिखाई और जॉर्ज को पुराने फायर हाउस में कुछ जगह दी। वालंटियर्स ने उसे पीले रंग से रंग दिया और उसे 'रूथ्स हब' नाम दिया। लोग वहां सिर्फ अपनी चीजें ठीक करवाने ही नहीं, बल्कि दूसरों से जुड़ने भी आते थे। प्लम्बर मरम्मत सिखाते थे तो किशोर सिलाई की कला सीखते थे। एक बेकर ने माइक्रोवेव की मरम्मत के ऐवज में कुछ मफिन्स दिए। शहर का कचरा 30फीसदी कम हो गया।आठ साल बाद मिया का एक पत्र आया, जो अब 16 साल की है और एक रोबोटिक्स लैब में इंटर्नशिप कर रही है। पत्र में लिखा था- 'आपने मुझे टूटी हुई चीजों में भी मूल्य देखना सिखाया। मैं सौर ऊर्जा से चलने वाला एक कृत्रिम हाथ बनाने की कोशिश कर रही हूं...' और उस पत्र में एक फुटनोट भी था- 'मेरा ट्रक अभी तक चल रहा है।

राज्यसभा सभापति खिलाड़ी नहीं, अम्पायर की तरह हों

चौदह साल पहले दिल्ली की वो उमस भरी सुबह मुझे आज भी याद है। जीवन में पहली बार मैं

संवैधानिक पद पर बैठे किसी व्यक्ति से मिला था। वे तत्कालीन उपराष्ट्रपति हामिद अंसारी थे। वह संसद में मेरा पहला दिन भी था। शपथ-ग्रहण के बाद उन्होंने पहली बार सांसद बने हम कुछ नेताओं को कॉफी पर बुलाया। बातचीत चलती रही। जब उन्होंने देखा कि गपशप करते हुए 15 मिनट से अधिक हो गए हैं, तो उन्होंने हमें चर्चा जारी रखने के लिए अपने घर पर बुलाया। हम कुछ दिनों बाद उनके घर भी गए। यह हमारे लिए रोमांचक था कि दूसरे सर्वोच्च संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति ने हम जैसे नए सांसदों से मिलने के लिए समय निकाला। एक राजनयिक के रूप में हामिद अंसारी का लंबा और प्रतिष्ठित करियर रहा था। वे भारत सरकार के चीफ ऑफ प्रोटोकॉल, ऑस्ट्रेलिया में उच्चायुक्त, संयुक्त राष्ट्र में स्थायी प्रतिनिधि, अफगानिस्तान, ईरान और सऊदी अरब में राजदूत रहे थे। फिर वे भारत के 12वें उपराष्ट्रपति बने। कोलकाता में जन्मे अंसारी के बारे में जो बात कम ही लोग जानते हैं, वो ये है कि वे अपने कॉलेज के लिए मध्य क्रम के विकेटकीपर-बल्लेबाज भी थे। वास्तव में ईरान में राजदूत रहते हुए उन्होंने भारतीय दूतावास के कर्मचारियों के लिए क्रिकेट शुरू करवाया था। यह भी कहा जाता है कि उन्होंने ईरान में इस खेल को लोकप्रिय बनाया। राज्यसभा के सभापति के तौर पर अंसारी ने विधान-परिषदों में कई इनोवेशन किए। संसद-सत्र के दौरान अंसारी रोज सुबह 10:30 से 10:55 तक कॉफी मीटिंग करते थे। सदन के नेताओं के साथ इस अनौपचारिक बातचीत से सत्तापक्ष और विपक्ष को दिन भर की कार्यवाही में सामंजस्य बनाने में मदद मिलती थी। सभापति के तौर पर अंसारी का एक नियम अटल था : कोई भी विधेयक हंगामे के बीच पारित नहीं होगा। इससे यह सुनिश्चित हुआ था कि तत्कालीन सरकार कोई भी कानून जबरन नहीं थोप सकती थी। प्रश्नकाल और शून्यकाल के समय में बदलाव का पूरा श्रेय भी अंसारी को ही जाना चाहिए। बीते छह दशकों से प्रश्नकाल सुबह 11 बजे शुरू होता आ रहा था। इसके बाद दोपहर 12 बजे से शून्यकाल होता था। अंसारी को लगा कि प्रश्नकाल अकसर हंगामे की भेंट चढ़ता है, क्योंकि सदस्य दिन की शुरुआत में ही महत्वपूर्ण मुद्दों को उठाना चाहते हैं। 2014 में अंसारी ने इसमें बदलाव किया। अब राज्यसभा में पहले 11 बजे से शून्यकाल होता है, जिसमें सदस्य तात्कालिक जनहित के मुद्दे उठाते हैं। 12 बजे से प्रश्नकाल शुरू होता है। अंसारी के दृष्टिकोण को इस कथन से समझा जा सकता है- 'राज्यसभा का सभापति खिलाड़ी नहीं, बल्कि अम्पायर हैष्ठ यदि आप खिलाड़ी बनते हैं तो पक्षपाती हो जाते हैं।' सेवानिवृत्ति के बाद वे दिल्ली में सुखद जीवन बिता रहे हैं। उन्होंने कई किताबें लिखी हैं। दूसरे जिन उपराष्ट्रपति के सम्पर्क में मुझे आने का सौभाग्य मिला, वे थे वेंकैया नायडू। एक अनुभवी सांसद, जो ग्रामीण विकास, शहरी विकास, आवास और शहरी गरीबी उन्मूलन, सूचना और प्रसारण के साथ संसदीय कार्य मंत्रालय के मंत्री भी रहे थे। इतिहास नायडू के प्रति उदार रहेगा, क्योंकि उन्होंने 20 सितम्बर 2020 को उस दिन सदन की अध्यक्षता नहीं की थी, जब विवादित कृषि कानून जबरन पारित कराए गए थे। शायद इसलिए क्योंकि वे कृषक-परिवार में जन्मे थे।उनका चैम्बर हो या सदन, दोनों ही जगह नायडू हर किसी से एक ही लहजे में बात करते थे- फिर चाहे वे सत्तापक्ष के सदस्य हों या विपक्ष के। यह सराहनीय है। जब भी वे हमें उपराष्ट्रपति भवन में भोजन पर आमंत्रित करते थे तो वहां मिलने वाले आंध्रप्रदेश के स्वादिष्ट भोजन के लिए श्रीमती नायडू को भी बराबर का श्रेय जाता है। एक बार उन्होंने कहा था कि भले ही वे बाहर सभापति होंगे, लेकिन घर में उनका भी एक गृहमंत्री है।नायडू को चुटीले 'वन लाइनर' बहुत पसंद थे। एक बार जब विद्यार्थी उच्च शिक्षा के लिए बाहर जा रहे थे तो उन्होंने कहा था- 'लर्न, अर्न एंड रिटर्न'। यानी सीखना, कमाना और फिर लौट आना। जब उनसे राष्ट्रपति बनने की महत्वाकांक्षा के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा वे 'उषापति' बनकर ही खुश हैं।उनकी पत्नी का नाम उषा है। उनका एक और मशहूर कथन था- 'द लेफ्ट कैन नेवर बी राइट'। नायडू का हास्यबोध जितना अच्छा था, वे उतने ही भावुक भी थे। जब भावनात्मक मुद्दों पर चर्चा होती, उनकी आंखें नम हो जाया करती थीं।14वें उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ भी मेरे कॉलम का विषय होंगे। लेकिन किसी और दिन! भारत के 12वें उपराष्ट्रपति हामिद अंसारी क्रिकेटप्रेमी और इनोवेटिव थे। वहीं 13वें उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू अपने हास्यबोध और भावुकता के लिए जाने जाते थे। दोनों ही अनुभवी और पद की गरिमा का ध्यान रखने वाले थे। (ये लेखक के अपने विचार हैं। इस लेख के सहायक शोधकर्ता आयुष्मान डे हैं)

डेरेक ओ ब्रायन

चलते-चलते ही चलती रहे सोमवार की मीटिंग!

सोमवार हमेशा थोड़ा बोझिल लगता है। बंद बोर्डरूम में लगातार मीटिंग चलती हैं। बारिश के मौसम में तो पता भी नहीं चलता कि कब बादल छंटे, कब धूप निकली। मीटिंग के प्रेजेंटर को, गड्ढों में कार के कूदने से आने वाली छपाक की आवाज़ कभी-कभी सुनाई दे जाती है। वह भी बहुत साफ़ नहीं होती क्योंकि उसमें एसी के भरभराहट की मिलावट होती है।आपकी मीटिंग सुबह 11:30 पर थी, अब 11:45 बज चुके हैं और अंदर बैठे लोग बाहर निकलने तैयार नहीं हैं। आप अंदर झांकते हैं, तो प्रेज़ेंटर चेहरे पर माफ़ी मांगने का भाव लिए इशारे में कहते हैं, 'बस दो मिनट!' आपका तनाव बढ़ रहा है क्योंकि 12 बजे एमडी को इस हफ्ते के सेल्स प्रोजेक्शन बताने हैं।मीटिंग से पहले आपको स्टोर हेड से स्टॉक की जानकारी लेनी है और प्रोडक्शन डिपार्टमेंट का प्लान भी जानना है। ऐसे में आप क्या कर सकते हैं? क्यों न मीटिंग को बोर्डरूम से बाहर ले जाएं। इसे कहते हैं, वॉकिंग मीटिंग यानी चलते-चलते, हो जाए मीटिंग।व्यस्त लोग और विभागों के प्रमुख खास स्टाइल में कहते हैं, 'मेरे साथ चलो' और बिल्डिंग के एक विंग से दूसरे विंग में जाते हुए, दो मिनट में मीटिंग पूरी हो जाती है। ऐसा ही कुछ टीवी शो, 'द वेस्ट विंग' में देखने मिलता है। यह पॉलिटिकल ड्रामा सीरीज़ है, जो अमेरिकी राष्ट्रपति के प्रशासनिक विभाग और कर्मचारियों की रोजमर्रा की चुनौतियां दिखाती है। इसे देखकर आपको भी चलते-चलते मीटिंग की आदत हो सकती है।शो में राष्ट्रपति के साथ काम कर रहे कई लोग अक्सर डायलॉग बोलते हैं 'वॉक विद मी' और फिर व्हाइट हाउस के गलियारे में मीटिंग शुरू हो जाती है, जहां राष्ट्रपति को बताने के लिए कर्मचारी आंकड़े साझा करते हैं। सपोर्ट स्टाफ़ के साथ ये मीटिंग जानबूझकर बाहर की जाती हैं। इसमें एक स्टाइल है। यह आकर्षक है क्योंकि इसमें सहकर्मी के साथ एक पॉइंट से दूसरे पॉइंट तक चला जा सकता है। कल्पना कीजिए, सूट-बूट में दो सहकर्मी, जटिल संवाद कर रहे हैं और फिर बीच गलियारे में रुककर रणनीति तैयार करते हैं। फिर उनमें से एक एमडी के केबिन में चला जाता है और दूसरा ऑफिस में जाकर गलियारे में हुई चर्चा को दस्तावेज में दर्ज कर लेता है। स्वर्गीय स्टीव जॉब्स वॉकिंग मीटिंग की काफ़ी वकालत करते थे। उनके साथ काम करने वाले बताते हैं कि 30फीसदी मीटिंग चलते हुए होती थीं।स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी की 2014 की रिसर्च बताती है कि चलने से रचनात्मकता बढ़ती है, चलते हुए भी और बाद में भी। मैं सिर्फ़ ऑफ़िस में चलने से होने वाले फ़ायदों की बाद नहीं कर रहा।यह कारगर है।मैंने ऐसी कई वॉकिंग मीटिंग देखी हैं, जहां दोनों पक्ष बड़ी आसानी से किसी टॉपिक पर बात कर पाए। ऐसा कई बार मीटिंगरूम में करना मुश्किल हो जाता है।

राहुल गांधी ने मेज पीटकर पीएम मोदी से क्या पूछा,शाह बोले- आतंकियों का धर्म देख दुखी मत होइए,दूसरे दिन की बहस में कौन भारी

नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने गुस्से में मेज पर इतनी जोर से हाथ मारा कि स्पीकर ओम बिरला को कहना पड़ा- यह सदन की संपत्ति है, इसे मत तोड़ो। गृहमंत्री अमित शाह के भाषण के दौरान अखिलेश यादव ने ऐसा क्या कहा कि शाह बोले- पाकिस्तान से आपकी बात होती है क्या? पीएम मोदी ने भी ऑपरेशन सिंदूर पर संसद में भाषण दिया।नयी दिल्ली। ऑपरेशन सिंदूर पर लगातार दूसरे दिन मंगलवार सुबह 12 बजे लोकसभा में चर्चा शुरू हुई। चर्चा की शुरुआत गृहमंत्री अमित शाह ने 12.07 बजे की। उन्होंने सबसे पहले सोमवार को हुए ऑपरेशन महादेव की जानकारी दी-

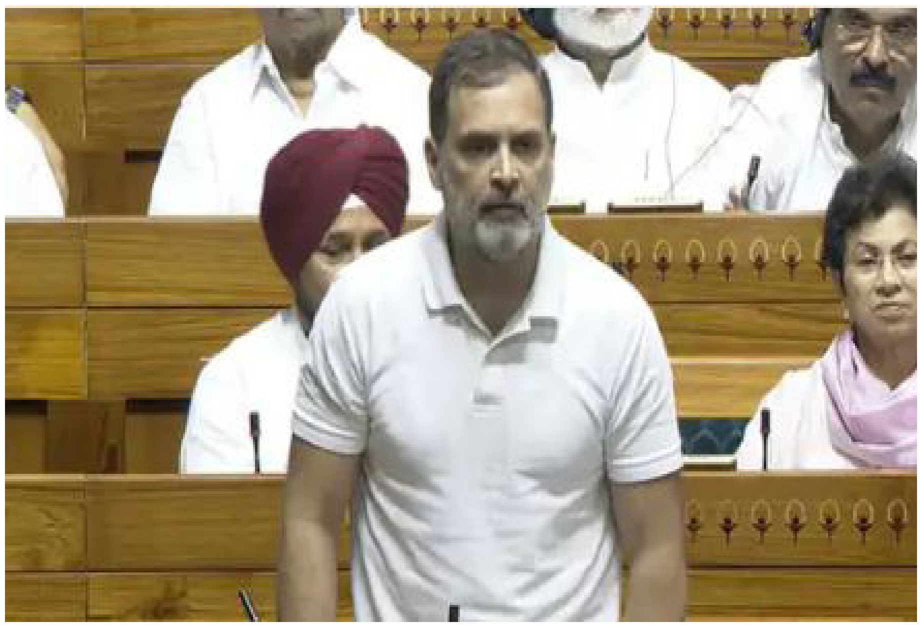

ऑपरेशन महादेव में सुलेमान, अफगान और जिबरान नाम के तीन आतंकवादी सेना, सीआरपीएफ और जम्मू-कश्मीर पुलिस के जॉइंट ऑपरेशन में मारे गए। यही तीनों आतंकियों ने पहलगाम की बायसरन घाटी में नागरिकों को मारा था। इनके पास से एक एम -9 अमेरिकी राइफल और दो एके-47 बरामद हुईं। हमले के तुरंत बाद ही हमने तैयारी की कि आतंकवादी देश छोड़कर भागने न पाएं। इसके बाद 22 मई से ऑपरेशन महादेव की शुरुआत हुई। 22 मई को आईबी को दाचीगाम क्षेत्र में आतंकवादी की उपस्थिति की इंटेल मिली। 22 जुलाई तक लगातार ट्रैक करते हुए आतंकियों की पुख्ता जानकारी मिली। सेना, सीआरपीएफ और पुलिस ने इन्हें घेरकर 28 जुलाई को मार गिराया। इससे पहले एनआईए ने आतंकियों को शरण देने वाले और अपने घर में खाना खिलाने वाले दो लोगों को गिरफ्तार किया था, जिन्होंने तीनों की पहचान की। उनकी मां ने भी आतंकियों की पहचान की।आतंकियों के पास मिली राइफल से रात भर चंडीगढ़ में फायरिंग कराई गई। इसके कारतूसों और बायसरन घाटी में मिले कारतूसों को मिलाया गया। सुबह 04.46 बजे 6 साइंटिस्ट ने इसकी रिपोर्ट बनाई और बताया कि दोनों कारतूसों का मिलान हो गया।आतंकवादियों के पास से पाकिस्तान मेड चॉकलेट भी मिली। दो आतंकियों के वोटर आईडी नंबर भी मिले हैं।जब अमित शाह यह जानकारी दे रहे थे तो सपा प्रमुख अखिलेश यादव बीच में खड़े हो गए। दरअसल, अमित शाह ने कहा था, 'मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर करके आतंकवादियों को भेजने वाले आकाओं को जमीन में मिलाने का काम किया था, सेना और सीआरपीएफ ने आतंकवादियों को भी समाप्त कर दिया।'इस पर अखिलेश ने बोल दिया, 'आका तो पाकिस्तान है।' जवाब में शाह ने पूछा, 'पाकिस्तान से आपकी बात होती है क्या?' उन्होंने आगे कहा, 'आप आतंकवादियों का धर्म देखकर दुखी मत होइए।'अमित शाह ने अपने 1 घंटे और 14 मिनट के भाषण में इतिहास की कई घटनाएं याद करते हुए कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने पाकिस्तान के साथ आज की स्थिति के लिए जवाहरलाल नेहरू और इंदिरा गांधी को जिम्मेदार ठहराया। शाह ने कहा- 1948 में जवाहरलाल नेहरू ने युद्धविराम घोषित कर दिया। पीओके की स्थिति के लिए जिम्मेदार नेहरू हैं।1960 में सिंधु जल समझौता करके 80फीसदी पानी पाकिस्तान को दे दिया।

1965 के युद्ध में कब्जा किए गए हाजी पीर दर्रे को 1966 में लौटा दिया गया।1971 की लड़ाई में कब्जाई 15,000 वर्ग किमी जमीन लौटा दी, पीओके मांगना भूल गए।1971 पाकिस्तानी सेना ने नरसंहार किया, इंदिरा ने मुकदमा नहीं चलाया।1962 के युद्ध में 38 हजार वर्ग किमी का अक्साई चिन, चीन को सौंप दिया नेहरू ने असम को आकाशवाणी पर बाय-बाय कह दिया था। नेहरू के कारण चीन यूएन की सिक्योरिटी काउंसिल में है, भारत बाहर है। मनमोहन सरकार ने आतंकियों के खिलाफ पोटा कानून रद्द कर दिया। 2005 से 2011 तक 27 आतंकी हमले, 1000 से ज्यादा लोग मारे गए। जब डोकलाम में चीनी सेना से संघर्ष हुआ, राहुल गांधी चीन के साथ मीटिंग कर रहे थे। 2014 से 2025 तक कश्मीर के अलावा देश के बाकी हिस्से में एक भी आतंकी घटना नहीं हुई। अखिलेश यादव ने पूछ लिया- एनकाउंटर कल ही क्यों हुआ चर्चा के दूसरे दिन सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने भी हिस्सा लिया। उन्होंने अपने भाषण की शुरुआत सरकार को तंज कसने वाली एक शायरी से की, 'मैं दुनिया को मनाने में लगा हूं, मेरा घर मुझसे रूठा जा रहा है।' अपने 26 मिनट के भाषण में उन्होंने ज्यादा ध्यान चीन पर दिया और सरकार को चीन की तरफ भी ध्यान देने की नसीहत दी। अखिलेश ने कहा,'सरकार जवाब दे कि पाकिस्तान के पीछे कौन-सा देश खड़ा है। हमें चीन से उतना ही खतरा है जितना देश में आतंकवाद से है।' उन्होंने चीन को पाकिस्तान से भी ज्यादा खतरनाक और एक राक्षस बताया जो भारत से जमीन और बाजार दोनों छीन लेगा। इसके बाद अखिलेश ने सरकार पर आतंकवादी हमले और आतंकियों के पकड़े जाने का राजनीतिक लाभ उठाने का आरोप लगाया। उन्होंने ऑपरेशन महादेव के बारे में पूछ लिया कि आखिर एनकाउंटर कल ही क्यों हुआ?अखिलेश यादव के बाद विपक्ष की ओर से प्रियंका गांधी चर्चा में शामिल हुईं। वायनाड से नई सांसद प्रियंका दूसरी बार सदन में किसी चर्चा में हिस्सा लिया। इससे पहले जब शीतकालीन सत्र में प्रियंका संविधान पर चर्चा में शामिल हुई थी, तो ज्यादातर पेपर से पढ़कर भाषण दे रही थीं। इस बार एक-दो बार ही उनके हाथों में पेपर दिखाई दिया। भाषण के दौरान वे बीच-बीच में सांसदों की टोका-टाकी का भी जवाब देती दिखीं। प्रियंका गांधी ने पहलगाम हमले में मारे गए पर्यटकों को हिंदू कहने के बजाय भारतीय कहा। उन्होंने कहा- 22 अप्रैल को बायसरन में जो 26 लोग मारे गए, उनमें से 25 भारतीय थे। इस पर सरकार के सांसद बोलने लगे- हिंदू थे। प्रियंका गांधी ने फिर उन सांसदों की तरफ देखकर कहा- भारतीय थे। इसके बाद प्रियंका ने उन 25 लोगों के नाम पढ़ने शुरू किए। पहला नाम पढ़ते ही सरकार के सांसदों ने कहा- हिंदू। विपक्ष के सांसद कहने लगे भारतीय। प्रियंका मृतकों के नाम पढ़ती गईं और विपक्ष के सांसद उनके आगे भारतीय लगाते गए।प्रियंका गांधी ने अपने भाषण में अमित शाह से लेकर राजनाथ सिंह तक को घेरा और कई सवाल पूछे- पहलगाम हमला क्यों और कैसे हुआ? हमले के समय बायसरन में सिक्योरिटी क्यों नहीं थी? जहाजों (राफेल) का नुकसान नहीं हुआ, तो सदन में इसे साफ-साफ कहने से क्या डर? सीजफायर क्यों हुआ?प्रियंका ने अपने भाषण में अमित शाह के उस बयान का जवाब भी दिया जिसमें उन्होंने यूपीए सरकार के दौरान 27 आतंकी हमले होने की बात कही थी। प्रियंका ने कहा- गृहमंत्री महोदय ने जब यूपीए सरकार के समय के आतंकवादी हमले गिने तो लगभग 25 गिनवाए थे। पहलगाम हमले की जिम्मेदारी लेने वाले टीआरएफ ने कश्मीर में 2020 से 2025 के बीच 25 हमले किए। राहुल बोले- मोदी में हिम्मत हो तो बोलें ट्रम्प झूठ बोल रहे- ऑपरेशन सिंदूर पर दूसरे दिन की चर्चा के दौरान लीडर ऑफ अपोजिशन राहुल गांधी एग्रेसिव मोड में दिखे। उन्होंने अपने 39 मिनट के भाषण में ज्यादातर अंग्रेजी में बोला। राहुल ने पीएम मोदी को अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प से सवाल पूछने का चैलेंज दिया। राहुल ने कहा- अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प सारे प्रोटोकॉल तोड़कर पहलगाम हमले के लिए जिम्मेदार आसिम मुनीर को लंच के लिए बुलाते हैं और हमारे प्रधानमंत्री कुछ नहीं कहते। इसके बाद राहुल गुस्से में सदन की मेज पर हाथ पटक कर फिर कहते हैं, प्रधानमंत्री नहीं कह सके कि ट्रम्प की हिम्मत कैसे हुई, मुनीर को लंच पर बुलाने की। इसके बाद स्पीकर ओम बिरला को राहुल से कहना पड़ा- माननीय सदस्य यह सदन की संपत्ति है, इसको मत तोड़ो। राहुल ने बाद में माफी भी मांगी। इसके अलावा उन्होंने पीएम मोदी पर अपनी राजनीति और छवि के लिए एयरफोर्स का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया। राहुल ने कहा- अगर पीएम मोदी में इंदिरा गांधी जैसी हिम्मत हैं, तो बोलें कि ट्रम्प आप झूठ बोल रहे हैं और हमने कोई एयरक्राफ्ट नहीं खोए। 50 परसेंट हिम्मत भी हो तो वे ऐसा बोल देंगे।राहुल गांधी ने सरकार पर आरोप लगाए कि उन्होंने हमले के तुरंत बाद डीजीएमओ के जरिए पाकिस्तान को हमले की जानकारी देकर और मिलिट्री इन्फ्रास्ट्रक्चर पर हमला करने की बात कहकर गलती की। राहुल ने कहा, 'आपने हमारे पायलट से कहा कि पाकिस्तान पर अटैक करो, लेकिन उनके एयर डिफेंस सिस्टम का सामना भी करो। मतलब उनके हाथ ही बांध दिए। ऐसे में एयरक्राफ्ट तो गिरेंगे ही।' उन्होंने विदेश मंत्री एस. जयशंकर को भी घेरा और कहा- विदेश मंत्री ने यह नहीं बताया कि पहलगाम के बाद एक भी देश ने पाकिस्तान की निंदा नहीं की। सभी ने आतंकवाद की निंदा की, पाकिस्तान की नहीं। उन्होंने जयशंकर पर आरोप लगाया कि वे चीन से डरते हैं।चर्चा के आखिर में पीएम मोदी ने भाषण दिया। उन्होंने शाम करीब 06.14 बजे अपना भाषण शुरू किया। 1 घंटे 42 मिनट के भाषण में उन्होंने 6 जरूरी बातें कहीं- यह सत्र भारत के विजयोत्सव का सत्र है। यह विजयोत्सव आतंकी हेडक्वार्टर को मिट्टी में मिलाने, सिंदूर की सौगंध पूरा करने, भारत की सेना के शौर्य की विजय गाथा का है। यह 140 करोड़ लोगों की एकता, इच्छाशक्ति की जीत का है। आज के वॉरफेयर में इन्फॉर्मेशन और नैरेटिव्स की बहुत बड़ी भूमिका है। नैरेटिव और एआई भरपूर उपयोग करके सेनाओं का मनोबल कमजोर करने के खेल हो रहे हैं। जनता का विश्वास कमजोर किया जा रहा है। कांग्रेस और उसके सहयोगी पाकिस्तान के ऐसे ही प्रपंच के प्रवक्ता बन चुके हैं।ऑपरेशन सिंदूर से भारत ने 3 सूत्र तय किए हैं। अगर भारत पर आतंकी हमला हुआ तो हम अपनी शर्तों पर अपने तरीके से जवाब देकर रहेंगे।यह दुर्भाग्य है कि मेरे देश के पराक्रम को कांग्रेस का समर्थन नहीं है। 22 अप्रैल के हमले के बाद 3-4 दिन में ही ये उछल रहे थे, कह रहे थे कहां गई 56 इंच की छाती, कहां गया मोदी, मोदी तो फेल हो गया।पाकिस्तान के साथ हमारी लड़ाई तो कई बार हुई, लेकिन पहली बार भारत की ऐसी रणनीति बनी कि जिसमें पहले जहां कभी नहीं गए थे, वहां तक हम पहुंचे।पाकिस्तान ने 1000 मिसाइलों से हमला किया। ये अगर गिरतीं तो बहुत तबाही मच जाती, लेकिन एयर डिफेंस ने ये मिसाइलें आसमान में ही चूर-चूर कर दीं।

मानसून सत्र का 9वां दिन,बिहार वोटर वेरिफिकेशन मामले पर हंगामे के आसार; इंडिया ब्लॉक की बैठक, रणनीति पर चर्चा होगी

नयी दिल्ली। संसद के मानसून सत्र का गुरुवार को 9वां दिन है। बिहार वोटर वेरिफिकेशन मामले में आज भी हंगामे के आसार है। इंडिया ब्लॉक के नेता गुरुवार सुबह 10 बजे राज्यसभा में विपक्ष के नेता ऑफिस में बैठक करेंगे। आगे की रणनीति पर चर्चा करेंगे। इससे पहले संसद के दोनों सदनों में पिछले 3 दिन (28-30 जुलाई) पहलगाम हमला और ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा हुई। इस दौरान पीएम मोदी ने कहा- दुनिया के किसी नेता ने जंग नहीं रुकवाई। वहीं राहुल कहा कि अगर दम है तो पीएम सदन में यह बोल दें कि ट्रम्प झूठ बोल रहे हैं। वहीं, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने लोकसभा में पहलगाम हमले के आतंकियों के मारे जाने की जानकारी दी। उन्होंने कहा- 28 जुलाई को ऑपरेशन महादेव में पहलगाम हमले के आतंकियों को ढेर कर दिया गया है। इन आतंकियों के नाम सुलेमान, अफगान और जिब्रान हैं।कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा, अमेरिकी राष्ट्रपति ने टैरिफ पर जो कहा, उसे सबने देखा है, और उन्होंने दोहराया कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध रोक दिया है। भारत को दोनों मुद्दों पर जवाब देना होगा। प्रधानमंत्री मोदी हर जगह जाते हैं, दोस्त बनाते हैं और फिर हमें बदले में यही मिलता है।संसद में मानसून सत्र के 8वें दिन ऑपरेशन सिंदूर लगातार तीसरे दिन चर्चा हुई। भाजपा सांसद जेपी नड्डा ने कहा कि 2014 से पहले हर जगह बम ब्लास्ट होते थे, लेकिन यूपीए सरकार पाकिस्तानियों को मिठाई खिलाती रही।वहीं, विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा- हम पाकिस्तान का सच दुनिया के सामने लाए। खून-पानी एक साथ नहीं चलेगा। वहीं, गृह मंत्री अमित शाह शाम 6:30 बजे ऑपरेशन सिंदूर पर विशेष चर्चा पर राज्यसभा में जवाब देंगे।मानसून सत्र के 7वें दिन लोकसभा और राज्यसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर बहस हुई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकसभा में एक घंटा 40 मिनट की स्पीच में ट्रम्प का नाम लिए बिना कहा, 'ऑपरेशन सिंदूर के दौरान दुनिया में किसी भी देश ने भारत को अपनी सुरक्षा में कार्रवाई करने से रोका नहीं है।' इससे पहले कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने 36 मिनट स्पीच दी। उन्होंने कहा, 'अगर दम है तो प्रधानमंत्री यहां सदन में यह बोल दें कि वह झूठ बोल रहे हैं। ऑपरेशन सिंदूर पर लोकसभा में 16 घंटे से ज्यादा बहस चली।संसद के मानसून सत्र के छठे दिन लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर 16 घंटे की बहस शुरू हुई। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने चर्चा की शुरुआत की। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने ट्रम्प के सीजफायर दावे पर कहा- 22 अप्रैल से 17 जून तक ट्रम्प और प्रधानमंत्री मोदी के बीच बातचीत नहीं हुई। इस बात पर विपक्ष ने हंगामा शुरू कर दिया।

विदेश मंत्री के भाषण के बीच में अमित शाह दो बार बीच में उठे और कहा- भारत का विदेश मंत्री यहां बयान दे रहा है, पर विपक्ष को उन पर भरोसा नहीं है। किसी और देश पर भरोसा है। इसलिए विपक्ष में बैठे हैं। यही हाल रहा तो और 20 साल वहीं पर बैठेंगे।संसद के मानसून सत्र के पांचवें दिन विपक्ष ने बिहार वोटर वेरिफिकेशन मुद्दे पर संसद परिसर में विरोध प्रदर्शन किया। विपक्षी सांसदों ने गांधी प्रतिमा से लेकर मकर द्वार (नए संसद भवन का एंट्री गेट) तक पैदल मार्च निकाला। मकर द्वार पहुंचने पर राहुल-प्रियंका सहित विपक्ष के सांसदों ने स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन लिखे पोस्टर फाड़े।

बॉम्बे हाईकोर्ट बोला- कबूतरों को दाना चुगाना परेशानी बनता है:यह सेहत के लिए भी खतरा; बीएमसी को दाना डालने वालों पर एफआईआर करने की परमिशन दी

मुंबई। बॉम्बे हाईकोर्ट ने कहा कि कबूतरों के झुंड को दाना डालना सार्वजनिक रूप से परेशानी पैदा करने वाला है। यह मुद्दा जन स्वास्थ्य से जुड़ा है और सभी उम्र के लोगों के स्वास्थ्य के लिए गंभीर और संभावित खतरा है। 30 जुलाई को जस्टिस जीएस कुलकर्णी और जस्टिस आरिफ डॉक्टर की बेंच ने पशु प्रेमियों की दायर याचिका पर सुनवाई की। कोर्ट ने मुंबई नगर निगम को दाना डालने वालों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का भी निर्देश दिया। इसके अलावा कोर्ट ने बीएमसी को शहर के कबूतरखानों में कबूतरों के जमावड़े को रोकने के लिए सभी जरूरी कदम उठाने और कड़े उपाय लागू करने का निर्देश भी दिया। दरअसल, 3 जुलाई को इसी मामले की सुनवाई के दौरान कोर्ट ने बीएमसी को किसी भी पुराने विरासती कबूतरखाने को ध्वस्त करने से रोक दिया था, लेकिन कहा था कि दाना डालने की अनुमति नहीं दे सकती। पल्लवी पाटिल, स्नेहा विसारिया और सविता महाजन ने याचिका में दावा किया था कि बीएमसी का यह काम पशु क्रूरता निवारण अधिनियम का उल्लंघन करता है।सुनवाई के दौरान कोर्ट की बड़ी बातें...अनुमति न मिलने के बावजूद लोग कबूतरखानों में कबूतरों को दाना डालना जारी रखे हुए हैं। अब यह स्थिति और भी जटिल हो गई है, क्योंकि पिछले आदेश में याचिकाओं को खारिज कर दिया गया था। नगर निगम के अधिकारियों को अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने से रोका जा रहा है। कानून की अवहेलना की जा रही है। हम बीएमसी को ऐसे किसी भी व्यक्ति और समूहों के खिलाफ मुकदमा चलाने की अनुमति देते हैं।महाराष्ट्र सरकार ने 3 जुलाई 2025 को विधायी सदन में घोषणा की कि मुंबई के सभी 51 कबूतरखानों को तत्काल बंद किया जाएगा। उसी दिन बीएमसी को निर्देशित किया गया कि सारे फीडिंग स्पॉट बंद होने के बाद वहां पर दाना डालने वालों के खिलाफ 500 का जुर्माना लगाया जाए। कई मुंबई की रेसिडेंशियल सोसायटीज में यह नियम है कि कोई व्यक्ति खिड़की या बालकनी में कबूतरों को दाना नहीं डालेगा। ऐसा करने पर 500-1000 तक का फ्लैट-जुर्माना लगाया जा सकता है। इसके अलावा महामारी रोग

अधिनियम 1897 और महाराष्ट्र नगर पालिका अधिनियम 1949 की धारा 381 (बी) के तहत भी कार्रवाई की जाती है।कबूतरों से मनुष्यों में कुछ खास बीमारियां फैल सकती हैं, जो उनके मल (बीट), पंख, शरीर से निकलने वाले धूलकण या परजीवियों के जरिए फैलती हैं। इन्हें जूनोटिक डिसीज कहा जाता है, यानी ऐसी बीमारियां जो जानवरों से इंसानों में फैल सकती हैं। इनमें क्रिप्टोकोकोसिस, हिस्टोप्लाजमोसिस सायटाकोसिस या पैरट फीवर, साल्मोनेलोसिस, एवियन माइट इंफेस्टेशन और टोक्सोप्लाजमोसिस जैसी बीमारियां शामिल हैं।

हैदराबाद एयरपोर्ट पर 40 करोड़ का गांजा जब्त, महिला गिरफ्तार,बैंकॉक से दुबई होते हुए भारत लौटी थी

हैदराबाद। राजीव गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने बुधवार को एक महिला यात्री के पास से 400 किलोग्राम हाइड्रोपोनिक गांजा बरामद किया। एनसीबी ने बताया कि गांजे की अनुमानित कीमत 40 करोड़ रुपए है। जांच में पता चला कि महिला ने बैंकॉक से गांजा खरीदा और दुबई के रास्ते भारत लौटी, ताकि किसी को शक न हो। क्योंकि बैंकॉक से सीधे भारत पर आने वाले यात्रियों से गांजा बरामद होने के कई मामले सामने आए हैं। एनसीबी अधिकारियों ने खुफिया जानकारी के आधार पर, महिला यात्री को रोका और उसके दो चेक-इन बैग से गांजा जब्त किया। महिला के थाईलैंड और भारत में संबंधों की जांच जारी है।

एनकाउंटर स्पेशलिस्ट दया नायक आज होंगे रिटायर, महाराष्ट्र सरकार ने दो दिन पहले एसीपी पद पर प्रमोट किया था

मुंबई। मुंबई के एनकाउंटर स्पेशलिस्ट नाम से मशहूर दया नायक गुरुवार को पुलिस सेवा से रिटायर होंगे। महाराष्ट्र सरकार ने रिटायरमेंट से दो दिन पहले 29 जुलाई को उन्हें असिस्टेंट पुलिस कमिश्नर के पद पर प्रमोट किया था। वे इससे पहले बांद्रा में मुंबई पुलिस की क्राइम ब्रांच के पुलिस इंस्पेक्टर इन-चार्ज के पद पर थे। दया नायक 1995 में मुंबई पुलिस में शामिल हुए थे। वे 1990 के दशक में उन पुलिस अधिकारियों के रूप में मशहूर हुए, जिन्होंने कई गैंगस्टरों को एनकाउंटर्स में मार गिराया। दया नायक पर एक फिल्म भी बनी थी। 2006 में, एंटी करप्शन ब्यूरो ने उनके खिलाफ आय से अधिक संपत्ति का मामला दर्ज किया था, लेकिन बाद में उन्हें क्लीन चिट दे दी गई थी। नायक ने महाराष्ट्र एंटी-टेररिज्म स्क्वॉड (ऊए) में भी काम किया। वे उस टीम का भी हिस्सा थे, जिसने 2021 में अंबानी आवास की सुरक्षा में गड़बड़ी और उसके बाद ठाणे के व्यवसायी मनसुख हिरेन की हत्या के मामले को सुलझाया था।

देश में 5 साल में साइबर फ्रॉड के मामले 900फीसदी बढ़े, सबसे ज्यादा यूपी में 9.63 लाख केस दर्ज

नयी दिल्ली। देश में 5 साल में साइबर फ्रॉड के मामले तेजी से बढ़े हैं। गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार ने राज्यसभा में बताया कि 2021 से 2025 (30 जून तक) के बीच इन अपराधों में करीब 900फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। सांसद जोस मणि के सवाल पर मंत्री ने बताया कि 2021 से 30 जून 2025 तक कुल 66 लाख से अधिक साइबर अपराध रिपोर्ट हुए। सबसे ज्यादा 9.63 लाख केस उत्तर प्रदेश में दर्ज किए गए। इसके बाद महाराष्ट्र में 7.61 लाख, दिल्ली में 5.13 लाख, गुजरात में 4.93 लाख, कर्नाटक में 4.37 लाख, तमिलनाडु में 4.09 लाख, राजस्थान में 3.93 लाख, तेलंगाना में 3.75 लाख, पश्चिम बंगाल में 3.55 लाख और हरियाणा में 3.48 लाख मामले सामने आए।

सोनू निगम हुए 52 के, बचपन गरीबी में बीता,शादियों में गाते थे,अजान पर बयान देकर मुंडवाया सिर,32 भाषाओं में गाए 6 हजार से ज्यादा गाने

मुंबई। बॉलीवुड इंडस्ट्री में अपनी सुरीली आवाज से जादू बिखेरने वाले सिंगर सोनू निगम आज 52 साल के हो गए हैं। उन्होंने कल हो ना हो, मुझ में कहीं, दिल डूबा जैसे एक से बढ़कर एक हिट गाने गाए हैं। बतौर बाल कलाकार उन्होंने फिल्म बेताब में भी काम किया था। महज 4 साल की उम्र में सिंगिंग करियर की शुरुआत की थी। वे अपने पिता के साथ शादियों, मेलों और स्टेज पर गाया करते थे। बड़े सपनों को लेकर दिल्ली से मुंबई आए, लेकिन यह सफर आसान नहीं था। शुरुआती चार साल तक उन्हें लगातार रिजेक्शन का सामना करना पड़ा। हालांकि, मेहनत और लगन के दम पर उन्होंने इंडस्ट्री में एक खास मुकाम हासिल किया। सोनू निगम गायकी के अलावा अपने बेबाक बयानों को लेकर भी चर्चा में रहते हैं। उन्होंने अजान, राधे मां और म्यूजिक इंडस्ट्री में माफिया कल्चर जैसे मुद्दों पर खुलकर राय रखी, जिसके चलते उन्हें आलोचनाओं का भी सामना करना पड़ा।सोनू निगम के पिता अगम कुमार निगम एक गायक हैं। एक समय घर की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं थी, इसलिए वे शादियों और कई कार्यक्रमों में स्टेज पर गाना गाया करते थे। इसी के चलते सोनू को भी छोटी उम्र से ही संगीत में रुचि होने लगी। जब सोनू सिर्फ 4 साल के थे और उनके पिता स्टेज पर गा रहे थे, तभी सोनू अचानक रोने लगे और गाने की जिद करने लगे। यह देखकर उनके माता-पिता हैरान रह गए, क्योंकि इससे पहले सोनू ने कभी ऐसा व्यवहार नहीं किया था, न ही कोई गाना गाया था। हालांकि वहां मौजूद लोगों ने कहा कि बच्चा है, गाने दो, तो माता-पिता ने भी उन्हें मंच पर जाने दिया। पिता से विरासत में मिला संगीत- सोनू ने पहली बार अपने पिता के साथ मंच पर मोहम्मद रफी का मशहूर गाना 'क्या हुआ तेरा वादा' गाया था। उनकी आवाज में इतनी मिठास कि वहां मौजूद माता-पिता ही नहीं, बल्कि हर कोई हैरान रह गया। उसी पल उनके माता-पिता को एहसास हुआ कि सोनू के भीतर प्रतिभा छिपी है। संगीत की प्रारंभिक शिक्षा सोनू को पिता से ही मिली। इसके बाद धीरे-धीरे सोनू ने पिता के साथ मेलों, शादी समेत हर तरह के इवेंट में गाने गाए। हालांकि जब सोनू बड़े हो रहे थे, तो उन्होंने एक समय वैज्ञानिक बनने की इच्छा भी जताई, लेकिन संगीत के प्रति उनका जुनून इतना गहरा था कि वे इससे कभी दूर नहीं हो पाए।सोनू को धीरे-धीरे दिल्ली में अच्छी-खासी पहचान मिलने लगी थी। उनकी गायकी को लोग काफी पसंद करने लगे थे। छोटे से लेकर बड़े इवेंट्स तक में उन्हें गाने के लिए बुलाया जाने लगा, लेकिन सोनू और उनके पिता जानते थे कि अगर सिंगिंग की दुनिया में बड़ा नाम कमाना है, तो दिल्ली से निकलकर मुंबई जाना ही होगा।इसके बाद वे 1991 में अपने पिता के साथ मुंबई शिफ्ट हो गए। हालांकि सोनू ने पहले कभी

संगीत की शिक्षा नहीं ली थी, लेकिन मुंबई जाने से छह महीने पहले उन्होंने ताहिर खान साहब से संगीत सीखा। उस समय सोनू की उम्र 18 साल थी।मुंबई आने के बाद शुरुआती दौर में उन्हें कोई काम नहीं मिला। सोनू और उनके पिता ने कई म्यूजिक कंपोजर्स के घरों के चक्कर लगाए, लेकिन उन्हें यह कहकर रिजेक्ट कर दिया जाता था कि उनकी आवाज में बहुत ज्यादा वैराइटी है और उसे कंट्रोल करना पड़ेगा। इसी तरह चार साल तक उन्हें कोई काम नहीं मिला।इस दौरान घर चलाने के लिए सोनू स्टेज पर मोहम्मद रफी के गाने गाया करते थे। उन्होंने सुदीप रिकॉर्डिंग स्टूडियो में भी प्रयास किया, लेकिन वहां उन्हें गाना रिकॉर्ड करने की अनुमति नहीं दी गई, जिस कारण वह बहुत रोए थे।सोनू के गाने टी-सीरीज के मालिक गुलशन कुमार को काफी पसंद आए। 1992 में उन्होंने सोनू को स्टूडियो में बुलाया। उस समय टी-सीरीज ने एक एल्बम रफी की यादें लॉन्च किया था, जिसमें सोनू निगम को गाने का मौका दिया गया।सोनू ने इस ऑफर को खुशी-खुशी स्वीकार कर लिया। इस एल्बम में उन्होंने मोहम्मद रफी के गानों को अपनी आवाज में गाया। साथ ही उन्होंने कई भजनों की भी रिकॉर्डिंग की। इसी के जरिए उन्हें धीरे-धीरे पहचान मिलने लगी। उन्होंने कई कॉमर्शियल एड्स के लिए भी काम किया। उनकी आर्थिक स्थिति भी अब पहले से बेहतर होने लगी थी। इसके बाद उन्होंने दिल्ली से अपनी मां और दोनों बहनों को भी मुंबई बुला लिया। सोनू निगम ने अपना पहला गाना फिल्म जनम के लिए रिकॉर्ड किया था, लेकिन यह फिल्म कभी रिलीज नहीं हो सकी।फिल्म बेवफा सनम का गाना हिट हुआ, मिली पहचान 1995 में गुलशन कुमार ने एक बार फिर सोनू को फिल्म बेवफा सनम में गाना गाने का मौका दिया। इस फिल्म में उन्होंने 'अच्छा सिला दिया तूने मेरे प्यार का' गाना गाया, जो काफी हिट हुआ और इसने उन्हें एक नई पहचान दिलाई। इसी साल उन्होंने जी टीवी के म्यूजिकल रियलिटी शो सा रे गा मा में बतौर होस्ट काम करना शुरू किया। यह शो बेहद लोकप्रिय हुआ और सोनू को हर घर में पहचान मिल गई। 1997 में उन्होंने फिल्म बॉर्डर में रूप कुमार राठौड़ के साथ मिलकर 'संदेशे आते हैं' गाना गाया। यह गाना देशभक्ति की भावना से भरा हुआ था और सुपरहिट साबित हुआ। इस गाने के लिए सोनू को 'बेस्ट प्लेबैक सिंगर' का अवॉर्ड भी मिला। हालांकि उन्होंने यह अवॉर्ड लेने से इनकार कर दिया, क्योंकि इस गाने में रूप कुमार राठौड़ की भी अहम भूमिका थी, लेकिन सम्मान केवल सोनू को दिया गया था। इस वजह से उन्होंने अवॉर्ड समारोह में न जाने का निर्णय लिया। इसी दौरान, 1997 में रिलीज हुई फिल्म परदेस में उनका गाया हुआ गाना ' यह दिल दीवाना' कल्ट हिट बन गया। इसके बाद सोनू ने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। वे एक के बाद एक हिट गाने गाते चले गए। अब तक वह 32 भाषाओं में 6 हजार से ज्यादा गाने गा चुके हैं।सोनू निगम ने साल 2002 में मधुरिमा मिश्रा से शादी की थी, लेकिन अगर इनकी लव स्टोरी की बात की जाए तो वह किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं है। दरअसल, मधुरिमा हिंदी समेत साउथ की कई फिल्मों में काम कर चुकी हैं। एक कार्यक्रम के दौरान दोनों की मुलाकात हुई थी। यही से दोनों के बीच दोस्ती हो गई और फिर सात साल डेटिंग करने के बाद कपल ने शादी की थी।दोनों की शादी के दौरान कई दिक्कतें आई थीं, एक तो मधुरिमा बंगाली हैं और दूसरा सोनू निगम से 15 साल छोटी हैं। शादी के पांच साल बाद मधुरिमा ने बेबी बॉय को जन्म दिया।सुनिधि चौहान-स्मिता ठाकरे से जुड़ा नाम, पत्नी को तलाक देना चाहते थे सोनू और मधुरिमा की शादी को जब तीन साल ही हुए थे, तब खबरें थीं कि दोनों के बीच सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है, वे अलग होने वाले हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, उनके अलग होने के कई कारण थे। उनमें से एक बेवफाई थी। कहा जा रहा था कि सोनू निगम का सिंगर सुनिधि चौहान और दिवंगत बाल ठाकरे के बेटे जयदेव ठाकरे की पत्नी स्मिता ठाकरे से अफेयर चल रहा था। उस समय स्मिता अपने पति से अलग हो गई थीं।एक इंटरव्यू में सोनू निगम ने कहा था- मधुरिमा और मुझे स्पेस चाहिए। हम दोनों ही टूट चुके हैं, लेकिन जिंदगी को आगे बढ़ना ही होगा। मुझे लगता है कि अपने-अपने रास्ते जाने के अलावा कोई और विकल्प नहीं है। मधुरिमा अब भी मेरे घर में रहती हैं, लेकिन दुर्भाग्य से हम आपस में बात नहीं करते। मुझे लगता है कि एक-दूसरे के प्रति सम्मान बनाए रखते हुए सौहार्दपूर्ण तरीके से अलग होना बेहतर है।हालांकि सालों बाद जब स्मिता ठाकरे के बेटे राहुल की शादी हुई, तो सोनू निगम अपनी पत्नी मधुरिमा और बेटे के साथ आगे बढ़ गए, लेकिन उन्होंने कभी अफेयर्स की खबरों पर रिएक्ट नहीं किया।कई बार ऐसा भी हुआ है जब सोनू गानों के बजाय अपने विवादित बयानों को लेकर सुर्खियों में रहे हैं। अजान, राधे मां से लेकर म्यूजिक इंडस्ट्री के माफिया तक जैसे मुद्दों पर उन्होंने बयान दिया है। अजान के खिलाफ बयान देकर फंसे थे सोनू, मुंडवाया सिर- सोनू निगम ने अजान के खिलाफ बयान दिया था। उन्होंने ट्वीट में लिखा था- भगवान सबका भला करे, लेकिन मैं एक नॉन मुस्लिम हूं और मुझे रोज सुबह इस आवाज से उठना पड़ता है। कब ये जबरदस्ती वाला धर्म खत्म होगा। इसके अलावा सोनू ने सुबह-सुबह अजान के दौरान एक वीडियो शेयर करते हुए कहा था कि उनका इस तेज आवाज से सिरदर्द होता है। लाउड स्पीकर को पूरी तरह बैन कर दिया जाना चाहिए।अजान पर बयान देने के बाद सोनू निगम विवादों में घिर गए थे। वेस्ट बंगाल माइनॉरिटी यूनाइटेड काउंसिल के उपाध्यक्ष सैयद साह अतेफ अली अल कादरी ने सिंगर का सिर मुंडवाने और जूतों की माला पहनाने वाले को 10 लाख रुपए देने का ऐलान किया था। इसके जवाब में सोनू ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर न सिर्फ सिर मुंडवाया, बल्कि ट्वीट कर 10 लाख रुपए तैयार रखने की बात भी कही। राधे मां की तुलना काली मां से कीहमेशा अपनी अजीबो-गरीब लाइफस्टाइल से सुर्खियों में रहने वालीं राधे मां की कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुई थीं, जिनमें वो शॉर्ट ड्रेस पहने दिख रही थीं। राधे मां का ये रूप देख उन्हें खूब ट्रोल किया जाने लगा। जिस पर सोनू ने उनका पक्ष लेते हुए कहा, काली जी भी छोटे कपड़े पहनती थीं। उन पर किसी ने कुछ नहीं कहा, तो अब राधे मां पर सवाल क्यों उठ रहे हैं। ये शर्मनाक है। काली मां पर ऐसा बयान देकर सोनू विवादों से घिर गए थे जिसके लिए उन्हें माफी मांगनी पड़ी थी। पाकिस्तान में पैदा होने की इच्छा जाहिर की-सोनू निगम ने आज तक को दिए एक इंटरव्यू में कहा था- कभी-कभी लगता है कि मुझे पाकिस्तान में पैदा होना चाहिए था। वहां लोगों को काम मिलता है और यहां तो म्यूजिक कंपनियों को पैसे देने पड़ते हैं, जिसके बाद काम और प्रमोशन मिलता है। करण जौहर से लिया पंगा- साल 2016 में रिलीज हुई फिल्म ऐ दिल है मुश्किल में मोहम्मद रफी का मजाक उड़ाया गया था, जिससे नाराज होकर सोनू निगम ने सोशल मीडिया पर मेकर्स के खिलाफ बयान दिया था। सोनू के भड़काऊ बयान के बाद करण जौहर ने भी उन्हें खूब बातें सुनाई थीं जिससे दोनों के बीच खूब बहस हुई थी।

'सैयारा का टाइटल ट्रैक बनाते समय डिप्रेशन में था':म्यूजिक कंपोजर तनिष्क बागची ने गाने को बताया प्रोडक्ट ऑफ पेन, बोले-'मैं सो नहीं पा रहा था'

मुंबई। अहान पांडे और अनीत पड्डा की फिल्म 'सैयारा' के गाने,

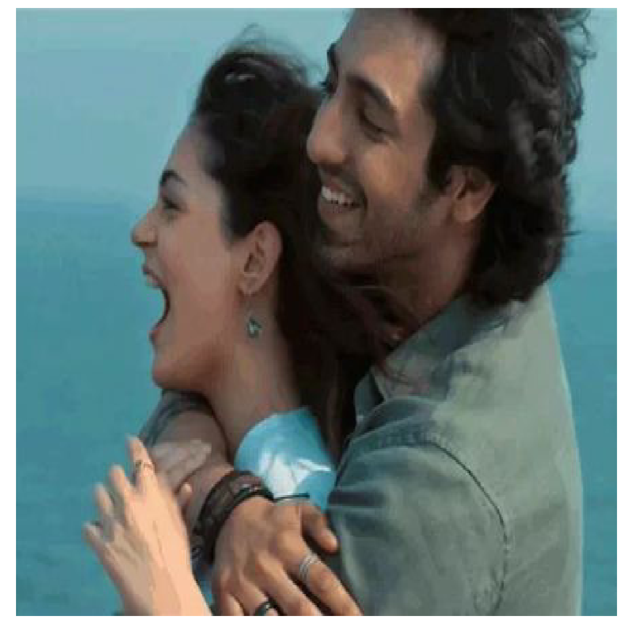

खासकर टाइटल ट्रैक कई म्यूजिक चार्ट में छाया हुआ है। टाइटल ट्रैक को बनाने वाले म्यूजिक कंपोजर तनिष्क बागची ने इस गाने को बनाने के पीछे की कहानी बताई है। बॉलीवुड हंगामा को दिए इंटरव्यू में उन्होंने 'सैयारा' के गाने को प्रोडक्ट ऑफ पेन बताया है। तनिष्क से जब इंटरव्यू में पूछा जाता है कि क्या सबसे अच्छा गाना या म्यूजिक दर्द में बाहर आता है? जवाब में वो इस पर हामी भरते हैं। फिर तनिष्क बताते हैं- 'आप यकीन नहीं करोगे, जब सैयारा बन रहा था, तब मैं बहुत ज्यादा डिप्रेशन में था। मैं रोज दवाई ले रहा हूं। सो नहीं पा रहा था। सफलता तो थी, लेकिन फिर भी एक खालीपन था जिसे मैं समझ नहीं सका। मेरे पास घर था, करियर था, सब कुछ था लेकिन उदासी भी थी। अर्सलान निजामी फैमिली इशू से गुजर रहे थे। फहीम अब्दुल्ला का एग्जाम था। मोहित सर और हम सब खुलकर बात करते थे। हमने अपने अंदर का भारीपन एक-दूसरे के साथ शेयर किया। सैयारा में शामिल हर कलाकार ने इसमें अपना दर्द डाला। मुझे लगता है यही वजह है कि इसका असर इतना गहरा है।'इंटरव्यू में जब आगे तनिष्क से पूछा गया कि आपने तो इतने सारे अच्छे गाने बनाए हैं लेकिन इस बार ऐसा क्या हुआ, जो ऑडियंस को इतना पसंद आया? इस पर वो कहते हैं- 'हमने कभी भी हिट फिल्म बनाने का लक्ष्य नहीं रखा था। हम बस यही चाहते थे कि फिल्म रियल, सिंपल और ईमानदार हो। कोई ड्रामा नहीं, कोई बनावट नहीं। जब यह बना तो मैंने इसे लूप पर सुना। पहली बार, मेरे अपने गाने ने मुझे ठीक करना शुरू किया। तभी मुझे एहसास हुआ कि यह दूसरों को भी ठीक करेगा।' बता दें कि 'सैयारा' के टाइटल ट्रैक ग्लोबल म्यूजिक वर्ल्ड में धूम मचा रखी है। फिल्म का ये गाना अब कई इंटरनेशनल चार्ट्स में टॉप पर पहुंच गया है। बिलबोर्ड ग्लोबल 200 और स्पॉटिफाई की टॉप ग्लोबल सॉन्ग के लिस्ट में नंबर 1 बन चुका है।

नया गाना तेरा रूठना मुझको प्यारा लगा

नयी दिल्ली। दिल्ली में निर्देशक

प्रवीण कुमार द्वारा न्यू एल्बम सॉन्ग तेरा रूठना मुझको प्यारा लगा की शूटिंग की गई और बहुत जल्दी है यूट्यूब पर भी अपलोड किया गया और रिस्पांस भी अच्छा मिल रहा है जिसके मुख्य कलाकार बबली सूर्यवंशी बहुत ही उम्दा अच्छा कलाकार के रूप में ऊपर कर आई और फिल्म के मुख्य अभिनेता सुनील कुमार कश्यप जो अपनी एक्टिंग का इस सॉन्ग के अंदर लोहा मनवा चुके हैं एक अच्छे कलाकार ऊपर कर आए हैं फिल्म इंडस्ट्री के अंदर उनकी एक्टिंग को देखकर लोगों का दिल्ली में इंडिया गेट कनॉट प्लेस और चांदनी चौक बरखंडी मंदिर के आसपास पार्क में यह गाना शूट किया गया है बहुत लोगों की भीड़ जमा हुई और लोगों ने फुल इंजॉय किया हीरोइन के साथ में फोटो भी सेल्फी ली गाना बहुत अच्छा है एक रोमांटिक और साद सोंग है पब्लिक को पसंद आ रहा है

'क्योंकि सास...' की वापसी से दर्शक भावुक हुए:लोगों को पुराने दिन याद आए, शो की 'अनुपमा' से तुलना पर रूपाली गांगुली ने चुप्पी तोड़ी

मुंबई। टीवी का पॉपुलर

शो 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' फिर से लौट आया है। इसका पहला एपिसोड मंगलवार रात को टेलीकास्ट हुआ और इसे देखकर दर्शकों की पुरानी यादें ताजा हो गईं। इस शो की वापसी को लेकर सोशल मीडिया पर लोग अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। कई यूजर्स ने शो के टाइटल ट्रैक, तुलसी-मिहिर की जोड़ी और फैमिली वैल्यूज की तारीफ की।शो की वापसी के बाद इसकी तुलना अनुपमा से की जा रही है। जिसको लेकर एकता कपूर ने कहा कि लीड रोल्स और शो के बीच तुलना करना जरूरी नहीं है।ब्रूट को दिए इंटरव्यू में एकता कपूर ने कहा- 'हम अपनी कहानी दिखाने के लिए वापस आ रहे हैं। लीड रोल्स और शो की आपस में तुलना करना ठीक नहीं है। यह जरूरी भी नहीं है। औरतों को एक-दूसरे के खिलाफ खड़ा करना या कंटेंट की आपस में टक्कर कराना बिल्कुल बेवजह है।'

हिट एंड रन मामले में एक्ट्रेस नंदिनी कश्यप गिरफ्तार:बोलेरो एसयूवी की टक्कर के बाद छात्र की मौत हुई थी

मुंबई। गुवाहाटी पुलिस ने बुधवार को

असम की एक्ट्रेस नंदिनी कश्यप को गिरफ्तार किया है। उन पर एक 21 साल के छात्र की मौत वाले हिट एंड रन मामले में गाड़ी चलाने का आरोप है। यह हादसा 25 जुलाई की रात करीब 3 बजे गुवाहाटी के दक्षिणगांव इलाके में हुआ था। मृतक की पहचान नलबाड़ी पॉलिटेक्निक के छात्र समीउल हक के रूप में हुई थी। घटना के सीसीटीवी फुटेज में दिखा कि छात्र घर लौट रहा था, तभी एक बोलेरो एसयूवी ने उसे टक्कर मार दी।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, गाड़ी एक्ट्रेस चला रही थीं। टक्कर के बाद वह रुकी नहीं और मौके से भाग गईं। समीउल के दोस्तों ने उस एसयूवी का पीछा किया और उसे काहिलीपाड़ा के एक अपार्टमेंट में ट्रैक किया।हादसे के बाद छात्र को गंभीर हालत में अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। हिंदुस्तान टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, छात्र के परिवार ने कहा कि समीउल को सिर में गंभीर चोटें आई थीं। दोनों पैरों में कई फ्रैक्चर हुए थे। यह भी बताया गया कि उसके हाथ और जांघ की हड्डियां भी टूट गई थीं। परिजनों का दावा है कि एक्ट्रेस ने इलाज का खर्च उठाने का वादा किया था लेकिन फिर संपर्क नहीं किया।पुलिस ने बुधवार सुबह एक्ट्रेस को पानबाजार महिला थाने में हिरासत में लिया। स्थानीय समाचार नेटवर्क जीप्लस से बात करते हुए पुलिस ने बताया कि उनकी गिरफ्तारी बुधवार रात 1:30 बजे हुई। हमने भारतीय न्याय संहिता की धारा 105 जोड़ी है। गिरफ्तारी से पहले पुलिस ने उनकी गाड़ी जब्त कर पूछताछ की थी, जिसमें उन्होंने कोई भूमिका होने से इनकार किया था।

अमाल के डिप्रेशन को लेकर पिता ने अपनी गलती मानी:डब्बू मलिक बोले- शायद मैंने अनजाने में बेटे को नजरअंदाज कर दिया

मुंबई। म्यूजिक कंपोजर डब्बू मलिक ने हाल ही में अपने बेटे अमाल मलिक के डिप्रेशन और पारिवारिक तनाव को लेकर बात की है। अमाल ने मार्च 2025 में डिप्रेशन में होने की बात कही थी। अब दैनिक भास्कर के साथ बातचीत में उनके पिता डब्बू मलिक ने इस पूरे मामले पर प्रतिक्रिया दी है। डब्बू मलिक ने माना कि वो अमाल की फीलिंग्स को पूरी तरह नहीं समझ पाए। उन्होंने कहा- 'मैंने तो स्वीकार किया। मैं तो अमाल के पास गया और मैंने उससे बाकायदा ये कहा कि शायद मुझसे जाने-अनजाने में कोई ऐसी गलती हो गई। मैंने तुझे नजरअंदाज कर दिया और कोई एस्पेक्ट्स ऑफ लाइफ के अंदर जो हो सकता है क्योंकि मां-बाप से ये भी गलती हो सकती है कि वो एक ही बच्चे पर फोकस करते हैं या एक ही आदमी पर तवज्जो देते हैं, समझते हैं कि वो हमारा टॉर्च बियरर है, तो कभी-कभी शायद पर्सनल इमोशनल लेवल पर हम से ये गलतियां हो जाती हैं।' डब्बू ने यह भी कहा कि कभी-कभी माता-पिता सोचते हैं कि बड़ा बच्चा खुद समझ जाएगा, लेकिन ऐसा नहीं होता। उन्होंने कहा- 'अमाल को बात तब समझ आई जब मैंने बोला कि मैं भी बच्चा हूं। मैं भी पिता

बनने के लायक अभी तक बना नहीं था। मैं भी सीख रहा था। जब तू बड़ा हो रहा था और तू 34 साल का है अभी, तो 30 साल पहले मैं भी एक पिता बनने के योग्य था कि नहीं था, मुझे भी नहीं पता था, तो उस प्रोसेस को जब मैं ही नहीं समझ पा रहा था, तो बेटा तेरे को कैसे संभालता था? या तेरे को कैसे समझता?' डब्बू मलिक ने माना कि जब माता-पिता खुद अपनी गलतियां स्वीकारते हैं, तो बच्चों को संतोष मिलता है। डब्बू मलिक ने अमाल से बातचीत के बारे में बताया- 'फिर हमने लिस्ट बनाई अपनी चीजों की कि क्या-क्या ऐसी चीजें हैं जो धीरे-धीरे हम लोग चेकलिस्ट करते रहे। मैं 14-15 दिन में अपने बेटे के साथ था और मैं डरकर या दबकर चुप नहीं था, बल्कि सब सुन रहा था और चीजों को स्वीकार कर रहा था।' डब्बू ने यह भी कहा कि अमाल की भावनाएं बाहर निकलना अच्छी बात रही। 'उसका गुस्सा बाहर निकलना अच्छा हुआ क्योंकि अगर ये घर में होता तो बस बातें ही होती रहतीं और मामला सालों तक दबा रह जाता। अच्छा हुआ कि ये बात बाहर आई और वो अपना दर्द खुलकर कह पाया।' डब्बू मलिक ने मजाकिया अंदाज में यह भी कहा- ' मैं तो उससे कह रहा हूं, बहुत धन्यवाद, तूने तो डब्बू मलिक को स्टार बना दिया। लोग पहले जानते ही नहीं थे कि मैं तेरे पापा हूं या कुछ हंगामा है। अब तो मैं सोशल मीडिया स्टार बन गया हूं, अमाल मलिक का पापा!' मार्च 2025 में अमाल मलिक ने सोशल मीडिया पर एक लंबा और भावुक पोस्ट लिखकर यह कहा था कि वे डिप्रेशन से जूझ रहे हैं और उन्होंने अपने माता-पिता और छोटे भाई अरमान मलिक से व्यक्तिगत रिश्ते खत्म करने का फैसला किया है।अमाल ने लिखा था- 'मैं अब उस दर्द को चुपचाप सहने की स्थिति में नहीं हूं जो मैंने सालों तक सहा। मुझे कमतर महसूस कराया गया, जबकि मैंने अपना खून-पसीना बहाकर एक सुरक्षित जीवन देने की कोशिश की।' अमाल ने कहा था कि अब उनके अपने परिवार से केवल प्रोफेशनल रिश्ते ही होंगे। उन्होंने कहा था कि यह फैसला गुस्से में नहीं, बल्कि खुद को ठीक करने और अपनी जिंदगी वापस पाने की जरूरत से लिया गया है।

विजय सेतुपति पर लगा कास्टिंग काउच का आरोप:सोशल मीडिया पर पोस्ट के जरिए महिला का दावा, बाद में किया डिलीट

मुंबई। साउथ एक्टर विजय सेतुपति पर कास्टिंग काउच का

गंभीर आरोप लगा है। उन पर ये आरोप सोशल मीडिया पर राम्या मोहन नाम की एक महिला ने लगाया है। राम्या ने अपने पोस्ट में न सिर्फ एक्टर पर बल्कि तमिल फिल्म इंडस्ट्री को लेकर भी कई दावे किए। हालांकि, बाद में ये पोस्ट डिलीट कर दी गई और अब वो अकाउंट भी डिएक्टिवेट हो चुका है।एक्स पर राम्या मोहन लिखती हैं- 'कॉलीवुड में ड्रग और कास्टिंग काउच कल्चर कोई मजाक नहीं हैं। मेरी जान-पहचान की एक लड़की, जो अब एक जानामाना चेहरा है, को इस गंदगी में धकेला गया। आज वो रीहैब सेंटर में है। ड्रग्स, मानसिक शोषण और जिस्मानी फेवर को इंडस्ट्री का 'नॉर्म' कहकर छुपाया जाता है। विजय सेतुपति ने उसे 'कारवैन फेवर' के लिए 2 लाख और 'ड्राइव' के लिए 50 हजार रुपये ऑफर किए।' उन्होंने आगे लिखा, 'वह सालों तक उसका इस्तेमाल करता रहा, और सोशल मीडिया पर संत बनता फिरता है। ये सिर्फ एक लड़की की कहानी नहीं है, कई हैं। मीडिया इन लोगों को पूजता है जैसे ये भगवान हों। ड्रग और सेक्स का ये नेक्सस एक सच्चाई है, मजाक नहीं।' हालांकि, राम्या के दावे पर एक्टर या उनकी टीम की तरफ से अब तक कोई स्टेटमेंट नहीं आया है। वहीं, राम्या मोहन को लेकर भी कई जानकारी अब तक सामने नहीं आई है। इस पूरे मामले में अब तक कोई कानूनी कार्रवाई या पुलिस कंप्लेन भी नहीं की गई है।बता दें कि विजय तमिल के अलावा हिंदी सिनेमा में भी चर्चित चेहरा हैं। एक्टर शाहरुख खान की फिल्म 'जवान' में विलेन के तौर पर नजर आ चुके हैं। इसके अलावा उन्होंने कटरीना कैफ के साथ फिल्म 'मैरी क्रिसमस' में काम किया है।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक
डॉ. दीपक अरोरा
द्वारा रामा प्रिंटर्स
53/25/1 ए बेली रोड
न्यू कटरा प्रयागराज
(उ.प्र) 211002 से
मुद्रित एवं सी-41यूपी
एसआईडीसी औद्योगिक
क्षेत्र नैनी प्रयागराज से
प्रकाशित ।
संपादक/प्रकाशक
डा.पुनीत अरोरा
मो.न.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398
www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।